શુભ લાભ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 14 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-311

उच्च टैरिफ के बावजूद सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत : मूडीज़

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज़ ने अपनी ताज़ा ग्लोबल मैक्रो आउटलुक रिपोर्ट 2026-27 में कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उच्च टैरिफ लगाए जाने के बावजूद भारत जी20 देशों में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की वृद्धि को मजबूत बुनियादी ढांचा निवेश, सशक्त घरेलू उपभोक्ता मांग और निर्यात विविधीकरण से बल मिलेगा। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहे भारतीय निर्यातकों ने अपने निर्यात को फिर से पटरी पर लाने में सफलता हासिल कर ली है। सितंबर माह में कुल निर्यात में 6.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि अमेरिका को भेजे गए सामान में 11.9 प्रतिशत की गिरावट आई है।

मूडीज़ ने भारतीय रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति की भी सराहना की है, जिसने देश को स्थिर विकास पथ पर बनाए रखा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ठइख ने अक्टूबर में अपनी रेपो दर स्थिर रखी, जो यह दर्शाता है कि केंद्रीय बैंक अपनी नीति के प्रति सतर्क है क्योंकि महंगाई नियंत्रण में है और

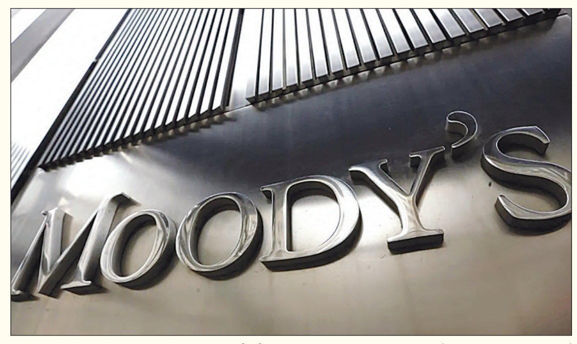

विकास दर मजबूत बनी हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, सकारात्मक निवेशक भावना से प्रेरित मजबूत अंतरराष्ट्रीय पूंजी प्रवाह ने बाहरी झटकों को कम करने और तरलता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, इसमें यह भी कहा गया है कि घरेलू मांग भारत की प्रमुख विकास इंजन बनी हुई है, जबकि निजी क्षेत्र अभी भी बड़े पैमाने पर व्यावसायिक निवेश के लिए पूरी तरह से भरोसा हासिल नहीं कर पाया है।

रिपोर्ट में वैश्विक विकास स्थिर लेकिन कमजोर रहने की संभावना जताई गई है। इसमें कहा गया है कि विकसित अर्थव्यवस्थाएं मध्यम गति से बढ़ रही हैं, जबकि उभरते बाजारों में अपेक्षाकृत मजबूत वृद्धि देखी जा रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2026 और 2027 में वैश्विक विकास दर 2.5 से 2.6 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लगभग 1.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि उभरते बाजारों में 4 प्रतिशत की वृद्धि संभावित है।

अमेरिका धीमी लेकिन स्थिर गति से आगे बढ़ रहा है, जिसे मध्यम उपभोक्ता खर्च और एआई से संबंधित निवेशों का समर्थन प्राप्त है।

वहीं, चीन की वृद्धि दर 2025 में 5 प्रतिशत से घटकर 2027 तक 4.2 प्रतिशत होने की उम्मीद जताई गई है।

एनडीए या महागठबंधन, किसके सिर सजेगा ताज?

बिहार की सत्ता का फाइनल फैसला आज

पटना, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों का इंतजार अब खत्म होने वाला है। मतगणना शुक्रवार, 14 नवंबर को सुबह 8:00 बजे से पूरे राज्य में एक साथ शुरू होगी। चुनाव आयोग ने मतगणना प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित और कुशल बनाने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सबसे पहले पोस्टल बैलेट (डाक मतपत्र) की गिनती होगी। इसके बाद सुबह 8:30 बजे से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की मतगणना शुरू की जाएगी। डाक मतपत्रों की गिनती संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर या असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर की उपस्थिति में उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों के सामने की जाएगी।

राज्य की 243 विधानसभा सीटों पर मतगणना के लिए पूरी व्यवस्था की गई है। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक रिटर्निंग ऑफिसर और एक काउंटिंग ऑब्जर्वर तैनात रहेंगे। परिणामों को राउंड-वाइज और विधानसभा-वार संकलित कर संबंधित आरओ द्वारा चुनाव आयोग के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। ईवीएम मतगणना प्रक्रिया के दौरान हर कंट्रोल यूनिट को टेबल पर लाया जाएगा और एजेंटों को सील एवं सीरियल नंबर की जांच करने का अवसर दिया जाएगा। यदि किसी बूथ में मतों की संख्या या रिकॉर्ड में असमानता पाई जाती है, तो उस केंद्र की वीवीपैट पर्चियों की अनिवार्य गिनती की जाएगी।

पूरे बिहार में कुल 4,372 काउंटिंग टेबल्स स्थापित की गई हैं। प्रत्येक टेबल पर एक काउंटिंग सुपरवाइज़र, एक काउंटिंग असिस्टेंट और एक माइक्रो ऑब्जर्वर मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही उम्मीदवारों की ओर से नियुक्त 18,000 से अधिक काउंटिंग एजेंट मतगणना की निगरानी करेंगे, जिससे प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी और निष्पक्ष बनी रहे।

ईवीएम की गिनती पूरी होने के बाद, हर विधानसभा क्षेत्र में पांच मतदान केंद्रों का यादृच्छिक चयन किया जाएगा, जहां वीवीपैट पर्चियों का मिलान ईवीएम परिणामों से किया जाएगा। यह प्रक्रिया उम्मीदवारों और उनके एजेंटों की उपस्थिति में संपन्न होगी। विशेष बात यह है कि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में एक भी पुनर्मतदान नहीं हुआ। 2,616 उम्मीदवारों और 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से किसी ने भी पुनर्मतदान की मांग नहीं की। चुनाव आयोग के अनुसार, राज्य के सभी 38 जिलों में मतदान ▶10 पर

काउंटिंग से पहले तेजस्वी यादव की रणनीतिक बैठक, बोले –

हम पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे

पटना, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों से एक दिन पहले, गुरुवार को महागठबंधन नेता तेजस्वी यादव ने अपने सरकारी आवास पर सहयोगी दलों के नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने दावा किया कि महागठबंधन पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा, बड़ी संख्या में जनता ने इस बार बदलाव के

लिए मतदान किया है। लोगों ने महागठबंधन के पक्ष में वोट दिया है। हम पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने जा रहे हैं। कल का दिन जनता की जीत का दिन होगा। उन्होंने 2020 के चुनावों का हवाला देते हुए कहा कि यदि कोई अधिकारी इस बार किसी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी करेगा, तो जनता चुप नहीं बैठेगी।

इस बैठक में वीआईपी पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी, कांग्रेस नेता कृष्णा अल्लावरु और सीपीआई (एमएल) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य सहित महागठबंधन के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। ▶10 पर

देश के दुश्मनों को अमित शाह की कड़ी चेतावनी

दोषियों को ऐसी सजा देंगे कि दुनिया देखेगी

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

लाल किला बम धमाके की जांच को लेकर लगातार दो दिन तक चली उच्चस्तरीय बैठकों के बाद केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश के दुश्मनों को सख्त चेतावनी दी है। शाह ने कहा कि इस कार विस्फोट के जिम्मेदार सभी लोगों को कठोर सजा दिलाने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प अवश्य पूरा किया जाएगा।

अमित शाह ने कहा, दिल्ली कार विस्फोट के दोषियों को ऐसी सजा दी जाएगी कि दुनिया देखेगी। यह सजा आने वाली पीढ़ियों को संदेश देगी कि भारत में आतंक फैलाने की साजिश करने वालों का अंजाम क्या होता है। कोई भी दोबारा ऐसा सोचने की हिम्मत नहीं करेगा।

गुजरात में मोतीभाई आर. चौधरी सागर सैनिक स्कूल और सागर ऑर्गेनिक प्लांट का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करते हुए शाह ने विस्फोट में मारे गए निर्दोष लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में एक नई मिसाल कायम की है।

शाह ने कहा, भारत ने यह साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, ठोस नीति और जनता के सहयोग से आतंकवाद जैसी चुनौती पर निर्णायक प्रहार किया जा सकता है। जिन लोगों ने यह कायरतापूर्ण हमला किया है, उन्हें कानून के सामने लाकर सख्त से सख्त सजा दी जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, अमित शाह लगातार सुरक्षा और जांच एजेंसियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। बुधवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद पूरे मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंपी गई। इसके बाद शाह ने एनआईए, एनएसजी और एफएसएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर जांच को तेज़ी से आगे बढ़ाने और दोषियों को शीघ्र सजा दिलाने के निर्देश दिए।

इसी बीच, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अल फलाह यूनिवर्सिटी के आतंकियों के ठिकाने के रूप में सामने आने पर शाह ने गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के निदेशक राहुल नवीन के साथ विशेष बैठक की, जिसमें विश्वविद्यालय की फंडिंग और संचालन से जुड़ी गड़बड़ियों पर चर्चा हुई। बैठक में अल फलाह यूनिवर्सिटी का फॉरेंसिक ऑडिट कराने का निर्णय लिया गया है, जिसकी जिम्मेदारी ईडी को सौंपी गई है। इस जांच में सीरियस फ्रॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस जैसी एजेंसियां भी सहयोग करेंगी।सूत्रों के अनुसार, ऑडिट के दौरान विश्वविद्यालय की स्थापना (1997 में अल फलाह इंजीनियरिंग कॉलेज से लेकर 2014 में यूनिवर्सिटी के रूप में मान्यता मिलने तक) के सभी वित्तीय लेनदेन की गहन जांच की जाएगी। साथ ही, अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट की आय-व्यय, ▶10 पर

पुणे में भीषण सड़क हादसा

25 गाड़ियां आपस में टकराईं 9 की मौत, 5 लोग जिंदा जले

पुणे, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

पुणे के बाहरी इलाके में नवले ब्रिज के पास गुरुवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एक ट्रक का ब्रेक फेल हो जाने से करीब 20 से 25 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनमें 5 लोग जिंदा जल गए, जबकि करीब 20 लोग घायल हुए हैं।पुलिस के मुताबिक, हादसा पुणे-नासिक हाईवे पर भोरगांव के पास हुआ। ट्रक सबसे पहले एक कार से टकराया, जो आगे जा रहे कंटेनर में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुछ ही सेकंड में कार और ट्रक दोनों में आग लग गई। कार कंटेनर और ट्रक के बीच बुरी तरह दब गई, जिससे उसमें सवार पांच लोग बाहर नहीं निकल सके और जिंदा जल गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि ट्रक और कंटेनर सतारा से पुणे की ओर आ रहे थे। ▶10 पर

टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई ने हासिल की ऐतिहासिक रफ्तार : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में तपेदिक (टीबी) नियंत्रण में मिली ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूए-चओ) की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2025 में यह स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है कि भारत में टीबी के मामलों में 2015 की तुलना में उल्लेखनीय कमी आई है और यह गिरावट वैश्विक औसत से लगभग दोगुनी तेज़ है।

प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए गुरुवार को एक्स पर लिखा, टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई उल्लेखनीय गति से आगे बढ़ रही है। डब्ल्यूएचओ की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत ने

2015 से अब तक टीबी की घटनाओं में सराहनीय कमी दर्ज की है, जो वैश्विक औसत दर से लगभग दोगुनी है। यह दुनिया में दर्ज हुई सबसे तेज़ गिरावटों में से एक है। उतना ही उत्साहजनक है उपचार कवरेज का बढ़ना, ङमिसिंग केसफकी कमी और उपचार सफलता में निरंतर वृद्धि। मैं उन सभी को बधाई देता हूं जिन्होंने इस सफलता में योगदान दिया है। हम एक स्वस्थ और फिट भारत सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में टीबी के नए मामलों (टीबी इंसीडेंस) में 21 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है- 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 237 मामले थे, जो 2024 में घटकर 187 रह गए हैं। यह दर वैश्विक औसत गिरावट (12 प्रतिशत) की तुलना में लगभग दो गुना है। भारत ने टीबी मृत्यु दर को भी उल्लेखनीय रूप से घटाया है। वर्ष 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 28 मौतें होती थीं, जो 2024 में घटकर 21 रह गई हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत उपचार कवरेज 92 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो अन्य उच्च-भार वाले देशों और वैश्विक औसत से अधिक है। साथ ही उपचार सफलता दर 90 प्रतिशत रही है, जबकि वैश्विक दर 88 प्रतिशत है। ▶10 पर

हिरासत में रेप केस पर सुप्रीम कोर्ट को शर्म : बीआर गवई

47 साल पहले कोर्ट ने नागरिकों को निराश किया

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने 47 साल पुराने एक रेप केस में शीर्ष अदालत के फैसले को संस्थागत शर्मिंदगी का क्षण बताया है। सीजेआई गवई ने कहा कि 1979 में दिए गए उस फैसले ने न्यायपालिका से जनता का भरोसा कमजोर किया था।

सीजेआई गवई ने 30वें सुनंदा भंडारे मेमोरियल लेक्चर में कहा – यह भारत के न्यायिक इतिहास का सबसे अधिक परेशान करने वाला क्षण था, जब न्याय व्यवस्था उसी की गरिमा की रक्षा नहीं कर सकी, जिसकी रक्षा करना उसका उद्देश्य था।

यह मामला महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले का था, जहाँ वर्ष 1972 में एक 14 से 16 वर्ष की अनुसूचित जनजाति की नाबालिग लड़की के साथ दो पुलिसकर्मियों द्वारा हिरासत में रेप किए जाने का आरोप लगा था। मामले को बाद में मथुरा रेप केस के नाम से जाना गया।

सत्र न्यायालय ने अभियुक्तों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि लड़की की सहमति से यह संबंध बना।

कार्टून कॉर्नर

आंध्र प्रदेश बस दुर्घटना: सीसीटीवी फुटेज से हुआ चौंकाने वाला खुलासा

हादसे से पहले ही हो चुकी थी बाइक सवार की मौत

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले में 24 अक्टूबर को हुई हैदराबाद-बेंगलुरु बस दुर्घटना के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। इस हादसे में 19 लोगों की मौत हुई थी। नई सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि जिस बाइक से बस टकराई थी, उसका सवार हादसे से पहले ही मर चुका था।

फुटेज में दिखाई देता है कि बाइक सड़क पर गिरी हुई थी और कई वाहन उसके आसपास से गुजरे, लेकिन किसी ने रुककर मदद नहीं की। पुलिस अब इस मामले को सिर्फ सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि मानवीय जिम्मेदारी और हाईवे सुरक्षा की विफलता के रूप में देख रही है। शुरुआती रिपोर्टों में बताया गया था कि निजी बस की टक्कर से बाइक सवार शिव शंकर की मौके पर मौत हुई थी, लेकिन फॉरेंसिक जांच और उसके साथी एरी स्वामी के बयान से स्पष्ट हुआ कि शंकर की मौत पहले ही हो चुकी थी। कर्नूल के एसपी विक्रांत पाटिल के अनुसार, बाइक डिवाइडर से टकराने के बाद शंकर की मौके पर ही मौत हो गई थी। उसका साथी स्वामी किसी तरह घायल अवस्था में बच निकला और शव को सड़क

किनारे ले गया, लेकिन बाइक नहीं हटा सका। सीसीटीवी में साफ दिखा कि कई वाहन बाइक को देखकर बचते हुए निकल गए। कुछ देर बाद कावेरी ट्रैवल्स की तेज रफ्तार बस वहां पहुंची और बाइक से टकरा गई। बस ड्राइवर मिरियाला लक्ष्मैया ने बाइक को करीब 200 मीटर तक घसीटा, जिससे घर्षण और पेट्रोल रिसाव से आग लग गई। आग ने कुछ ही मिनटों में बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे यात्रियों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।जांच में सामने आया है कि वी. कावेरी ट्रैवल्स की बस को अवैध रूप से स्लीपर कोच में बदला गया था। उसका इमरजेंसी दरवाजा भी बंद था। बस में मोबाइल फोन की बड़ी खेप भी ले जाई जा रही थी, जिनकी लिथियम बैटरी से आग और भड़क गई। पुलिस ने कंपनी के खिलाफ जांच तेज कर दी है। साथ ही उन वाहनों की भी पहचान की जा रही है, जो बाइक और मृतक को देखकर भी बिना मदद किए आगे निकल गए।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,30,130/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,66,160/-
(प्रति किलोग्राम)

हमारा मन दुःख और सुख का उद्गम स्थल: साध्वी भव्यगुणाजी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी भव्यगुणाजी ने कहा कि हमारा मन दुःख और सुख का उद्गम स्थल है। जैसा मन होगा वैसी अनुभूति होगी। आत्मकल्याण के लिए दुनिया में बाहर कुछ भी नहीं है, जो कुछ है हमारे भीतर है। लेकिन हम बाहर भटकते रहते है। बाहर भटकने से ही समस्याएं उत्पन्न होती है। समस्याओं का समाधान हमारे भीतर मिलेगा, लेकिन हम उन्हें बाहर खोजते रहते है। हमारी सोच ही हमारी समस्याओं को सुलझा या उलझा सकती है। सोच सकारात्मक होगी तो मुश्किल समस्या भी आसानी से सुलझ जाएगी। नकारात्मक सोच सामान्य समस्या को भी जटिल बना देती है। उन्होंने कहा कि जीवन में आत्मीय आनंद की अनुभूति करने के लिए खुद को पहचानना होगा और अपने भीतर झांकना होगा। व्यक्ति में अनंत शक्ति है और यदि वह अपनी शक्ति को पहचान लेता है तो हर समस्या का समाधान कर सकता है।

मानव जीवन कच्चे घड़े के समान है कब फूट जाए पता ही नहीं चलता। इसलिए जीवन में शुभ कार्य करने में कभी प्रमाद नहीं करना चाहिए। जिसने प्रमादरहित होकर शुभ कर्म किए उसने अपना जीवन सफल बना लिया। जीवन में जन्म, बचपन, जवानी, बुढापा व मृत्यु पांच अहम भाग होते है। इनको समझ उसी अनुरूप जीवन जीना चाहिए एवं धर्म कार्य करते रहना चाहिए। व्यक्ति के जीवन में सुख दुःख आते जाते है। स्वभाव व अभाव इनका कारण होता है। व्यक्ति स्वभाव में कम और अभाव में ज्यादा जीता है। वह जो उसके पास है उनका आनंद लेने की बजाय जो नहीं है उसे लेकर दुःखी रहता है। व्यक्ति अभाव छोड़कर स्वभाव में जीना सीख ले तो जीवन की दशा बदल जाएगी। हमारे पास जो है उसमें संतोष रखना सीखे क्योंकि संतोष से बड़ा कोई धन नहीं होता है। संतोष रखने वाला व्यक्ति दुख में भी सुख की तरह रह सकता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि आत्मा केवलज्ञान प्राप्त करने के बाद निर्वाण होकर सिद्ध बुद्ध मुक्त हो जाती है। दुःख का पहला कारण अपनी आकांक्षा है। दुःख कहीं बाहर से नहीं आता, वह अपनी आकांक्षा, कामना इच्छा से आता है, वह अपनी लालसा से आता है, वह अपने मन से आता है, पहले किये हुए पाप के फल से भी आता है। उन्होंने कहा कि दुःख और सुख का उद्गम स्थल भी अपना मन है। जहां मन शान्त हुआ, वहीं सुख का अमृत स्रोत फूट पड़ता है। जहां इच्छाएं, वासनाएं मरी, वहीं आनन्द हिलोरे मारने लगता है। जहां आकांक्षा-तृष्णा का दहन हुआ, वहीं सुख का झरना फूट पड़ता है। सुख का खजाना धन, सत्ता व पदार्थों में नहीं, सत्य आत्मा में है। सच्चा परम सुख तो आत्मा में है। चित्रदुर्ग से बस्तीमल वाणीगोता, रिखबचंद वाणीगोता, पृथ्वीराज गांधीमुथा, अशोक वाणीगोता, रमेश बोहरा, जयंतीभाई गुरुजी ने दर्शन वंदन का लाभ लिया।

सभी की सेवा इस चातुर्मास में अत्यंत प्रशंसनीय: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थानक में चातुर्मास संपन्न कर श्रमण संघीय उपप्रवर्तिनी तप कौमुदी महासती निर्मला आदि ने नेहरू नगर से सुब्रह्मण्यनगर स्थित पितलिया निवास की ओर मंगलमय विहार किया। राजाजीनगर संघ के तत्वावधान में संपन्न हुए इस वर्ष के चातुर्मास में श्रद्धालुओं की सेवा, साधना और समर्पण अत्यंत सराहनीय रहा। साध्वी नंदिनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप सभी की सेवा इस चातुर्मास में अत्यंत प्रशंसनीय रही। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा अनुकरणीय है। आपने इस चातुर्मास में जो तप, त्याग और आराधना की, वह प्रेरणादायी उदाहरण है। देव, गुरु और धर्म के प्रति आपकी अटूट निष्ठा यूं ही बनी रहे यही मंगलकामना है। निरंतर दर्शन और विहार का लाभ लेकर आप सभी संघ का गौरव बढ़ा रहे हैं। आपकी धर्म भावना और सेवा के इसी उत्साह से संघ की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ती रहे, यही सच्ची साधना है। साध्वी मंडल का शुक्रवार का विहार लूणावत निवास राजाजीनगर की ओर निर्धारित है। विहार सेवा में राजाजीनगर युवा मंडल, जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा, एस.एस.एस. विहार सेवा सदस्यगण तथा राजाजीनगर संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति रही। वृद्धिचंद पितलिया ने सभी का स्वागत किया। संघ मंत्री नेमीचंद दलाल एवं युवाध्यक्ष धीरज नाहर ने पितलिया परिवार की अनुमोदना करते हुए सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

सुप्रीम कोर्ट ने मेकेदातु जलाशय परियोजना को लेकर तमिलनाडु की चुनौती को 'समय से पहले' माना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को अंतरराज्यीय कावेरी नदी पर मेकेदातु में कर्नाटक द्वारा प्रस्तावित जलाशय निर्माण को चुनौती देने वाली तमिलनाडु की याचिका को 'समय से पहले' करार दिया और उस पर विचार करने से इनकार कर दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि कर्नाटक द्वारा प्रस्तुत जलाशय पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर केवल कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) और कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के विशेषज्ञ ही विचार कर रहे हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि डीपीआर को सीडब्ल्यूएमए और सीडब्ल्यूआरसी की मंजूरी के बाद ही स्वीकार किया जाएगा। डीपीआर को मंजूरी मिलने पर, तमिलनाडु सहित प्रभावित पक्ष कानून के अनुसार कदम उठाने के लिए स्वतंत्र होंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि कर्नाटक, वैसे भी, निचले तटवर्ती तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी, जो कि नीचे की ओर है, को आवंटित कावेरी जल छोड़ने के लिए बाध्य होगा। तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष सुनवाई तमिलनाडु द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक आवेदन पर आधारित थी, जिसमें प्रस्तावित जलाशय परियोजना पर विचार-विमर्श करने से सीडब्ल्यूएमए को रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी। आवेदन में कहा गया है कि 67.16 टीएमसी फीट क्षमता और 9000 करोड़ रुपये की लागत वाली 400 मेगावाट क्षमता वाली मेकेदातु परियोजना की योजना कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के 5 फरवरी, 2007 के फैसले का 'घोर उल्लंघन' है, जिसकी पुष्टि स्वयं सर्वोच्च न्यायालय ने 16 फरवरी, 2018 को की थी। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी द्वारा तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व करते हुए, तमिलनाडु ने तर्क दिया, 'न्यायाधिकरण के अंतिम निर्णय का पूरा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सिंचाई हितों की पूर्ति के लिए राज्य को पानी छोड़ने का तरीका प्रभावित न हो।

नियोक्ताओं से पीएम-वीबीआरवाई के तहत

नियुक्तियां करने और स्वैच्छिक नामांकन योजना का उपयोग करने की अपील

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त एम. सुब्रह्मण्यम ने कर्नाटक के नियोक्ताओं से प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) में सक्रिय रूप से भाग लेने और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा शुरू की गई कर्मचारी नामांकन योजना 2025 का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया है। बुधवार को कलबुर्गी स्थित अपने कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुब्रह्मण्यम ने कहा कि 1 अगस्त, 2025 से लागू होने वाली पीएम-वीबीआरवाई का उद्देश्य 99,446 करोड़ के परिव्यय के साथ दो वर्षों के भीतर पूरे भारत में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि यह योजना नियोक्ताओं को नए रोजगार सृजित करने के लिए प्रोत्साहित करती है और साथ ही नियोक्ताओं और पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों,

दोनों को वित्तीय लाभ प्रदान करती है। उन्होंने कहा भाग ए के तहत, ईपीएफओ में पहली बार पंजीकृत और प्रति माह 1 लाख तक कमाने वाले कर्मचारियों को एक महीने के ईपीएफ वेतन के बराबर, यानी 15,000 तक, दो किश्तों में प्रोत्साहन राशि मिलेगी। पहली किश्त छह महीने की सेवा के बाद और दूसरी किश्त एक साल बाद, वित्तीय साक्षरता पाठ्यक्रम पूरा करने के साथ दी जाएगी। अधिकारी के अनुसार, इस योजना से नियोक्ताओं को भी भाग बी के तहत लाभ होगा, जो कम से कम छह महीने तक रखे गए प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए 3,000 प्रति माह तक का प्रोत्साहन प्रदान करता है। उन्होंने कहा ईपीएफओ के साथ पंजीकृत प्रतिष्ठानों को पात्रता के लिए कम से कम दो नए कर्मचारी (यदि उनके कर्मचारियों की संख्या 50 से कम है) या पांच (यदि 50 या अधिक है) नियुक्त करने होंगे। विनिर्माण क्षेत्र के लिए, प्रोत्साहन अवधि चार वर्ष तक बढ़ाई जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि कर्मचारियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके आधार-लिंक्ड खातों में और नियोक्ताओं को उनके पैन-लिंक्ड खातों में भुगतान किया जाएगा। 1 नवंबर को शुरू की गई कर्मचारी नामांकन योजना 2025 के बारे में जानकारी देते हुए सुब्रह्मण्यम ने कहा कि यह योजना नियोक्ताओं को उन पात्र कर्मचारियों को स्वेच्छा से नामांकित करने के लिए छह महीने की अवधि प्रदान करेगी, जो किसी भी कारण से 1 जुलाई, 2017 और 31 अक्टूबर, 2025 के बीच ईपीएफ कवरेज से बाहर रह गए थे। उन्होंने आगे कहा कि यह योजना 30 अप्रैल, 2026 तक खुली रहेगी। उन्होंने कहा यह योजना स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देती है, सार्वभौमिक ईपीएफ समावेशन सुनिश्चित करती है और पूर्व नियमितीकरण को सरल बनाती है। घोषित अवधि के लिए कर्मचारी का हिस्सा माफ कर दिया जाएगा, जबकि नियोक्ता को केवल अपना हिस्सा, ब्याज, प्रशासनिक शुल्क और प्रति प्रतिष्ठान 100 का मामूली जुर्माना देना होगा। पूछे जाने पर, अधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस योजना के तहत स्वेच्छा से अनुपालन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, जो सरकार के 'सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा' के लक्ष्य का समर्थन करती है। सुब्रह्मण्यम ने पेंशनभोगियों से जीवन प्रमाण (डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र) का उपयोग करने की अपील की - एक ऐसी प्रणाली जो उन्हें फ्रंट कैमरा और इंटरनेट एक्सेस वाले किसी भी एंड्रॉइड स्मार्टफोन का उपयोग करके चेहरे की पहचान के माध्यम से अपनी पहचान प्रमाणित करने की अनुमति देती है। उन्होंने कहा पेंशनभोगी गूगल प्ले स्टोर से 'आधारफेसआरडी' और 'जीवन प्रमाणफेस' ऐप डाउनलोड कर सकते हैं, आधार से जुड़े बैंक या डाकघर खातों के माध्यम से अपना प्रमाणीकरण कर सकते हैं और बिना कार्यालय जाए अपने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। यह पहल वरिष्ठ नागरिकों, खासकर दूरदराज के इलाकों में रहने वालों के लिए पेंशन वितरण को सहज और सुविधाजनक बनाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि ईपीएस-95 पेंशनभोगी अब साल के किसी भी समय अपने जीवन प्रमाण पत्र डिजिटल रूप से जमा कर सकते हैं, प्रत्येक प्रमाण पत्र जमा करने की तारीख से एक वर्ष तक वैध रहेगा। प्रमाण पत्र बैंकों, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), इंडिया पोस्ट या आईपीबीपी कार्यालयों या डाकियों, एमएएनजी ऐप या ईपीएफओ कार्यालयों के माध्यम से अपना पीपीओ नंबर, आधार नंबर, बैंक विवरण और आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर तैयार रखकर जमा किए जा सकते हैं। लेखा अधिकारी मदन कुलकर्णी और अरसलाम किट्टूर उपस्थित थे।

सांसद सिरोया ने डायलिसिस मशीनों का किया लोकार्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मानव सेवा में अग्रणी स्थानीय संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन द्वारा जयनगर में संचालित केएमवाईएफ डी.आर. रांका डायलिसिस सेंटर में गुरुवार को राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया ने अपनी सांसद निधि से दी गई 2 डायलिसिस मशीनों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सिरोया ने कहा कि फेडरेशन द्वारा किये जा रहे मानव सेवा कार्यों की जितनी प्रशंसा की जाए वह कम है। फेडरेशन के सदस्य मेहनत एवं समर्पित रहकर जिस तरह से मानव सेवा कार्यों को सम्पन्न कर रहे हैं वह एक मिसाल है। उन्होंने कहा वे संस्था के स्थापना काल से ही इससे जुड़े रहे हैं और ऐसी संस्था से जुड़ कर वे गौरव का अनुभवन कर रहे हैं। डायलिसस मशीनों के उद्घाटन के अवसर पर फेडरेशन के अध्यक्ष रमेश सांखला, उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी, कृत्रिम पैर योजना के चेयरमैन एफ.आर. सिंघवी, डायलिसिस योजना के चेयरमेन कुशल पिरगल, रिहैब सेंटर के चेयरमैन विजय भंडारी, सीएसआर योजना के चेयरमैन विक्रम जैन, निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. उत्तम खींचा, सहमंत्री अमित मेहता, कोषाध्यक्ष सुनील चौहान, मनीष मेहता, ब्लड बैंक योजना चेयरमैन राहुल मेहता, परम जैन सहित डॉक्टरों की टीम उपस्थित थी।

राग और द्वेष जीवन यात्रा की पहचान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में विनयमुनि जी खींचन ने कहा कि राग और द्वेष जीवन यात्रा की पहचान है और कर्म बंधन की तीव्रता और मंदता के माप दंड है। राग अमृत है। राग में सहयोग भावना होती है और सहनशक्ति बढ़ती है। राग में जीव सकारात्मक रहता है और अहिंसा भाव पुष्ट होते हैं। प्रीति बढ़ती है। वहीं द्वेष एक दावानल है जो मनुष्य की सारी खूबियों को भस्म कर देता है। द्वेष विध्वंशकारी होता है जो ईर्ष्या की आग में हमेशा सभी गुणों को जलाते रहता है। द्वेष आग लगाता भी है और फैलाता भी है। निमित्त मिलते ही द्वेष भभक जाता है और हिंसा को पुष्ट करता है। विनयमुनि जी ने आगे कहा कि मात्र साधना के लिए ही हम साधना पथ को स्वीकार करें। साधना लाचारी का पर्याय नहीं है। सशक्त तन मन हो तब ली गई दीक्षा आदर्श होती है। संसार से सर्वथा विमुख होकर 18 पाप का त्याग कर बिना किसी चाह के दीक्षा लेना ही सही मार्ग है। शरीर की शक्तियां क्षीण हो जाए, सभी अंग प्रत्यंग जब क्षीण हो जाए तब शरीर से स्वेच्छा से मोह त्याग देना ही समाधि यात्रा है। मृत्यु तो सब को आएगी। मृत्यु से भयभीत न हो कर आत्म लक्ष्य के लिए आगे बढ़ना श्रेष्ठ मृत्यु है। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि शुक्रवार को भगवान महावीर दीक्षा कल्याणक विषय पर प्रवचन होगा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

स्वयं जेबीएन वी कनेक्ट की दूसरी बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन वी कनेक्ट की पांचवीं टेन्योर की दूसरी बैठक राजाजीनगर स्थित जीतो बेंगलूरु नॉर्थ ऑफिस में सफलता पूर्वक हुई। बैठक में जेएलडब्ल्यू अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़ तथा कोषाध्यक्ष एवं स्वयं संयोजक तनुजा मेहता की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र के सामूहिक जाप से हुई। इसके पश्चात रेफरल हेड लीला पितलिया, रेफरल लीड मीनू जैन और रेफरल मंत्री संगीता जैन ने बैठक की रूपरेखा को प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ाया। मुख्य वक्ता के रूप में एलिराह सशक्तीकरण व्यवसाय के संस्थापक हितेश गिरिया ने एलिविटर पिच विषय पर एक प्रेरक सत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि एक प्रभावी पिच में व्यवसाय का उद्देश्य, मूल्य और विशिष्टता स्पष्ट झलकनी चाहिए। उन्होंने क्लियर फार्मुला की जानकारी दी और कहा व्यवसाय का मूल उद्देश्य किसी की समस्या का समाधान करना और लाभ अर्जित करना है। उनका सत्र सभी उपस्थित सदस्यों के लिए अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक रहा। 8-मिनट प्रेजेंटर के रूप में पूर्वी जसानी ने अपने प्रीमियम और हेल्दी गॉरमेट ट्रीट्स प्रस्तुत किए, जो पूरी तरह प्राकृतिक सामग्रियों से बने हैं और जिनमें कोई कृत्रिम स्वाद नहीं है। सत्र के अंत में डोर प्राइज विजेताओं की घोषणा की गई, जिसमें सर्वश्रेष्ठ एलिविटर पिच का पुरस्कार ममता बांठिया को, सबसे अधिक व्यवसाय का पुरस्कार प्रज्ञा सेठी को तथा समय पालन पुरस्कार मीना जैन को प्राप्त हुआ। बैठक का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ, जिसके पश्चात ओपन नेटवर्किंग सत्र में सदस्यों ने आपसी संबंधों और व्यावसायिक सहयोग को और मजबूत किया।

माले महादेश्वरस्वामी हुंडी में 27 दिनों में 2.70 करोड़ रुपये का दान एकत्र हुआ

हनूर/शुभ लाभ ब्यूरो। तालुका के प्रसिद्ध पवित्र तीर्थस्थल श्री क्षेत्र माले महादेश्वरबेट्टा मंदिर में हुंडी धन की गिनती की गई और 27 दिनों में 2.70 करोड़ रुपये एकत्र किए गए। हुंडी में 40 विदेशी नोट और 2,000 रुपये के 10 नोट भी मिले। सालूर बृहनाथ के अध्यक्ष श्री शांता मल्लिकार्जुन स्वामीजी की उपस्थिति में, श्री माले महादेश्वर स्वामी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के सचिव रघु एई के नेतृत्व में सुबह 7 बजे से हुंडी धन की गिनती शुरू हुई। 27 दिनों में हुंडी में 2,70,10,492 रुपये नकद (हुंडी और ई-हुंडी सहित) और 43 ग्राम सोना और 1 किलो चांदी (600 ग्राम) मिले। दिवाली मेला, अमावस्या, कार्तिक मास, हुनमा, त्योहारों, सरकारी बिजली योजना, महिलाओं की मुफ्त यात्रा और श्रीक्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों के आने के कारण भक्तों से इतनी बड़ी मात्रा में दान एकत्रित हुआ। प्राधिकरण के उप सचिव चंद्रशेखर, वित्त एवं लेखा सलाहकार महादेव, लेखाकार गुरुमल्लैया, सारागुर महादेवस्वामी और चा. नगर जिला प्रशासन भारती, प्राधिकरण के टाइपिस्ट और कर्मचारी, पुलिस अधिकारी और कर्मचारी, कोल्लेगल स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य प्रबंधक और कर्मचारी तथा प्राधिकरण के मनोनीत सदस्य मारिस्वामी कागलावाडी उपस्थित थे।

सुरंग सड़क का फैसला सरकार की एक बड़ी भूल: पी.सी. मोहन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सांसद पी.सी. मोहन ने कहा कि राज्य सरकार बेशर्मी से दो सुरंग सड़कों का निर्माण कार्य जारी रखे हुए है, जबकि उसके पास बेंगलूरु में गड्ढों को भरने के लिए पैसे नहीं हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक निविदा आमंत्रित की गई थी और तकनीकी बोलियां खोली गईं। एस्टीम मॉल से मादिवाला स्थित सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज तक 18 किलोमीटर लंबी सुरंग सड़क बनाई जा रही है। प्रवेश और निकास बिंदु 15-15 किलोमीटर हैं, जिससे यह कुल 33 किलोमीटर लंबी सुरंग सड़क बन जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सुरंग सड़क जमीन से 30 से 40 मीटर नीचे, यानी 130 से 140 फिट नीचे है। हेब्बल से आते हुए, मेखरी सर्कल पर एक निकास होगा, रेसकोर्स, लालबाग पर एक-एक निकास होगा, और फिर अंत में सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज पर एक निकास होगा। उन्होंने आलोचना की कि यातायात भीड़भाड़ का कोई

अध्ययन नहीं किया गया। खाली जगह होने पर प्रवेश और निकास बिंदु दिए गए। उन्होंने शिकायत की कि यह बिना वैज्ञानिक अध्ययन और बिना उचित सोच के किया जा रहा है। पिछले डेढ़ साल से, राज्य सरकार बेंगलूरु में दो सुरंग परियोजनाओं को लागू करने का प्रस्ताव प्रस्तुत कर रही है। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री और शहर के प्रभारी मंत्री इस परियोजना को बेंगलूरु लाने के लिए उत्सुक हैं। जुलाई 2024 में, मैंने इसके फायदे और नुकसान, डीपीआर में कमियों को सरकार के ध्यान में लाया था। उन्होंने कहा कि मैंने इसका विरोध तब भी किया था जब मैंने ब्लैकलिस्टेड कंपनियों अल्टीनॉक कंसल्टेंट और रेडिक कंसल्टेंट को 14 करोड़ की लागत से डीपीआर और व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी सुरंग परियोजना की डीपीआर में कम से कम डेढ़ से दो साल लगेंगे। एक योग्य व्यक्ति द्वारा तकनीकी अध्ययन किया जाना चाहिए था। तकनीकी अध्ययन करने के लिए कोई समिति नहीं बनाई गई है। सरकार ने अपने ही बीएमआरसीएल के प्रबंध निदेशक (एमडी), मुख्य अभियंता और दिल्ली के एक निजी सलाहकार से रिपोर्ट प्राप्त की है। उन्होंने विश्लेषण किया कि ये तीनों केवल डी.के. शिवकुमार के इशारों पर नाच रहे हैं, लेकिन असली समस्या बताने वाले नहीं हैं। पी.सी. मोहन ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त आईआईएससी और आईआईटी से एक तकनीकी रिपोर्ट प्राप्त की जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि मेरा अनुभव है कि ऐसे संस्थान सरकार के हित में काम नहीं करते। उन्होंने आलोचना की कि एक वैज्ञानिक तकनीकी रिपोर्ट नहीं दी गई। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में के.आर. पुरा, सिल्क बोर्ड, हेब्बल और गुरुगुंटे पाल्या जैसे महत्वपूर्ण यातायात क्षेत्रों पर विचार नहीं किया गया। के.आर. पुरा से नयनदहल्ली तक एक और सुरंग के लिए एक डीपीआर तैयार की जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक सिटी, तुमकुरु रोड, कनकपुरा रोड, ओ.आर. रोड, मैसूरु रोड, मगदी रोड, ये सभी नाइस रोड से जुड़े हैं। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या एक और सुरंग की आवश्यकता है? के.आर. पुरा से इलेक्ट्रॉनिक सिटी तक एक एलिवेटेड रोड बनाया जा रहा है। जब एलिवेटेड रोड है, तो सुरंग की कोई आवश्यकता नहीं है। सरकार जनता का पैसा लूटने के लिए सुरंग सड़क बनाने की ओर बढ़ रही है। पी.सी. मोहन ने आपत्ति जताई कि यह स्पष्ट है कि यह लोगों की सुविधा के लिए नहीं किया जा रहा है। 130 से 140 फीट नीचे सुरंग खोदने के बाद, प्रवेश और निकास बिंदुओं तक पहुंचने के लिए एक किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। उन्होंने एक किलोमीटर का चक्कर लगाने के बाद वहां की इमारतों, पेड़ों और बोरवेल के पर्यावरणीय अध्ययन की आलोचना की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य प्रवक्ता डॉ. रंगप्पा, प्रकाश और बेंगलूरु सेंट्रल जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा मौजूद थे।

दिल्ली विस्फोटों के संबंध में राज्य के विभिन्न हिस्सों में संदिग्धों से पूछताछ जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दिल्ली विस्फोट मामले के बाद, पूरे देश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है और राज्य में भी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। इसलिए, यहां की पुलिस ने पहले गिरफ्तार किए गए दो संदिग्ध आतंकवादियों से गहन पूछताछ की है। यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि पांच साल पहले बेंगलूरु के संजयनगर में गिरफ्तार किए गए एक डॉक्टर का दिल्ली कार विस्फोट मामले से कोई संबंध है या नहीं। शहर के इस डॉक्टर को पहले देशद्रोह की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। चूंकि सफेदपोश आतंकवादी गतिविधियों में शामिल ज्यादातर लोग अब डॉक्टर हैं, इसलिए पुलिस को शक है कि पहले गिरफ्तार किया गया डॉक्टर भी इसी समूह से जुड़ा होगा। इसलिए, पहले गिरफ्तार किए गए डॉक्टर के ठिकाने के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है? अगर वह मिल जाता है, तो उससे गहन पूछताछ की जाएगी। इसलिए, पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी है। इसी तरह, पुलिस ने कर्नाटक के तुमकुरु जिले में रहने वाले मुजाहिदीन नाम के एक पूर्व आतंकवादी से भी पूछताछ की है। एसएसपी पुरुषोत्तम के नेतृत्व में एक टीम मुजाहिदीन से गहन पूछताछ कर रही है, जिसे 2016 में एनआईए अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। इस बीच, खबर है कि राज्य पुलिस ने राज्य में संदिग्धों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने और उनसे पूछताछ करने का फैसला किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) पहले से ही इस बात की जांच कर रही है कि दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट का कर्नाटक से कोई संबंध है या नहीं। एनआईए ने दिल्ली में हुए कार विस्फोट की जांच पहले ही तेज कर दी है और विभिन्न कोणों से जानकारी जुटा रही है। एनआईए अधिकारियों को दिल्ली विस्फोट के मास्टरमाइंड कहे जा रहे उमर के रिश्तेदारों और एनआईए की हिरासत में मौजूद तीन लोगों से पूछताछ के दौरान कुछ जानकारी मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस जानकारी को इकट्ठा करने के लिए एनआईए अधिकारियों की एक टीम ने आवश्यक दस्तावेज इकट्ठा करने और कुछ लोगों से पूछताछ करने के लिए, राज्य का दौरा करने का फैसला किया है।

कलबुर्गी उच्च न्यायालय ने चित्तपुर में आरएसएस के जुलूस की अनुमति दी

गुलबर्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। कलबुर्गी उच्च न्यायालय ने चित्तपुर में आरएसएस के जुलूस को हरी झंडी दे दी है, जो प्रतिष्ठा का सवाल रहा है। गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान, आरएसएस को 16 नवंबर को दोपहर 3.15 बजे से शाम 5:45 बजे तक जुलूस निकालने की अनुमति दी गई। इसके अलावा, कुछ शर्तें भी लगाई गई हैं और जुलूस में केवल 350 लोग ही शामिल हो सकते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि पुलिस इसके लिए सुरक्षा प्रदान करे। गुलबर्गा उच्च न्यायालय ने यह आदेश मंत्री प्रियांक खड़गे और आरएसएस के बीच पिछले

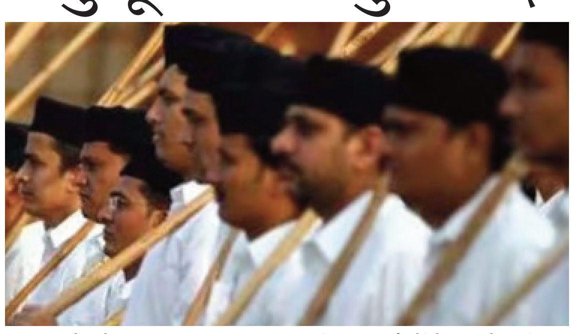

एक महीने से चल रही तीखी बहस के बीच दिया। चित्तपुर तहसीलदार ने पहले ही 16 लोगों को अनुमति दे दी थी, और आदेश में 300 लोगों और बैंड के लिए 25 लोगों के शामिल होने की बात कही गई थी। आरएसएस की ओर से याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया था कि अधिकतम 600 लोगों को अनुमति दी जाए। हालांकि, अदालत ने कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए 16 तारीख को दोपहर 3.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक कार्यक्रम आयोजित करने का आदेश दिया।

मेकेदातु परियोजना के खिलाफ तमिलनाडु की याचिका खारिज: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा मेकेदातु परियोजना को चुनौती देने वाली तमिलनाडु की याचिका खारिज करने से राज्य के लोगों की प्रार्थनाएं स्वीकार हुई हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कावेरी नदी पर मेकेदातु बांध बनाने के राज्य के नेक इरादों के बारे में उन्हें अच्छी खबर मिली है। हमारा पानी हमारा अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक को न्याय मिला है। लोगों की भावनाओं और कठिनाइयों का समाधान हुआ है। उन्होंने कहा कि यह फैसला मेकेदातु परियोजना

को जारी रखने में मददगार हो सकता है। मेकेदातु परियोजना से तमिलनाडु को अपने हिस्से का पानी मिलेगा। कर्नाटक सरकार अपनी जमीन पर पैसा खर्च करके एक संतुलित बांध बनाएगी। इससे तमिलनाडु को ज्यादा फायदा होगा। वह ऐसे मामलों में दखल नहीं देंगे। मामले को सुलझाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा केंद्रीय जल आयोग के पास इस परियोजना के लिए अनुमति देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसलिए हमें न्याय मिलना चाहिए।

केंद्र को 4 रेलवे स्टेशनों का नाम संतों के नाम पर रखने की सिफारिश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एम बी पाटिल ने राज्य के विजयपुरा, बेलगावी, बीदर और शिवमोग्गा जिलों में स्थित सुगोंडानाकोप्पा रेलवे स्टेशनों का नाम बदलकर उनके स्थानीय सांस्कृतिक महत्व को दर्शाने के लिए संतों के नाम रखने की सिफारिश की है और इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में, उन्होंने विजयपुरा रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर ज्ञानयोगी श्री सिद्धेश्वर

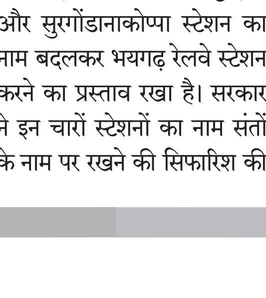

स्वामीजी रेलवे स्टेशन, बेलगावी स्टेशन का नाम बदलकर श्री बसव महास्वामीजी, बीदर स्टेशन का नाम बदलकर चन्नबसव पट्टादेवर और सुगोंडानाकोप्पा स्टेशन का नाम बदलकर भयगढ़ रेलवे स्टेशन करने का प्रस्ताव रखा है। सरकार ने इन चारों स्टेशनों का नाम संतों के नाम पर रखने की सिफारिश की है, जिसके लिए गृह मंत्रालय की मंजूरी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसलिए, पत्र बुनियादी ढांचा विभाग के माध्यम से भेजा गया है। ये सभी चार रेलवे स्टेशन दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुब्बल्ली मंडल के अंतर्गत आते हैं। कर्नाटक के इन हिस्सों के लिए उनके द्वारा सुझाए गए संतों का योगदान अमूल्य है। मंत्री ने अनुरोध किया है कि इस सिफारिश को स्वीकार किया जाए और नाम बदलने को यथाशीघ्र राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

गृह आरोग्य योजना के तहत 40 लाख से अधिक लोगों की कैंसर जांच की गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अगस्त में राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा कर्नाटक भर में अपनी गृह आरोग्य योजना का विस्तार किए जाने के बाद से, ग्रामीण क्षेत्रों में 40 लाख से ज्यादा लोगों की मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच की जा चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 अगस्त से 31 अक्टूबर के बीच, 16,277 लोगों में कैंसर के लक्षण पाए जाने का संदेह था और उन्हें आगे की जांच के लिए उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया। इनमें से 552 लोगों में इन कैंसरों का निदान किया गया। 30 वर्ष से अधिक आयु की ग्रामीण आबादी में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) का शीघ्र पता लगाने और प्रबंधन के उद्देश्य से शुरू की गई इस पहल का लक्ष्य 1.67 करोड़ लोगों को शामिल करना है। गृह आरोग्य योजना की औपचारिक शुरुआत पिछले साल अक्टूबर में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने की थी, लेकिन शुरुआत में इसे कोलार जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया गया था, जहां समर्पित

स्वास्थ्य टीमों ने घर-घर जाकर प्रमुख गैर-संचारी रोगों की जांच की। इसकी सफलता के बाद, इस योजना का विस्तार सभी जिलों में किया गया। पायलट चरण के दौरान, 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप और तीन सामान्य कैंसर - मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा - की जांच की गई। राज्य उप निदेशक (एनसीडी) रघुनंदन ने बताया कि 36,000 से अधिक ग्रामीण आशा कार्यकर्ता अब आयुष्मान स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों पर स्वास्थ्य जांच के लिए, जागरूकता बढ़ाने और प्रोत्साहित करने के लिए घर-घर जाकर जाँच कर रही हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) 14 गैर-संचारी रोगों की जांच कर रहे हैं और एनसीडी पोर्टल पर डेटा दर्ज कर रहे हैं। अगस्त और अक्टूबर के बीच, 23.23 लाख लोगों की मुख कैंसर की जांच की गई, जिनमें 7,958 संदिग्ध मामले और 164 पुष्ट निदान शामिल थे। स्तन कैंसर के लिए, 9.49 लाख महिलाओं की जांच की गई, जिनमें 4,331 संदिग्ध और 132 पुष्ट थे। गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के मामले में, 7.32 लाख महिलाओं की जांच की गई, जिनमें 3,988 संदिग्ध और 256 निदान शामिल थे। डॉ. रघुनंदन ने बताया कि जिन लोगों में इस बीमारी का निदान हुआ है, उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए सुवर्ण आरोग्य सुरक्षा ट्रस्ट (एसएएसटी) के पैनल में शामिल तृतीयक स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा नजदीकी आयुष्मान स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में मुफ्त दवाइयां और नियमित अनुवर्ती देखभाल प्रदान की जा रही है। गृह आरोग्य योजना में अन्य प्रमुख गैर-संचारी रोग (एनसीडी) जैसे मधुमेह संबंधी पैर, मानसिक स्वास्थ्य विकार, तंत्रिका संबंधी विकार, ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी, क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी), क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी रोग (सीओपीडी), नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी), और 19 से 29 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में एनीमिया को भी शामिल किया गया है। राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र-भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (एनसीडीआईआर-आईसीएमआर) द्वारा जेएएमए 2025 में प्रकाशित अनुमानों के अनुसार, भारत में 2024 में कैंसर के अनुमानित 15.62 लाख नए मामले और 8.74 लाख मौतें दर्ज की गईं, जिनमें स्तन, गर्भाशय ग्रीवा, मुख और फेफड़ों के कैंसर प्रमुख प्रकार हैं। कर्नाटक में, 2024 में कैंसर के अनुमानित 87,855 नए मामले और 26,516 मौतें दर्ज की गईं। इनमें से 25 प्रतिशत (21,898 मामले) तंबाकू से संबंधित थे। राज्य द्वारा संचालित किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी (केएमआईओ) में बनाए गए जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, पुरुषों में 39,170 मामलों में से 37 प्रतिशत तंबाकू के सेवन से जुड़े थे, जबकि महिलाओं में 48,685 मामले थे, जिनमें से 15 प्रतिशत तंबाकू से संबंधित थे। बेंगलूरु शहर में, 2024 तक कैंसर के अनुमानित मामले 15,153 थे, जिनमें 3,826 मौतें हुईं। तंबाकू से संबंधित कैंसर के मामले कुल मामलों का 24.1 प्रतिशत थे, जिनमें पुरुषों (36.6 प्रतिशत) की तुलना में महिलाओं (15.2 प्रतिशत) का अनुपात अधिक था। किदवई संस्थान में, 2024 में 21,881 नए कैंसर के मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 12,930 की ऊतकीय या कोशिकावैज्ञानिक पुष्टि हुई। उल्लेखनीय रूप से, इनमें से 3,939 (30.5 प्रतिशत) तंबाकू से संबंधित थे, जो राज्य के कैंसर के बोझ पर तंबाकू के उपयोग के निरंतर प्रभाव को रेखांकित करता है।

के.सी. वेणुगोपाल पर साइबर हमला करने वाले फर्जी फेसबुक अकाउंट की जांच जारी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु पुलिस ने केरल के कन्नूर जिले के इरिक्कूर की रहने वाली एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने आरोप लगाया है कि उसके मोबाइल नंबर से बनाए गए एक फर्जी फेसबुक अकाउंट का इस्तेमाल एआईसीसी महासचिव और सांसद के.सी. वेणुगोपाल पर साइबर हमला करने के लिए किया गया। यह आपत्तिजनक पोस्ट कुंदारा बेबी नाम के एक फेसबुक प्रोफाइल से आया, जिसमें कथित तौर पर शिकायतकर्ता से जुड़े उसी मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया गया था। मैसूरु में वर्षों से रह रही महिला ने कहा कि वह अपनी बहन, जो विदेश में काम करती है, के नाम से पंजीकृत फोन नंबर का इस्तेमाल कर रही है। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब

तक उसे वेणुगोपाल को निशाना बनाकर साइबर हमले वाला पोस्ट नहीं मिला, तब तक उसे इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसके नंबर का इस्तेमाल करके एक फर्जी अकाउंट बनाया गया है। इसके बाद उसने कार्रवाई की मांग करते हुए मैसूरु पुलिस से संपर्क किया। अपनी शिकायत में, उसने पुलिस से फर्जी प्रोफाइल चलाने वालों की पहचान करने और उसे फेसबुक से हटाने का आग्रह किया। पुलिस ने कहा कि फर्जी अकाउंट के स्रोत और संचालकों का पता लगाने के लिए एक साइबर जांच शुरू कर दी गई है।

सरकारी जमीन पर लेआउट गरीबों के लिए आवास: राजन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधायक के.एन. राजन्ना ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। सरकारी जमीन पर गरीबों के लिए घर बनाए जा रहे हैं और उन्हें प्लॉट दिए जा रहे हैं। सरकार से मकान स्वीकृत करवाकर आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। वे बुधवार को तालुका डोड्डेरी में तालुका प्रशासन द्वारा आयोजित जनसंपर्क बैठक के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर इस क्षेत्र के छात्र कौशल सीखेंगे, तो उन्हें जल्द ही नौकरी मिल जाएगी। इस क्षेत्र में कामगारों को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से एक जीटीटीसी कॉलेज शुरू किया जा रहा है। उपायुक्त शुभा कल्याण ने बताया कि जनसंपर्क बैठक में प्राप्त 70 प्रतिशत शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित हैं। पौटी खाता आंदोलन पिछले साल से चल रहा है और पिछले एक सप्ताह में जिले में 33,566 आवेदनों का निपटारा किया गया है, जबकि मधुगिरी तालुका में 1,351 आवेदनों का निपटारा किया गया है। उन्होंने कहा कि तीन लाख पौटी खाते अभी भी लंबित हैं और कई इलाकों में बिना दस्तावेज वाले लोग रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि तुमकुरु-रायदुर्गा रेलवे परियोजना भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के कारण रुकी हुई है और इसे हल करने के लिए कदम उठाए गए हैं। जीपी के सीईओ जी. प्रभु ने कहा कि प्रति वर्ष एक या दो विभागों को लक्षित करके व्यापक विकास के लिए कदम उठाए गए हैं। एनआरईजी में जिला राज्य में प्रथम स्थान पर है और 96 करोड़ रुपये की लागत से छह हजार कार्य किए गए हैं। मधुगिरी तालुक में 50 आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 500 अस्पताल शुरू करने का लक्ष्य है। राजीव गांधी आवास निगम के प्रबंध निदेशक परशुराम, तहसीलदार श्रीनिवास, नगरपालिका अध्यक्ष लालापेट मंजूनाथ, टी.पी. ईओ लक्ष्मण, योजना निदेशक धनंजय, अधिकारी जगदीश, मंजूनाथ, हनुमंतरायप्पा, हनुमंतराव, गारंटी योजना समिति के अध्यक्ष चौडप्पा, कृषक समाज के अध्यक्ष रमेश, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गोपालैया और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

हिमालय क्षेत्र में मजबूती, चीन के साथ संतुलन के लिए जरूरी है भूटान के साथ संपर्क का विस्तार

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की भूटान यात्रा और थिम्पू में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से उनकी वार्ता दोनों देशों के बीच परंपरागत रूप से प्रगाढ़ द्विपक्षीय संबंधों से बढ़ कर महत्व रखती है। भारत द्वारा पश्चिम बंगाल और असम से होकर भूटान को जोड़ने वाली रेल मार्ग परियोजनाओं का प्रस्ताव पड़ोसी देश के साथ आवागमन और व्यापार सुविधा बढ़ाने वाली केवल बुनियादी ढ़ाँचा परियोजना नहीं है, बल्कि इसका एक गहरा रणनीतिक महत्व है। प्रस्तावित रेल लाइन से उस दुर्गम और संवेद-नशील त्रिभुजाकार इलाके तक पहुंचने में सुविधा होगी जहां भारत, भूटान और चीन-तीन देशों का मिलन होता है।

भूटान के साथ संपर्क को बेहतर करना भारत के लिए लंबे समय से दो दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा है। एक तो इससे भूटान के साथ परम्परागत रिश्तों को प्रगाढ़ करने और परस्पर विश्वास की जड़ों को और गहरा करने में मदद मिलेगी। दूसरे, इससे उस क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने में आसानी होगी।हिमालय की गोद में बसा भूटान भी इस पहल को एक आर्थिक अवसर के रूप में तो देखता ही है, साथ ही यह उसके लिए एक रणनीतिक आश्वासन की तरह है। भूटान भी उत्तर के अपने आक्रामक पड़ोसी और भारत जैसे हमेशा साथ खड़े रहने वाले सहयोगी के बीच रह कर दोनों के साथ संबंधों में एक नाजुक संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।भारत और भूटान के बीच यह उच्चस्तरीय बातीचीत ऐसे समय में हुई है जब भारत और चीन के संबंधों में भी सुधार होता दिख रहा है। अगस्त में ही नयी दिल्ली में भारत और चीन के बीच विशेष प्रतिनिधि (एसआर) स्तरीय वार्ता का 24 वां दौर हुआ था। इसमें दोनों पक्ष सीमा परिसीमन के लिए 'शीघ्र समाधान' तलाशने हेतु परामर्श और समन्वय कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) के तहत एक विशेषज्ञ समूह बनाने पर सहमत हुए थे।

भारत और चीन के बीच हुई इस वार्ता का मुख्य विषय यूं तो दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों को निपटाना और अपनी सीमाओं का तार्किक सीमांकन करना था, लेकिन यह अप्रत्यक्ष रूप से भूटान को भी प्रभावित करता है। इसलिए जैसे-जैसे भारत चीन के साथ, सावधानीपूर्वक ही सही, अपने संबंधों को बेहतर करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, भूटान भी चीन के साथ अपने संबंधों पर नये सिरे से सोच रहा है और उसके साथ अपने सीमा विवादों को सुलझाने के अवसरों को तलाश रहा है।

गौरतलब है कि भूटान का चीन के साथ न तो कोई राजनयिक संबंध है और न ही उसके साथ कोई सुनिश्चित सीमा रेखा। ऐसी स्थिति में चीन और भूटान के बीच सीमाओं का निर्धारण बहुत मुश्किल और उलझाने वाला विषय हो जाता है। हालांकि इस मामले में दोनों देशों के बीच कई दौर की वार्ता हो चुकी है।भूटान 1984 से अब तक चीन के साथ उत्तर, पश्चिम और पूर्व के तीनों विवादित क्षेत्रों पर 25 बार वार्ताएं कर चुका है फिर भी कोई स्पष्ट परिणाम नज़र नहीं आया है। इस सीमा विवाद का सबसे संवेदनशील क्षेत्र भूटान का पश्चिमी क्षेत्र है, जो भारत के सिक्किम और तिब्बत के चुम्बी घाटी से सटा है। यह क्षेत्र भारत की मुख्य भूमि से पूर्वोत्तर क्षेत्र को जोड़ने वाले सिलीगुड़ी गलियारे (चिकन्स नेक) के बिल्कुल निकट है। इसलिए भारत की दृष्टि से भी यह रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

डोकलाम पठार इस संवेदनशील क्षेत्र और इस विवाद के केंद्र में है जहाँ भारत, भूटान और चीन मिलते हैं। यही वह क्षेत्र है जहाँ चीन जम्फेरी रिज की ओर सड़क निर्माण कर रहा था और उसको लेकर भारत और चीन के बीच 73 दिनों तक सैन्य गतिरोध चला था। यह पठार सामरिक दृष्टि से बहुत महत्व-पूर्ण है। चीन यदि इस रिज पर कब्ज़ा कर लेता है, तो वह भारत के महत्वपूर्ण गलियारे पर सीधी निगरानी करने में सक्षम हो जाएगा।

चीन ने जब 1951 में औपचारिक रूप से तिब्बत पर कब्ज़ा किया, तो उसकी सीमा का विस्तार भूटान की सीमा तक हो गया। यह सीमा इस लिए भी अस्पष्ट थी क्योंकि तिब्बत और भूटान के बीच एक मैत्रीपूर्ण सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंध थे, जहां सीमाओं को लेकर विवाद कभी मुखर नहीं हुए। लेकिन तिब्बत पर कब्जा करने के बाद चीन ने पुराने तिब्बती चरागाह मार्गों और मठ के अभिलेखों के आधार पर ऐतिहासिक दावे करना शुरू कर दिया। 1950 और 1960 के दशक के दौरान, चीन धमकियों और प्रलोभनों का सहारा लेता रहा। उसने भूटान के एक बड़े हिस्से को चीनी क्षेत्र के रूप में दर्शाने वाले मानचित्र भी जारी किये और व्यापार रियायतें और मित्रता की भी पेशकश की।

तिब्बत पर चीन के कब्जे ने भारत की रणनीतिक चिंताओं को भी गहरा कर दिया। भारत भी भूटान के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए तेजी से कदम उठाने लगा। चीन के लिए हालांकि भूटान अब भी एक चुनौती बना हुआ है। भूटान का, भारत के अलावा केवल एक और पड़ोसी चीन है। उसके साथ उसकी कोई सीमा तय नहीं है। भूटान ने अभी तक चीन में कोई मंत्री भी नहीं भेजा है। चीन , तिब्बत पर नियंत्रण मज़बूत करने, हिमालय क्षेत्र में भारतीय प्रभाव को कम करने और सिलीगुड़ी गलियारे तक अपनी रणनीतिक पहुँच बढ़ाने के लिए भूटान के साथ सीमा का अपने ढंग से समाधान ज़रूरी मानता है।पिछले दशकों में, चीन ने भूटान में अतिक्रमण की एक धीमी गति वाली रणनीति ग्रे ज़ोन युद्ध को लागू करने में निपुणता हासिल कर ली है। 1980 और 1990 के दशक में, चीनी चरवाहे और गश्ती दल धीरे-धीरे दक्षिण की ओर बढ़े, शिविर, चौकियाँ और सड़कें बनाईं। हाल ही में, उपग्रह चित्रों से पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भूटानी क्षेत्र के अंदर चीन द्वारा निर्मित पूरे गाँव बसे हुए हैं, कुछ उत्तर में मेनचुमा घाटी में और कुछ पश्चिम में डोकलाम के पास। 2024 की एक रिपोर्ट में ऐसी 19 बस्तियों की गिनती की गयी है।

भारत के लिए, चीन के साथ भूटान के सीमा विवाद में दांव पर केवल कुछ वर्ग मील बर्फ से ढका जंगल का इलका ही नहीं है, बल्कि इसके बड़े निहितार्थ हैं। भूटान के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र, खासकर डोकलाम पठार पर नियंत्रण भारत के पूर्वोत्तर राज्यों तक सुरक्षित रास्ते की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा के लिए डोकलाम पठार की सुरक्षा मायने रखती है।

भारत को इसके लिए सिर्फ़ सैन्य बल नहीं बल्कि एक ऐसी स्तरीय, धैर्यपूर्ण रणनीति की ज़रूरत है जिसमें निवारण, विकास और कूटनीति का मेल हो ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भूटान की संप्रभुता और भारत की सुरक्षा, पहाड़ी दर पहाड़ी, घाटी दर घाटी मजबूत बनी रहे। किसी जोर ज़बरदस्ती के ख़िलाफ़ बचाव का सबसे कारगर तरीका परस्पर निर्भरता को मजबूत बनाना है। पश्चिम बंगाल और असम के रास्ते भूटान तक, खासकर कोकराझार-गेलेफू और बनारहाट-समत्से कॉरिडोर तक रेल और सड़क संपर्क का विकास तेज़ करके, भारत और भूटान के आर्थिक जुड़ाव को और मजबूत किया जा सकता है।

इसी तरह, जलविद्युत सहयोग, रियायती वित्तपोषण और सीमा पार बिजली व्यापार का विस्तार भूटान के दीर्घकालिक विकास को भारत के ग्रिड से जोड़ सकता है, जिससे भूटान की की समृद्धि को बढाने तथा उसे चीन के प्रलोभनों से दूर रखने में मदद मिलेगी।भूटान के साथ भारत के रक्षा संबंध किसी प्रत्यक्ष गठबंधन पर नहीं, बल्कि मौन विश्वास पर आधारित हैं। इस संतुलन को बनाए रखने के लिए, भारत का ध्यान क्षमता निर्माण पर होना चाहिए, जिससे भूटान अपनी सीमाओं की प्रभावी निगरानी और प्रबंधन कर सके। इसमें भूटान की सेना के लिए प्रशिक्षण का विस्तार, रसद और पर्वतीय क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाना, और सीमावर्ती सड़कों और सभी मौसमों में इस्तेमाल लायक सम्पर्क मार्गों पर सहयोग बढ़ाना और निगरानी की तकनीकों का हस्तांतरण महत्वपूर्ण है।

इस चुनौती से निपटने के लिए सैन्यीकरण से पहले जरूरी है जागरूकता । यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उस इलाके में चीनी की ओर से बनायी जाने वाली हर सड़क , चरवाहों के शिविर, या आदर्श गाँव का निर्माण निगाह में हो और उसके खिलाफ कूटनीतिक कार्रवाई की जा सके।

भारत-कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने और निवेश बढ़ाने पर हुई चर्चा : पीयूष गोयल

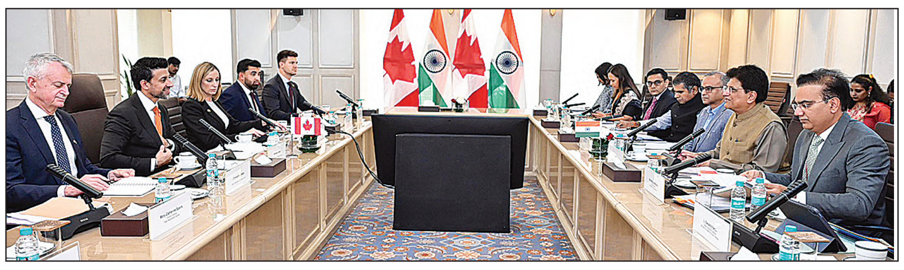

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ 7वें भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय संवाद की सह-अध्यक्षता की। केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नए रोडमैप 2025 के अंतर्गत व्यापार और निवेश पर कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ 7वें भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय संवाद की सह-अध्यक्षता करना मेरे लिए खुशी की बात थी। उन्होंने इस चर्चा को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने पर बातचीत की गई। इसके अलावा, निवेश को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच सहयोग को गहरा के उपायों पर भी बात हुई।इससे पहले कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू की ओर से भी दोनों देशों के बीच सहयोग को लेकर एक एक्स पोस्ट शेयर किया गया था।

मनिंदर सिद्धू ने एक्स हैंडल पर लिखा, नई दिल्ली में मैंने फार्मास्यूटिकल्स, टेलीकम्युनिकेशन, एग्रीकल्चर, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश में कनाडा-भारत सहयोग के नए अवसरों का पता लगाने के लिए जुबिलेंट भरतिया ग्रुप के हरि भरतिया से मुलाकात की।

उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि जुबिलेंट भरतिया ग्रुप जैसे बड़े प्लेयर के साथ सहयोग मजबूत करने के साथ दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक भारत और कनाडा के बीच और अधिक साझेदारी के नए द्वार खुलेंगे।इससे पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर भी जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक में कई देशों के विदेश मंत्रियों से मिले।

आतंकवाद विकास का सबसे बड़ा दुश्मन : मनोज सिन्हा

जम्मू-कश्मीर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को जम्मू यूनिवर्सिटी के 19वें (द्वितीय विशेष) दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान, उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वालों और स्वर्ण पदक विजेताओं को सम्मानित किया। जम्मू यूनिवर्सिटी के विशेष दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने छात्रों और शिक्षकों से बदलाव को अपनाने और कौशल-प्रधान पाठ्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। इसके साथ ही, उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज की मांगों को पूरा करने के लिए उभरते रुझानों के साथ तालमेल बनाए रखने समेत अलग-अलग विषयों में सहयोग करने की भी अपील की। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कार्यक्रम के दौरान दिल्ली ब्लास्ट में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, 10 नवंबर को दिल्ली में हुए बम विस्फोटों में जिन लोगों को हमने खोया है, मैं उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि आतंकवाद विकास का सबसे बड़ा दुश्मन है। जम्मू-कश्मीर के लोग लंबे समय से इस आतंक का दंश झेल रहे हैं। अब वहां के युवा नए सपने देख रहे हैं और हमें उन्हें उन मुकामों तक पहुंचने के लिए पंख देने में मदद करनी चाहिए, जिनकी देश और दुनिया का हर युवा आकांक्षा रखता है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी वहां मौजूद जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वालों और स्वर्ण पदक विजेताओं को बधाई दी और सभी विषयों में छात्राओं की उल्लेखनीय उपलब्धियों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा में परिवर्तनकारी सुधारों पर जोर दिया और जम्मू-कश्मीर के विश्वविद्यालयों में पहुंच, गुण-वत्ता और प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मिशन युवा' शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और मानसिक स्वास्थ्य के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रमुख पहल है, जो उन्हें न सिर्फ रोजगार के लिए, बल्कि नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण के लिए भी तैयार करती है।

छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, शिक्षा परिवर्तन का मूल है। विश्वविद्यालय ने आपमें निवेश किया है। अब अपने आसपास की दुनिया में निवेश करें। सफलता इसमें नहीं है कि आप अपने लिए क्या हासिल करते हैं, बल्कि इसमें है कि आप समाज के लिए क्या योगदान देते हैं।

दिल्ली विस्फोट : पवन खेड़ा का अमित शाह पर तीखा हमला, पूछा-

2900 किलो विस्फोटक देश में कैसे पहुंचा ?

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को 10 नवंबर को दिल्ली में हुए विस्फोट को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आल-ोचना की। इस विस्फोट में 12 नागरिक मारे गए थे। उन्होंने सवाल किया कि 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री राष्ट्रीय राजधानी से सिर्फ़ 20 किलोमीटर दूर फरीदाबाद कैसे पहुँची? खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, हैरानी की बात है कि इस घटना के 48 घंटे बाद, कैबिनेट ने स्वीकार किया कि यह एक आतंकवादी घटना थी। यह गंभीर सवाल खड़े करता है।पवन खेड़ा ने सवाल किया कि इतनी सारी सुरक्षा एजेंसियाँ हैं, (केंद्रीय गृह मंत्री) अमित शाह हैं, (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) अजीत डोभाल हैं... जो कहते हैं कि हमारी सतर्क नज़र हमेशा बनी रहती है। फिर भी, 2,900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री फरीदाबाद कैसे पहुँच गई? पवन खेड़ा ने कहा कि पुलवामा हमले को लेकर हम लगातार सवाल पूछते रहे कि आरडीएक्स वहाँ कैसे पहुँचा, और इसका जवाब आज तक नहीं मिला। अब, राजधानी दिल्ली से सिर्फ़ 20 किलोमीटर दूर 2,900 किलोग्राम विस्फोटक पहुँच गया है; सवाल यह है कि यह कैसे पहुँचा? फिर, लाल किले के पास हुए विस्फोट में जानें जाती हैं, लोग घायल होते हैं; आखिर इसकी ज़िम्मेदारी कौन ले रहा है? ये पूरे देश का सवाल है, और हम कहते रहे हैं कि सरकार सख्त कदम उठाए; हम उनके साथ हैं।

सरकार की नाकामी से हुआ दिल्ली धमाका : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली में हुए बम धमाके को सरकार की बहुत बड़ी नाकामी करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि खुफिया तंत्र पूरी तरह विफल हो गया, तभी ऐसी घटना हुई। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने बिहार चुनाव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री के रूप में देख रही है।

यादव बृहस्पतिवार को बरेली पहुंचे जहां वह विधायक अता-उर-रहमान की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ऐसे मौकों पर आने से लोगों से मिलने और विचार साझा करने का अवसर मिलता है। यादव ने बाद में यहां प्रेस वार्ता की, जिसमें उन्होंने प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश की अर्थव्यवस्था को चीन के हाथों सौंप चुकी है। सपा प्रमुख ने कहा,सरकार स्वदेशी की बात करती है, लेकिन पूरी अर्थव्यवस्था चीन के कब्जे में है। बाजारों में चीनी सामान हावी है।

निर्वाचन आयोग पर भाजपा के इशारों पर काम करने का आरोप लगाते हुए यादव ने दावा किया, रामपुर और कुंदरकी में हजारों लोगों को वोट डालने नहीं दिया गया। पुलिस ने लोगों को घरों से निकलने से रोका। हमने निर्वाचन आयोग से शिकायत की, लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया।

सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी न्यू इंडिया विजन को लेकर आगे बढ़ रही है और बरेली के विकास के लिए विशेष घोषणा पत्र तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महंगाई, यातायात और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों से जनता परेशान है, लेकिन सरकार जनता का ध्यान इनसे हटाने की कोशिश कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा वाले भगवान से ऊपर हो गए हैं... मुख्यमंत्री ने कोई नया कारखाना नहीं लगाया, बस बिजली महंगी कर दी। गरीब आज शादी-ब्याह और सोना खरीदने तक में असमर्थ हो गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वाले ही असली भू-माफिया हैं जो गरीबों की जमीन और संपत्ति हड़प रहे हैं। यादव ने यह भी दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब अपनी कुर्सी हिलती देख लेते हैं तो सांप्रदायिक हो जाते हैं।

धनशोधन मामला: नवाब मलिक के परिवार की कंपनी की याचिका खारिज

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मलिक और उनके परिवार की कंपनियां सॉलिडस इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड और मलिक इंफ्रास्ट्रक्चर भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके साथियों की गतिविधियों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी हैं। मलिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने अदालत में दलील दी थी कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का मामला केवल अनुमान और अटकलों पर आधारित है, इसलिए उसे इस मामले से मुक्त किया जाए।लेकिन सांसदों/विधायकों के मामलों की सुनवाई करने वाले विशेष जज सत्यनारायण नवंदर ने 11 नवंबर को इस याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि नवाब मलिक ने डी-कंपनी के सदस्यों हसीना पारकर, सलीम पटेल और आरोपी सरदार खान के साथ मिलकर अवैध रूप से कब्जाई गई संपत्ति की मनी लॉन्ड्रिंग में हिस्सा लिया, जो अपराध से प्राप्त धन है।अदालत ने कहा कि यह संपत्ति धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जब्त की गई है।

शराब घोटाले में भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य की 61 करोड़ की संपत्ति ईडी ने की कुर्क

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की चल रही जाँच के सिलसिले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क कर ली है। कुर्क की गई संपत्तियों में 59.96 करोड़ रुपये मूल्य के 364 आवासीय भूखंडों और कृषि भूमि के रूप में अचल संपत्तियाँ, साथ ही बैंक बैलेंस और सावधि जमा के रूप में 1.24 करोड़ रुपये मूल्य की चल संपत्तियाँ शामिल हैं। ये संपत्तियाँ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत ज़ब्त की गईं।

61.20 करोड़ रुपये की वर्तमान कुर्की, लगभग 215 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों की पूर्व की कुर्कियों के क्रम में है। ईडी के छत्तीसगढ़ जोनल कार्यालय ने 10 नवंबर को इन संपत्तियों को जब्त कर लिया, जो राज्य में शराब घोटाले में भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत छत्तीसगढ़ की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा और आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर शुरू की गई जांच के हिस्से के रूप में थी।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि पुलिस जांच से पता चला है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के कारण राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और अनुसूचित अपराधों के कमीशन से उत्पन्न 2500 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध आय (पीओसी) से लाभार्थियों की जेबें भर गईं। ईडी ने अपने बयान में कहा, पीएमएलए के तहत की गई जाँच से पता चला है कि भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के शीर्ष पर थे। मुख्यमंत्री के बेटे होने के नाते, उन्हें शराब सिंडिकेट का नियंत्रक और सर्वोच्च अधिकारी बनाया गया था। सिंडिकेट द्वारा एकत्र किए गए सभी अवैध धन का हिसाब (हिसाब) रखने की ज़िम्मेदारी उन्हीं की थी। ऐसे धन के संग्रह, चैनलाइज़ेशन और वितरण (पीओसी) से संबंधित सभी बड़े फैसले उनके निर्देशों के तहत लिए जाते थे।

ईडी की जाँच में यह भी पता चला कि चैतन्य को अपराध से प्राप्त आय (पीओसी) प्राप्त हुई थी, जिसे उन्होंने अपने रियल एस्टेट व्यवसाय में शामिल किया और बेदाग संपत्ति के रूप में पेश किया। चैतन्य ने शराब घोटाले से प्राप्त पीओसी का उपयोग अपनी स्वामित्व वाली कंपनी मेसर्स बघेल डेवलपर्स के तहत अपनी रियल एस्टेट परियोजना 'विट्ठल ग्रीन' के विकास के लिए किया।

2047 तक यूपी बनेगा विकसित राज्य

कृषि क्षेत्र से 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान का लक्ष्य : शाही

गन्ने में सहफसली खेती को दिया जाएगा प्रोत्साहन पांच वर्षों में स्थापित किए जाएंगे पांच बीज पार्क

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2047 तक उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया है। यह संकल्प नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से पूरा होगा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने यह बात आज कृषि भवन में विकसित उत्तर प्रदेश-2047 विषय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। इस अवसर पर कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख भी उपस्थित रहे।2047 तक उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने का संकल्प मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार का है।नागरिकों की भागीदारी से समृद्ध, समान व सम्मानित राज्य का निर्माण होगा।श्री शाही ने कहा,कृषि विभाग 17 नवम्बर को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में जन संवाद एवं विचार मंथन कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है।नीतिआयोग से परामर्श लेकर कृषि विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जाएगा।उन्होंने बताया कि देश की कुल कृषि भूमि में अकेले यूपी की11 फीसदी भागीदारी है।देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में यूपी का 21.58 प्रतिशत योगदान है। गेहूँ, चावल, गन्ना और आलू उत्पादन में यूपी अव्वल है।बाजरा, मसूर, राई और सरसों में द्वितीय तथा दलहन उत्पादन में चतुर्थ स्थान पर है।आलू उत्पादन 244.65 लाख मीट्रिक टन है जो देश में 40.7 प्रतिशत योगदान करता है।सब्जियों का उत्पादन 423.54 लाख मीट्रिक टन है जो देश में 19.3 प्रतिशत योगदान करता है।दुग्ध उत्पादन 414 लाख मीट्रिक टन है जो देश में 16.2 प्रतिशत योगदान करता है।मछली उत्पादन 1330 लाख मीट्रिक टन है जो देश में 8 प्रतिशत योगदान करता है।कृषि सेक्टर की सकल राज्य मूल्य संवर्धन जीएसवीए 2016-17 में 2 लाख करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 4.37 लाख करोड़ रुपए हो गई है।उन्होंने कहा कि बजलवायु संरक्षित खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।बीहड़, बंजर और ऊसर भूमि के सुधार पर बल दिया जाएगा।प्रमाणित बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी।कृषि निर्यात और मूल्य संवर्धन को बढ़ाने पर जोर रहेगा।वर्ष 2047 तक कृषि क्षेत्र से 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान सुनिश्चित करने का लक्ष्य है।नवाचार, जलवायु अनुकूल प्रजातियों और आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाएगा।फसल सघनता वर्तमान 182 प्रतिशत से बढ़ाकर 250 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है।सिंचाई प्रबंधन, फसल नियोजन और गुणवत्ता निवेश से कृषि भूमि का अधिकतम उपयोग किया जाएगा।धान की उत्पादकता 30 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से बढ़ाकर 45 क्विंटल करने का लक्ष्य।गेहूँ की उत्पादकता 41 से बढ़ाकर 55 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य है।मक्का उत्पादकता 29 से बढ़ाकर 70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है।दलहन की उत्पादकता 12 से बढ़ाकर 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तिलहन की उत्पादकता 13 से बढ़ाकर 22 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य है।मृदा में जीवांश कार्बन स्तर 0.3 से बढ़ाकर 1.0 तक करने की योजना है।कृषि मंत्री ने बताया कि हरी खाद, कम्पोस्ट और जैव उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।उत्तर प्रदेश की 30 लाख हेक्टेयर बंजर और ऊसर भूमि को कृषि योग्य बनाया जाएगा।इस भूमि पर दलहन, तिलहन और अन्य फसलों का उत्पादन किया जाएगा।ग्रामीण आजीविका और खाद्य सुरक्षा में सुधार होगा।प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायत को आधुनिक कृषि मशीनरी से संतृप्त किया जाएगा। 75 प्रतिशत कृषि मशीनीकरण किया जाएगा। एआई आधारित उपकरण, ट्रेंच प्लांटर्स और सटीक यंत्रों का उपयोग बढ़ेगा।जेंडर फ्रेंडली और कम लागत वाले कृषि यंत्रों को बढ़ावा दिया जाएगा।गन्ने में सहफसली खेती को प्रोत्साहन दिया जाएगा।गन्ने के साथ सरसों, धनिया, मसूर, उड़द और मूंग की सहफसली खेती लगभग 14.5 लाख हेक्टेयर में की जाएगी।आगामी पांच वर्षों में प्रदेश में पांच बीज पार्क स्थापित किए जाएंगे। इसके बाद अन्य चार बीज पार्क स्थापित किएजाएंगे।कृषि वानिकी को हर खेत में मेंड़, हर मेंड़ पर पेड़ अभियान से जोड़ा जाएगा।पॉपुलर, मिलिया डुबिया, आस्ट्रेलियन टीक, महोगनी और किरि ट्री जैसे पौधों का रोपण किया जाएगा।किसानों की आय तीन गुना करने के लिए उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा दिया जाएगा।एफपीओ के माध्यम से निर्यात के अवसरों का विस्तार किया जाएगा।आधुनिक तकनीक से कृषि की उत्पादकता बढ़ाकर किसानों की आय में वृद्धि की जाएगी।20 प्रतिशत फसल विविधीकरण का लक्ष्य रखा गया है।मक्का, दलहन, तिलहन और सुगंधित फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा।मक्के का क्षेत्र बढ़ाकर लगभग 50 लाख हेक्टेयर किया जाएगा।कीटनाशी रसायनों के उपयोग में 25 प्रतिशत कमी की जाएगी।

प्राकृतिक खेती और जलवायु अनुकूल कृषि को बढ़ावा दिया जाएगा।एआई, ड्रोन और रिमोट सेंसिंग आधारित एग्री-डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा।किसानों को रीयल टाइम मौसम जानकारी और प्रिसीजन फार्मिंग टूल्स उपलब्ध कराए जाएंगे।ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम आधारित सूचनाएं किसानों को दी जाएंगी।एआई आधारित कीट निगरानी प्रणाली से फसल रोगों की रोकथाम होगी।सूक्ष्म सिंचाई यानि ड्रिप व स्प्रिंकलर प्रणाली का विस्तार किया जाएगा।सूक्ष्म सिंचाई का कवरेज 50 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा।

निजी नलकूपों को सौर ऊर्जा से संचालित किया जाएगा।बायोगैस के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।जलवायु अनुकूल नई फसल प्रजातियों का विकास किया जाएगा।चिया, रामदाना, क्विनोआ और मखाना जैसी उच्च मूल्य स्वास्थ्य फसलों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।इन फसलों का क्षेत्र पांच लाख हेक्टेयर तक बढ़ाया जाएगा।कृषि नवाचार केंद्र स्थापित किए जाएंगे।अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की तर्ज पर वैश्विक कृषि शोध संस्थान स्थापित किए जाएंगे।निर्यात और प्रसंस्करण उन्मुख क्लस्टर विकसित किए जाएंगे।किसानों को फसल बीमा के अंतर्गत अधिकतम कवरेज सुनिश्चित किया जाएगा।क्षतिपूर्ति समय पर उपलब्ध कराई जाएगी।नवीनतम कृषि तकनीकों के लिए किसानों को प्रशिक्षण व एक्सपोजर विजिट कराई जाएगी।वर्ष 2047 तक कृषि क्षेत्र से जुड़ी प्रत्येक गतिविधि को टिकाऊ, लाभकारी और तकनीक आधारित बनाने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने किया जनजातीय भागीदारी उत्सव का शुभारंभ

बिरसा मुंडा ने दिया था अपना देश, अपना राज्य' का अमर संदेश : योगी

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

लोकनायक धरती के आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में छह दिवसीय 13 से18 नवंबर तक जनजातीय भागीदारी उत्सव की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयोजन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह और राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार समाज कल्याण असीम अरुण की गरिमामय उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने ढ़ोल की थाप से कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से 1 नवंबर से 15 नवंबर तक जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाया जा रहा है ताकि जनजाति समुदाय को अपनी परंपरा, संस्कृति, व्यंजन, कला और संगीत आदि पर गर्व की अनुभूति हो। लखनऊ में आयोजन सांस्कृतिक समागम का बड़ा उत्सव है। पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश हमारा सहभागी बना है। देश के विभिन्न राज्यों से आए जनजाति समुदाय के लोगों द्वारा यहां लगी प्रदर्शनी, स्टॉल पर सजे सामान और साहित्य उनके प्यार, सम्मान व अपनी संस्कृति के प्रति उनके जुड़ाव को दर्शाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, भगवान बिरसा मुंडा ने महज 25 वर्ष की आयु में अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी और अपना देश, अपना राज्य का अमर संदेश दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा यह वर्ष इतिहास के सुनहरे अध्यायों से आलोकित हो रहा है। तीन महान अवसरों की 150वीं जयंती का साक्षी बन रहा है। भगवान बिरसा मुंडा की अदम्य वीरता, लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की राष्ट्रनिर्माण की दृष्टि और 'वंदे मातरम' के अमर राष्ट्रगीत की 150वीं वर्षगांठ, तीनों मिलकर इस वर्ष को राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा ने महज 25 वर्ष की आयु में अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी और अपना देश, अपना राज्य का अमर संदेश दिया था।

मुख्यमंत्री ने 22 राज्यों से लखनऊ पधारे करीब छह सौ कलाकारों का अभिनन्दन और स्वागत किया।भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर लखनऊ में शुरू हुए जनजातीय भागीदारी उत्सव में देशभर के लोक कलाकारों और जनजातीय प्रतिनिधियों के उत्साहपूर्ण समागम के बीच उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सभी राज्यों से आए कलाकारों का हार्दिक स्वागत और आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा पीएम नरेंद्र मोदी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में देश 15 नवंबर को मुंडा जनजाति के महानायक बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजाति गौरव दिवस' के रूप में मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। वनटांगिया, वनवासी, घुमंतू समाज आदि के उत्थान के कार्य होते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि मुख्यमंत्री स्वयं उनके बीच जाकर दीपावली एवं अन्य त्योहार मनाने उस समाज के बीच जाते हैं। प्रदेश सरकार जनजाति समाज के अधिकारों, जमीनों के मालिकाना हक़, व्यक्तिगत समस्या के समाधान और समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का निरंतर प्रयास करती रही है, जिसमें सफलता भी मिली है। हमारी सरकार जनजाति समाज की सांस्कृतिक धरोहर संरक्षित करने का लगातार प्रयास कर रही है। बलरामपुर के इमिलिया कोडर गांव में थारू जनजाति का संग्रहालय निर्माण इसका जीता-जागता प्रमाण है।

इसी क्रम में 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जन्म जयंती पर मुख्यमंत्री जनजातीय बाहुल्य जिला सोनभद्र में स्वयं उपस्थित रहकर समाज को संदेश देंगे।राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार समाज कल्याण विभाग असीम अरुण ने कहा जनजातीय भागीदारी उत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि भारत की सामासिक संस्कृति का जीवंत प्रतीक है, जहां विभिन्न जनजातियों के रहन-सहन, परंपरागत शिल्प, लोककला, लोक संगीत, और खानपान की विशिष्टता एक मंच पर प्रदर्शित हो रही है। जनजातीय समाज की वन संस्कृति, प्रकृति के प्रति आस्था, सामाजिक सहयोग की परंपरा और आत्मनिर्भर जीवनशैली इस आयोजन की आत्मा है।

उन्होंने जनजातीय समुदाय के बच्चों के लिए खुल रहे एकलव्य और सर्वोदय स्कूलों के लिए सरकार का आभार जताया। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मुख्यमंत्री को विभिन्न राज्यों के स्टॉलों का निरिक्षण करवाया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में जनजातीय भागीदारी उत्सव में विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, उपाध्यक्ष बेचन राम और अपर मुख्य सचिव समाज कल्याण विभाग एल वेंकटेश्वर आदि उपस्थित रहे।

विहिप नेता को जेल भिजवाने वाली एडीएम ऋतु पूनिया पर गिरी गाज

लखनऊ/पीलीभीत, 13 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद विहिप के संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ को जेल भेजने के मामले में पीलीभीत की अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ऋतु पूनिया को उनके पद से हटा दिया गया है। शासन स्तर से की गई इस कार्रवाई के तहत, ऋतु पूनिया को लखनऊ मुख्यालय से अटैच कर दिया गया है।

उनकी जगह प्रसून द्विवेदी को जिले का नया एडीएम वित्त एवं राजस्व बनाया गया है। प्रसून द्विवेदी मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण में विशेष कार्याधिकारी के पद पर तैनात थे।यह कार्रवाई विहिप नेता प्रिंस गौड़ को जेल भेजे जाने के बाद जिलेभर में फैले हिंदू संगठनों के कड़े विरोध के बाद हुई है।विहिप नेता प्रिंस गौड़ ने शहर की एक निर्माणाधीन कॉलोनी में बनाई जा रही मजार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। प्रिंस गौड़ ने एडीएम ऋतु पूनिया पर कॉलोनाइजर को संरक्षण देने और उनके पति के लिए ठेके दिलवाने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए बरेली मंडलायुक्त से शिकायत की थी। शिकायत पर जब कमिश्नर ने एडीएम से जवाब मांगा, तो ऋतु पूनिया नाराज हो गईं। उन्होंने विहिप नेता प्रिंस गौड़ के खिलाफ रंगदारी और सरकारी कार्य में बाधा जैसी संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज करवा दिया।पुलिस ने 8 नवंबर को विहिप नेता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जिसके बाद जिलेभर के हिंदू संगठनों में गुस्सा फैल गया।जेल भेजे जाने के तुरंत बाद प्रिंस गौड़ की शनिवार रात अचानक तबीयत बिगड़ गई और उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराना पड़ा। विहिप के प्रांतीय पदाधिकारियों ने इस कार्रवाई को द्वेषपूर्ण और हिंदू नेता को नीचा दिखाने के उद्देश्य से की गई राजनीतिक कार्रवाई बताया था।11 नवंबर को विहिप संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ को सीजेएम कोर्ट से जमानत मिल गई। विवेचना के दौरान साक्ष्य के अभाव में कई गंभीर धाराओं को हटा दिया गया था, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें राहत दी।

जेल से बाहर आने पर प्रिंस गौड़ ने कहा था कि निस्वार्थ सेवा का उन्हें परिणाम भुगतना पड़ा, और अधिकारियों की जो मंशा थी, वह पूरी हो गई।वहीं एडीएम ऋतु पूनिया ने खुद पर लगे आरोपों का खंडन करते हुए सफाई दी थी कि प्रिंस गौड़ फर्जी शिकायतों के माध्यम से मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर धन उगाही करने की कोशिश कर रहे थे।उन पर लगाए गए आरोप झूठे थे।

बहुउद्देशीय सचल पशुचिकित्सा सेवायें हेतु 125.70 लाख़ स्वीकृत

लखनऊ, 13 नवम्बर (एजेंसियां)।

प्रदेश सरकार ने प्रदेश में पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य के तहत बहुउद्देशीय सचल पशुचिकित्सा सेवाओं के सुनियोजित क्रियान्वयन के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1 करोड़ 25 लाख 70 हजार मात्र रूपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस संबंध में पशुधन विभाग द्वारा शासनादेश जारी करते हुए निदेशक, रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग को योजना के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं।

शासनादेश में निर्देशित किया गया है कि स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं योजना हेतु निर्धारित गाइडलाइन्स का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए व्यय विवरण सहित उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाएगा।

एसआईआरडी मे विभिन्न विषयो पर विशेषज्ञ दे रहे प्रशिक्षण

अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर बनाया जा रहा और अधिक दक्ष व सक्षम

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब लखनऊ में सरकारी, अर्धसरकारी विभाग,संस्थाओ के अधिकारियों व कर्मचारियों व विभाग व रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें और अधिक दक्ष व सक्षम बनाने का कार्य किया जा रहा है। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब द्वारा संस्थान के महानिदेशक एल वेंकटेश्वर लू व प्र. अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के प्रशासनिक नियन्त्रण में संस्थान प्रांगण के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब द्वारा संस्थान के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमो के तहत 10 से 15 नवंबर, तक केन्द्रीय सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान नई दिल्ली द्वारा स्नातक परीक्षा2024 के माध्यम से चयनित हुए 279 भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में नियुक्त अधिकारियों को संस्थान प्रथम चरण में 74 अधिकारियों को जनपद लखनऊ की तहसील, विकास खण्ड, कोतवाली, ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित शासकीय संस्थाओं-प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायत भवनों, गौशालाओं तथा अमृत सरोवरों के व्यवहारिक अध्ययन व आकलन हेतु, 'विलेज अटैचमेंट' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 10 से 12 नवंबर तक प्राथमिक विद्यालयों के 100 अध्यापकों हेतु, 'लर्निंग बाई डूइंग' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुए। 10 से 14 नवंबर तक जनपद स्तरीय 30 अधिकारियों हेतु, 'जलवायु परिवर्तन-जलवायु जनित आपदाओं के अनुकूलन पर क्षमता संवर्धन' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, संस्थान के महानिदेशक एल वेंकटेश्वर लू के संरक्षण व अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के प्रशासनिक नियंत्रण में किया जा रहा है।

संस्थान के महानिदेशक एल वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में मिशन कर्मयोगी एवं शासकीय सेवाओं में नैतिक व मानवीय गुणों के परिप्रेक्ष्य में, विशिष्ट अतिथि वार्ताकारों डा किशन वीर सिंह शाक्य, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं पूर्व वरिष्ठ सदस्य लोक सेवा आयोग आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ रंजीत रंजन तथा यूनिसेफ के विद्वान कार्यक्रम अधिकारी आपदा की गरिमामयी उपस्थिति में प्रशिक्षण कार्यक्रमों से सम्बन्धित विषयगत वार्ताकारों द्वारा विषयानुक्रम बिन्दुओं पर प्रासंगिक एवं उपयोगी व्याख्यान दिए गए।डा किशन वीर सिंह शाक्य द्वारा प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि शिक्षा की परिभाषा क्या है? अवधारणा, उद्देश्य एवं उपयोगिता। प्रत्येक नागरिक को आदर्श कार्यों व नैतिक गुणों को आत्मसात करने के सद्मार्ग पर चलने का हर सम्भव प्रयास करना चाहिए। भारत को विश्व गुरु बनने के सन्दर्भ में विभिन्न सूत्रों को बिन्दुवार परिभाषित किया। भारतीय संस्कृति व परिवेश को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपनी मौलिकता की वास्तविकता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। मानव जीवन में खुशी और सफलताओं को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है-सेन्स आफ ओबेडियन्स, सेन्स आफ पेसेन्स और सेन्स आफ इनोवेशन। सदैव प्रत्येक मनुष्य को ध्यान रखना चाहिए कि उससे कोई ऐसा कार्य न हो, जिससे कि किसी की आत्मा आहत हो। आपदा विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और इसके समाधान के विषय में जानकारी दी।अध्यक्षीय उद्बोधन के अन्तर्गत महानिदेशक संस्थान एल वेंकटेश्वर लू द्वारा प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि आप सब जहां पर भी हैं या जिस पद पर हैं उसको निष्ठा, लगन, मेहनत व ईमानदारी पूर्वक निभायें। कोई भी पद जनहित की दृष्टि से छोटा या बड़ा नही होता है। बड़े पदों पर रहते हुए कतिपय अधिकारियों द्वारा प्रतिष्ठा प्राप्त नहीं कर पाते हैं, परन्तु कभी-कभी छोटे पदों पर, कार्य करने वाले कर्मचारी जनहित में अत्यधिक प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेते हैं। हम सभी अधिकतर ग्रामीण अंचल से ही सम्बन्धित है। आम ग्रामीण का बहुधा कार्य विकास खण्ड, तहसील, पुलिस थाने तथा विद्युत विभाग से पड़ता है, जहां के कर्मचारी अधिकारी ग्रामीण अंचल के ही होते हैं। ऐसी दशा में अपने ही भाई-बन्धुओं के प्रति कभी भी उपेक्षित व सौतेला व्यवहार नहीं करना चाहिए। अच्छे कार्यों को करने से, स्वयं अत्यधिक सन्तोष प्राप्त होता है। हमको अपने पूर्वजों व ऋषि-मुनियों के आदर्शों को ध्यान में रखकर भारत को विश्व गुरु बनाने में उत्कृष्ट ध्यान देते हुए, शासन द्वारा प्रदत्त कार्यों का निष्पादन करना चाहिए।

सौंदर्य टिप्स

ये 5 टिप्स हमेशा के लिए खत्म कर देंगे डार्क सर्कल्स

आंखों के नीचे काले घेरे आपका पूरा लुक खराब कर देते हैं. स्ट्रेस, कम नींद, धूप में बिना चश्मे के निकलना, एजिंग और जेनेटिक ऐसे कई कारण हैं जिसकी वजह से डार्क सर्कल्स होते हैं. इन्हें ठीक करने के लिए आपने कई नुस्खे आज़माएं होंगे, लेकिन यहां आपको वो कारगर तरीके बता रहे हैं जिन्हें आज़मा कर आपकी आंखो के काले धब्बे हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे.

1. आई पैक

आलू को कद्दूकस कर इसका जूस निकालें और इसमें रूई को डिबोकर आंखों पर रखें. इसके अलावा आप ग्रीन टी बैग्स को आंखों पर रख सकते हैं. इसके लिए गरम पानी में ग्रीन टी बैग्स को एक बार डालें, फिर इन्हें फ्रिज़ में 20 मिनट के लिए रख दें. इन ठंडे टी बैग्स को रात को सोते समय आंखों पर रखें और रिलैक्स करें.

2. सनस्क्रीन लगाएं

डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए सबसे ज़रूरी है कि धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाकर निकलें. आंखों पर डाइरेक्ट धूप लगने से मेलनिन प्रोडक्शन में बढ़ावा होता है, जो आंखों की आस-पास वाली स्किन को काली बनाती है. इसीलिए ज़रूरी है कि ज़िंक ऑक्साइड और टाइटैनियम डाइक्सॉइड से भरपूर सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें.

3. आई मसाज

रोज़ाना रात को सोने से पहले दो बूंद बादाम का तेल लें और इससे हल्के हाथों से आंखों की मसाज करें. मसाज हमेशा हाथों की बीच की दो अंगुलियों से ही करें.

4. आंखों को धोएं

रोज़ाना घर पहुंचते ही हाथ-मुंह धोने के साथ-साथ आंखों को भी धोएं. सबसे पहले गुनगुने पानी से आंखों को क्लीन करें और फिर ठंडा पानी आंखों पर मारें. इससे आंखों की दिनभर की थकान कम होगी और ब्लड फ्लो बेहतर होगा.

5. ज़रूरी टिप्स

दिन भर में 8 से 10 लीटर पानी पिएं. 7 से 8 घंटे की नींद लें. आंखों को कभी भी टाइट ना रगड़ें. अगर आई साइट वीक है तो चश्मा लगाकर काम करें और आई मसल्स वीक हैं तो एंटी-ग्लेयर लगाकर काम करें. 1 घंटे से ज़्यादा टीवी ना देखें. स्मोकिंग से बचें और स्ट्रेस कम लें. क्योंकि चिंता सबसे पहले आंखों के नीचे काले घेरे लेकर आती है.

हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद है गाय का दूध

गाय का दूध सेहत के लिहाज से बेहद स्वास्थ्यवर्द्धक होता है। इसमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायता करता है। गाय का दूध प्रोटीन का भी बेहतरीन स्रोत होता है।

इसके अलावा इसमें विटमिन बी 2 और विटमिन बी 12 भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। ये दोनों विटमिन शरीर को ऊर्जान्वित रखने में मदद करते हैं। शरीर में मसल्स और ऊतकों के निर्माण में भी यह बेहद लाभदायक होता है।

यह कैंसर, एचआईवी, दिल संबंधी बीमारियां, हाई ब्लडप्रेशर और माइग्रेन जैसी समस्याओं से बचाव करने में भी सक्षम है। शरीर को संपूर्ण पोषक तत्व प्रदान करने वाले इस दूध के और भी बहुत सारे फायदे होते हैं। तो चलिए जानते हैं कि वे फायदे क्या हैं।

बढ़ाए रोग प्रतिरोधक क्षमता

गाय के दूध में कैल्शियम, प्रोटीन, एंटी-ऑक्सीडेंट्स के साथ-साथ विटमिन ई, सेलेनियम, जिंक आदि भी पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। ये तत्व हमारे शरीर में रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं।

त्वचा रोग में लाभकारी

गाय का दूध त्वचा के रोमछिद्रों को सिकोड़कर छोटा कर देता है। इससे ब्लैकहेड्स की समस्या से निजात मिलती है। रूखी और बेजान त्वचा के लिए भी गाय का दूध काफी लाभदायक होता है।

वजन कम करने में उपयोगी

गाय का दूध पीने से आपका मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, जिससे आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन भी होता है जो वर्कआउट के लिए आपको पर्याप्त ऊर्जा मुहैया कराता है।

दिमाग-आंखों के लिए फायदेमंद

बच्चों के दिमाग का विकास करने के लिए उन्हें नियमित रूप से गाय का दूध पिलाना चाहिए। इसके अलावा इस दूध में पाया जाने वाला कैरोटिन आंखों की रोशनी बढ़ाने में भी मदद करता है।

जानिए संतरे खाने के 5 फायदों के बारे में

सर्दियां आते ही बाज़ार में आ जाते हैं ताज़े संतरे. जिसे आप और हम कई तरीकों से अपनी डाइट में शामिल करते हैं. कोई सुबह जूस की तरह पीता है तो कई इसे शाम के ब्रेक में खाना पसंद करता है. विटामिन सी, ए, अमिनो एसिड, बी कॉम्प्लेक्स, फ्लेवोनॉयड, कैल्शियम, फॉस्फोरस, सोडियम जैसे मिनरल्स से भरे इस फल को खाने के कई फायदे होते हैं. सिर्फ एक दिन में एक संतरा शरीर को कई बीमारियों से बचा कर रखता है. यहां आपको संतरे खाने के 5 फायदों के बारे में बता रहे हैं.

1. ब्लड प्रेशर कंट्रोल करे

ब्लड प्रेशर को लो होने से बचाने के लिए सबसे ज़रूरी है सोडियम की मात्रा को बैंलेस रखना. संतरा सोडियम की मात्रा को नॉर्मल रख ब्लड प्रेशर को सही रखता है. इसीलिए जिसे भी हाई या लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो वो अपनी डाइट में संतरा ज़रूर शामिल करें.

2. कैंसर से बचाए

विटामिन सी से भरपूर संतरा शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री-रैडिक्लस से सुरक्षित रखता है. साथ ही इसमें पाया जाने वाला लाइमोनिन कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है. मैंडरिन संतरे में विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है. जापान में हुई एक स्टडी के मुताबिक

मैंडरिन संतरा लिवर कैंसर होने के खतरे को कम करता है.

3. किडनी पथरी से रखे सेफ

रोज़ाना संतरे का सेवन किडनी में होने वाली पथरी के खतरे को कम करता है. इसीलिए आप संतरे को रोज़ाना अपनी डाइट में शामिल करें. पथरी के लिए संतरे को लिक्विड रूप में पीएं ज़्यादा फायदा होगा.

4. बवासीर में दिलाए आराम

संतरा पेट के अल्सर को खत्म करता है और बवासीर में राहत दिलाता है. इसके लिए रोज़ाना खाना खाने के बाद एक ग्लास संतरे का जूस पीएं. बवासीर के मरीज़ संतरे के छिलके के पाउडर को भी पानी में मिला कर पी सकते हैं.

5. सर्दी-जुकाम करे छुमंतर

संतरे में मौजूद विटामिन सी सर्दी-जुकाम में राहत दिलाता है. लोगों का ऐसा मानना है कि संतरे की तासीर ठंडी होती है इसीलिए इसे सर्दी-खांसी में नहीं खाना चाहिए, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं होता है. बल्कि संतरा या विटामिन सी वाले सभी फल सर्दी में राहत दिलाते हैं.

घर संसार

ये छोटे-छोटे ट्रिक्स अपनाकर घर को बनाएं और भी खूबसूरत

खुद के घर को सजाने का मजा कुछ अलग है। घर की सजावट ऐसी होनी चाहिए जो दिन भर की थकान को बी मिनटों में गायब कर दें। हम लोग अपने घर को सजाने के लिए कोई कोई एक्स्पेरिमेंट्स करते ही रहते है। अगर आप भी अपने भी आसान तरीकों से अपने घर को सजाए रखना चाहते है तो आइए हम आपको कुठ चिप्स बताते है जो घर की लुक को कर देंगे चेंज।

1. सीप रखें

एक कांच के कंटेनर में सीप डालकर साईड टेबल पर या कॉर्नर में रखें। इसको लीविंग रूम में रखें। इससे रोमांटिक फील आएगा।

2. टायर पॉट

पुराने टायर को अच्छा सा पेंट करें और उसमें पौधे लगाएं। यह आपके गार्डन को अल ही लुक देंगे।

3. वॉलपेपर

दीवारों को डिफैरेंट और यूनिक लुक देने के लिए वॉलपेपर इस्तेमाल करें। इनमें आपको कई रंग, डिजाइन्स, पैंटर्न्स मिल जाएगे। इन्हें आप खुद भी लगा सकते है।

4. शंकु देंगे विन्टेज लुक

यह आपको किसी भी फूलवाले के यहां आसानी से मिल जाएगे। आप इन्हें सर्दियों में सिल्वर पेंट करके सजा सकते है। किसी मेसन जार में भी रख सकते है।

5. हैंगिंग पौधे

छोटे-छोटे पौधों को किसी पुरानी बोतल में उगाएं और नेट के कपड़े से कवर करें। हैंगिंग की तरह लगा दें। इसे आप अंदर और बाहर सजा सकते है।

6. पुरानी चीजें, नया लुक

कुछ पुराने कन्टेनर्स जैसे मग, वॉटर केन्स, डब्बे आदि को पौधे लगाने के लिए इस्तेमाल करें। इससे गार्डन को अलग लुक मिलेगी।

7. गार्डन में पोन्ड

गार्डन पोन्ड को नया लुक देना चाहते है तो उसके आस-पास पत्थर जोड़कर उसकी बाउनडरी वॉल बनाएं। इसके बीच-बीच में अलग-अलग रंगों के फ्लॉवर लगाएं।

ट्रेडमिल पर दौड़ते समय रखें इन बातों का ध्यान

बढ़े हुए वजन को कम करने के लिए अकसर ट्रेडमिल पर चलने व दौ?ने की सलाह दी जाती है। ट्रेडमिल जिम में आसानी से मिलने वाली एक मशीन है, जो वजन कम करने के साथ ही शारीरिक तौर पर कई बदलाव लाती है। वजन कम करने के अलावा इस मशीन से दिल बेहतर काम करता है। शरीर में सकारात्मक बदलाव आते हैं, पर एक छोटी-सी लापरवाही समस्याओं को बढ़ा भी सकती है।

ट्रेडमिल के लाभ

- हृदय संबंधी गतिविधियों यानी कार्डियो वैस्कुलर एक्टिविटीज को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।
- पर्वतारोही पहाड़ों पर चढ़ाई से पहले इस पर प्रैक्टिस कर अपनी रफ्तार और पैरों की पकड़ को मजबूत बनाते हैं। पिंडलियों की मांसपेशियां भी मजबूत बनती हैं।

कैलरी खपत में भी ये मशीन मदद करती है। तनाव कम करने में भी सहायक होती है।

सेहत से जुड़ी कोई परेशानी है तो

अगर सेहत से जुड़ी कोई परेशानी है तो इंस्ट्रक्टर को बताएं। उसी के निर्देशों का पालन करें। गोल्ड जिम के मैनेजर और इंस्ट्रक्टर विनीत कपूर बताते हैं, ट्रेडमिल पर दौड़ लगाने से पहले उसकी स्पीड और दौड़ने के तरीके के बारे में जान लें।

- मधुमेह रोगियों को ट्रेडमिल पर दौड़ने या बहुत तेज चलने से बचना चाहिए। घुटने या पैरों में चोट या दर्द है तो दूर रहना बेहतर होगा।
- ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए भी ट्रेडमिल पर दौड़ने से बचने की सलाह दी जाती है। हृदय कमजोर है तो भी परहेज करें।
- माइग्रेन या सिर से जुड़ी समस्या होने पर विशेषज्ञों की राय ले लें। बहुत दुबले लोगों को कम स्पीड पर अभ्यास करना चाहिए। अगर इनमें से किसी तरह की दिक्कत नहीं है तो ट्रेडमिल पर अभ्यास करना सही रहेगा।

इन बातों पर करें गौर

- पानी की बोतल जरूर पास रखें। पसीना ज्यादा आने पर बीच-बीच में कुछ पानी पीते रहें, ताकि डीहाइड्रेशन न हो।
- शुरुआत में मशीन की रफ्तार कम रखें। धीरे-धीरे ब?ाएं।
- वजन कम करना है तो कम से कम 20 मिनट जरूर चलें।
- मशीन में दिए इमरजेंसी स्टॉपर क्लिप को कपड़े से लगाकर रखें। अगर गति नियंत्रण से बाहर होती है तो ये क्लिप उसको ऑटोमैटिक बंद कर सकता है।
- ट्रेडमिल पर नंगे पांव न दौड़ें। पैर फिसलने पर गंभीर चोटें आ सकती हैं।
- ट्रेडमिल पर दौड़ेते समय एक्स्ट्रा पैडिंग वाले जूते पहनें, पैर में मोच नहीं आती। चलते वक्त नीचे पांव की ओर न देखें। गति बेकाबू हो सकती है।
- ट्रेडमिल पर दौड़ते वक्त हैंडरेल को न पकड़ें। इससे बांहों में दर्द हो सकता है।
- ट्रेडमिल की रफ्तार धड़कनों की गति ध्यान रखकर बढ़ाएं। बहुत अधिक रफ्तार बढ़ाना हृदय पर भारी पड़ सकता है।
- मशीन पूरी तरह से रुकने पर ही मशीन से नीचे उतरें।
- घुटनों में दर्द है तो पहले विशेषज्ञ से बात कर लें।
- ट्रेडमिल पर दौड़ते समय सेफ्टी बार को पकड़कर ना रखें। पॉस्चर बिगड़ सकता है।

अंदरूनी चोट के दर्द को राई से करें दूर

आजकल हर किसी की लाइफस्टाइल बहुत व्यस्त हो गई है। हर कोई चाहता है कि उसका काम जल्दी से निपट जाए लेकिन कई बार हड़बड़ाहट में चोट भी लग जाती है। बाहर से दिखाई देने वाली चोट के जख्म तो जल्दी भर जाते हैं लेकिन कई बार शरीर के अंदरूनी हिस्सों में भी चोट लग जाती है। जो दिखाई नहीं देती लेकिन दर्द बहुत करती हैं। कई बार तो इस चोट का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है लेकिन घरेलू इलाज से इस परेशानी से छुटकारा पाया जा सकता है। राई खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। दर्द से छुटकारा पाने के लिए राई का इस्तेमाल बेहद

लाभकारी है। राई को सरसों के नाम से भी जाना जाता है।

इस तरह करें राई का इस्तेमाल : राई में एंटीऑक्सिडेंट, सेलेनियम और मैग्निश्यम पानी में भिगोकर इसका पतला पेस्ट तैयार कर लें। इसे चोट वाली जगह पर लेप कर लें। बहुत आराम मिलेगा। इसके अलावा पानी में राई के दाने उबालकर इस पानी में कॉटन का कपड़ा भिगोकर चोट वाली जगह पर थपथपाएं। ऐसा करने से दर्द बहुत कम हो जाएगा। इसके साथ ही खाने में भी राई का इस्तेमाल करें। छौक लगाने,स्वाद,अचार आदि तरीको से राई खा सकते हैं।

घबराहट होने पर लाभकारी है राई : राई के छोटे-छोटे दाने सेहत के लिए बहुत लाभकारी हैं। घबराहट होने पर हाथ की हथेलियों और पैरों के तलवों पर राई को रगड़ें। इससे बहुत आराम

रेसिपी

खट्टे बैंगन की सब्जी

5-6 लंबे बैंगन, दो कटे हुए प्याज, एक बारीक कटा हुआ टमाटर, एक दालचीनी, एक बड़ा चम्मच जीरा, आधा चम्मच इलायची पाउडर, एक चमच कश्मीरी लील मिर्च, एक छोटा चम्मच हींग, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, एक बड़ा चमच सोंठ, एक बड़ा चम्मच सौंफ, एक बड़ा चम्मच नींबू का रस, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, स्वादानुसार नमक बनाने की

विधि सबसे पहले एक कढ़ाई में तेल डालर गर्म करें। जब ये गर्म हो जाएं तो इसमें दालचीनी, जीरा, इलायची पाउडर, कश्मीरी लाल मिर्च, हींग, धनिया पाउडर, हल्दी और नमक डालें और अच्छी तरह से फ्राई कर लें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा पानी डाल दें। जिससे कि मासला जले न। जब यह तेल छोड़ने लगें तो इसमें सोंठ डाल दें और कम से कम 2 मिनट पकाएं इसके बाद इसमें प्याज और बैंगन डालकर अच्छी करह से फ्राई करके कम से कम 20 मिनट के लिए ढक्कन बंद कर दें। 20 मिनट बाद इसमें टमाटर, सौंफ और थोड़ा सा पानी डालें। अब टमाटर पकने दें। जब टमाटर पक जाए और गाढ़ी सी ग्रेवी तैयार हो जाए। तब आंच बंद कर दें। आपकी कश्मीरी खट्टे बैंगन की सजी बनकर तैयार है। इसमें नींबू डालकर गर्मागर्म रोची के साथ सर्व करें।

वेज उपमा

सामग्री

पानी : 660 मिलीलीटर
गाजर- 75 ग्राम हरे मटर : 40 ग्राम
ग्रीन बीन्स : 35 ग्राम घी : 1 बड़ा चम्मच
सरसों के बीज : 1/2 चम्मच करी पत्ते : 7-8 : प्याज : 75 ग्राम सूजी : 100 ग्रामहरी मिर्च : 1 चम्मच नमक : 1 चम्मच
धनिया : 1 बड़ा चम्मच

विधि डीप पैन को मध्यम आंच पर रखें और उसमें 660 मिलीलीटर पानी, 75 ग्राम गाजर, 40 ग्राम हरे मटर, 35 ग्राम ग्रीन बीन्स डालकर उबाल लें। अब एक डीप पैन को मध्यम आंच पर रखें और उसमें आधा चम्मच सरसों के बीज, 7-8 करी पत्ता डालें और अच्छी तरह से हिलाएं। फिर इसमें 75 ग्राम प्याज डालकर फ्राई करें, जब तक वह हल्के ब्राउन न हो जाए। अब इसमें 100 ग्राम सूजी डालें और मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। इसमें 1 हरी मिर्च डालकर अच्छे से मिक्स करें। फिर इसमें उबली हुई सब्जियां, 1 चम्मच नमक, 1 बड़ा चम्मच धनिया डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब इसे 3-5 मिनट तक मध्यम आंच पर पकाएं। कभी-कभी इसे हिलाते रहें। जब यह गाढ़ा हो जाए तो आंच से उतार लें और सर्व करें

संपादकीय

आतंकवाद के डाक्टर

परिस्थितिजन्य तफसील से यह स्पष्ट हो चुका है कि दिल्ली विस्फोट 'आतंकी हमला' ही था। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। सामान्य धमाके में साजिशकार नहीं होते। बुधवार को प्रधानमंत्री की ही अध्यक्षता में कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक हुई। अक्सर यह युद्ध और आतंकी हमले के बाद ही बुलाई जाती है। इस समिति में प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृहमंत्री, विदेश मंत्री, वित्त मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आदि होते हैं। युद्ध की स्थिति में तीनों सेना प्रमुखों को भी बुलाया जाता है। गृह सचिव और आईबी निदेशक भी बैठक में सम्मिलित होते हैं। दिल्ली विस्फोट की जांच 'राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी' (एनआईए) को सौंपी गई है, जिसे आतंकी हमलों की गहन जांच की विशेषज्ञता हासिल है। इस संदर्भ में फरीदाबाद की 'अलफलाह यूनिवर्सिटी' आतंकवाद के नए अड्डे के तौर पर उभरी है। फरीदाबाद के गांवों से जो 2900 किग्रा. विस्फोटक रसायन बरामद किया गया था, उसकी भूमिका भी साफ हो गई है। जो डॉ. उमर मुहम्मद कार-विस्फोट में मारा गया है, वह इसी मेडिकल यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर था। वह जिस तरह मरा है, उसे हम एक नए किस्म का 'फिदायीन बॉम्बर' मान सकते हैं, क्योंकि उसकी कार में विस्फोटक था और उसी ने उसे सक्रिय किया होगा! जांच से बिल्कुल पारदर्शी स्पष्ट हो जाएगा। उमर कश्मीर के पुलवामा के कोइल गांव का निवासी था। विस्फोटक रसायन वाला आतंकी डॉ. मुजम्मिल शकील भी इसी गांव का रहने वाला था। वह इस आतंकी यूनिवर्सिटी में ही एसोसिएट प्रोफेसर था। तीसरा डॉ. सज्जाद अहमद भी पुलवामा का था। अलफलाह यूनिवर्सिटी में ही 45 वर्षीया डॉ. शाहीन सईद पदस्थ थी और एमबीबीएस, एमडी स्तर की फार्मकोलॉजी विशेषज्ञ थी। वह जैश-ए-मुहम्मद के सरगना आतंकी मसूद अजहर और उसकी बहन सादिया के नेतृत्व में आतंकी संगठन की महिला विंग 'जमात उल मोमिनात' की भारत में मुखिया थी। उसे संगठन में 'जेहादी औरतों' की भर्ती का जिम्मा दिया गया था। उसके भाई डॉ. परवेज को भी उप्र एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया है। 38 वर्षीय डॉ. आदिल कश्मीर के काजीकुंड का निवासी था और सहारनपुर, उप्र में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर था। यदि कश्मीर के नौगाम में जैश के धमकी वाले पोस्टर नहीं लगते, तो शायद आतंकवाद के 'डॉक्टर मॉड्यूल' का पर्दाफाश न होता! इस गिरोह के 8 आतंकियों में 4 डॉक्टर कश्मीरी, 2 उप्र के हैं और दो मौलवी-इमाम शामिल हैं। सभी पुलिस की गिरफ्त में हैं। उमर विस्फोट में भस्म हो चुका है। दरअसल यह राष्ट्रीय चिंता का विषय है कि उच्च प्रशिक्षित डॉक्टर अब आतंकी बन रहे हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है। जब एक छात्र डॉक्टरी की पढ़ाई करता है और 5-7 साल के अनथक परिश्रम और गहन अध्ययन के बाद, अंततः, डॉक्टर बनता है, तो उस छात्र पर सरकार और करदाताओं के लाखों रुपए खर्च होते हैं। यह सवाल हैरानी का नहीं होना चाहिए कि उच्च शिक्षित नौजवान 'आतंकी' क्यों बन रहे हैं? वर्ष 2000 के कालखंड में 'इंडियन मुजाहिदीन' में प्रशिक्षित इंजीनियर आतंकी बने हुए थे। यही नहीं, जिन्होंने अमरीका में 9/11 आतंकी हमला किया था, वे आतंकी भी उच्च शिक्षित एवं मुसलमान थे। यही घोर कट्टरवाद, इस्लामी जेहाद और कथित काफिरों को मारने की मानसिकता ही है, जो नौजवानों को भ्रमित करती है और वे आतंकी बन जाते हैं। बहरहाल अभी तो जांच आगे बढ़ेगी, तो देश के प्रमुख राज्यों और शहरों के मेडिकल कॉलेज और शिक्षण संस्थानों की भीतरी कड़ियां जुड़ेंगी। न जाने कितने 'व्हाइट कॉलर आतंकी गिरोह' सामने आएंगे! बात मुसलमान या गैर-मुस्लिम की नहीं है, लेकिन जिस तरह आतंक के डॉक्टर गिरोह बेनकाब हुए हैं और सभी मुसलमान हैं, लिहाजा कमोबेश पेशेवर पाठ्यक्रम की उच्च शिक्षा में प्रवेश देते समय उनकी पृष्ठभूमि की व्यापक और खुफिया जांच कराने का नियम, कानून अनिवार्य कर देना चाहिए। आखिर ये डॉक्टर जैश जैसे आतंकी संगठन के हैंडलर्स के चंगुल में कैसे फंस गए? चूंकि 'ऑपरेशन सिंदूर' बुनियादी तौर पर जारी है और जैश का आतंकी हमला, उसकी साजिश, किन्हीं भी मायनों में, साबित हो चुके हैं और जैश पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठन है, तो हम अपनी सरकार से जानना चाहते हैं कि क्या इसे 'युद्ध' माना जाएगा और भारत पाकिस्तान को सबक सिखाएगा? पाकिस्तान को बार-बार चेतावनी देने के बावजूद वह बाज नहीं आ रहा है, इसलिए उसे कड़ा सबक सिखाने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। सामान्य धमाके में साजिशकार नहीं होते। बुधवार को प्रधानमंत्री की ही अध्यक्षता में कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक हुई। अक्सर यह युद्ध और आतंकी हमले के बाद ही बुलाई जाती है। इस समिति में प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृहमंत्री, विदेश मंत्री, वित्त मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आदि होते हैं। युद्ध की स्थिति में तीनों सेना प्रमुखों को भी बुलाया जाता है। गृह सचिव और आईबी निदेशक भी बैठक में सम्मिलित होते हैं। दिल्ली विस्फोट की जांच 'राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी' (एनआईए) को सौंपी गई है, जिसे आतंकी हमलों की गहन जांच की विशेषज्ञता हासिल है। इस संदर्भ में फरीदाबाद की 'अलफलाह यूनिवर्सिटी' आतंकवाद के नए अड्डे के तौर पर उभरी है। फरीदाबाद के गांवों से जो 2900 किग्रा. विस्फोटक रसायन बरामद किया गया था, उसकी भूमिका भी साफ हो गई है। जो डॉ. उमर मुहम्मद कार-विस्फोट में मारा गया है, वह इसी मेडिकल यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर था। वह जिस तरह मरा है, उसे हम एक नए किस्म का 'फिदायीन बॉम्बर' मान सकते हैं, क्योंकि उसकी कार में विस्फोटक था और उसी ने उसे सक्रिय किया होगा! जांच से बिल्कुल पारदर्शी स्पष्ट हो जाएगा। उमर कश्मीर के पुलवामा के कोइल गांव का निवासी था। विस्फोटक रसायन वाला आतंकी डॉ. मुजम्मिल शकील भी इसी गांव का रहने वाला था। वह इस आतंकी यूनिवर्सिटी में ही एसोसिएट प्रोफेसर था। तीसरा डॉ. सज्जाद अहमद भी पुलवामा का था। अलफलाह यूनिवर्सिटी में ही 45 वर्षीया डॉ. शाहीन सईद पदस्थ थी और एमबीबीएस, एमडी स्तर की फार्मकोलॉजी विशेषज्ञ थी।

कुछ अलग

सिकंदर को सबक

एक बार सिकंदर ने एक नगर को चारों ओर से घेर लिया था। जब उसे भूख लगी, तो उसने एक मकान का द्वार खटखटाया। द्वार एक बुढ़िया ने खोला। सैनिक वेश में खड़े व्यक्ति को देखकर बुढ़िया समझ गई कि यह सिकंदर ही है। सिकंदर ने कहा, 'मां, मुझे भूख लगी है। कुछ खाने को मिलेगा?' 'अवश्य मिलेगा, बेटा,' कहकर बुढ़िया घर के अंदर चली गई और कपड़े से ढकी एक थाली लेकर लौटी। सिकंदर ने थाली से कपड़ा हटाया तो उसमें भोजन की जगह सोने-चांदी के जेवरात थे। सिकंदर बोला, 'मां, मैंने खाना मांगा था, सोना-चांदी नहीं। क्या ये मेरी भूख मिटा सकते हैं?' यह सुनकर बुढ़िया ने निर्भीकता से कहा, 'बेटा, अगर तुम्हारी भूख रोटियों से मिटती, तो तुम अपना घर-परिवार और देश छोड़कर यहां संपत्ति लूटने क्यों आते? तुम मेरे जीवनभर की कमाई ले जाओ, पर मेरे नगर पर चढ़ाई मत करो।' बुढ़िया के शब्दों ने सिकंदर को झकझोर दिया। वह उनके चरणों में झुक गया। फिर बुढ़िया ने प्रेम से सिकंदर को भोजन कराया। सिकंदर उस नगर को जीते बिना ही वापस लौट गया।

सितम्बर 2025 माह में भारत से 24 देशों को निर्यात की मात्रा बढ़ गई

भारतीय अर्थव्यवस्था पर ट्रंप प्रशासन के 50% टैरिफ का कोई असर नहीं

प्रहलाद सबनानी

ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने वैसे तो लगभग सभी देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाया है परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थवस्थाओं एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यह हर्ष का विषय है कि 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नगण्य सा ही रहा है। माह सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत कम होकर केवल 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है।

अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 50 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया गया है। ट्रम्प ने वैसे तो लगभग सभी देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाया है परंतु भारत द्वारा विशेष रूप से रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल की खरीद के चलते भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया हुआ है। विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ को लगाए हुए अब कुछ समय व्यतीत हो चुका है एवं अब इसका असर विभिन्न देशों की अर्थवस्थाओं एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। यह हर्ष का विषय है कि 27 अगस्त 2025 से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगभग नगण्य सा ही रहा है। माह सितम्बर 2025 में भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों का निर्यात लगभग 12 प्रतिशत कम होकर केवल 550 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर नीचे आ गया है। परंतु, भारत का अन्य देशों को निर्यात लगभग 11 प्रतिशत से बढ़कर 3,638 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में किए गए निर्यात से लगभग 7 प्रतिशत अधिक है। सितम्बर 2025 माह में भारत से 24 देशों को निर्यात की मात्रा बढ़ गई है। इस प्रकार, भारत द्वारा अमेरिका को कम हो रहे निर्यात की भरपाई अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर कर ली गई है। सितम्बर 2025 माह में न केवल निर्यात में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की गई है अपितु भारत में अक्टूबर 2025 माह में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम, धनतेरस एवं दीपावली उत्सव के पावन पर्व पर, 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की बिक्री भारत में हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। हर्ष का विषय यह है कि इस कुल बिक्री में 87 प्रतिशत उत्पाद भारत में ही निर्मित उत्पाद रहे हैं। भारत में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री का रिकार्ड कायम हुआ है। भारत में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से लगातार प्रयास कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी भारतीय

नागरिकों का स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का हाल ही में आह्वान किया था। इस आग्रह का अब भारी संख्या में भारतीय नागरिक सकारात्मक उत्तर दे रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे उपभोक्ता खर्च के चलते वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में भी लगातार वृद्धि दृष्टिगोचर है, जो अब लगभग 2 लाख करोड़ प्रति माह के स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय पूंजी बाजार भी सकारात्मक परिणाम देता हुआ दिखाई दे रहा है। सितम्बर 2025 के अंत में सेन्सेक्स 80,267 के स्तर पर था जो 21 अक्टोबर 2025 को बढ़कर 84,426 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार निफ्टी इंडेक्स भी सितम्बर 2025 के अंत में 24,611 के स्तर से बढ़कर 21 अक्टोबर 2025 को 25,868 के स्तर पर पहुंच गया। दीपावली के पावन पर्व पर रिकार्ड तोड़ व्यापार होने एवं पूंजी बाजार के अपने पिछले 52 सप्ताह के लगभग उच्चतम स्तर पर पहुंचने के पीछे मुख्य रूप से तीन कारक जिम्मेदार माने जा रहे हैं। (1) भारतीय उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों के प्रति विश्वास निर्मित हुआ है और वे अब भारत में निर्मित उत्पादों को चीन अथवा अन्य विकसित देशों में निर्मित उत्पादों की तुलना में गुणवत्ता के मामले में बेहतर मानने लगे हैं। (2) विभिन्न भारतीय कम्पनियों द्वारा हाल ही में सितम्बर 2025 को समाप्त तिमाही के घोषित परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। (3) साथ ही, अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में वपिसी हुई है। वर्ष 2025 में सितम्बर 2025 माह तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से लगभग 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि की निकासी की थी, जबकि अक्टूबर 2025 माह में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अभी तक लगभग 7,300 करोड़ रुपए का नया निवेश किया गया है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के पश्चात भी भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर लगातार संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मुद्रा स्फीति की दर लगातार नीचे आ रही है एवं यह सितम्बर 2025 माह में 1.54 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है जो पिछले 8 वर्षों के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर है। जबकि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर अब बढ़ती हुई दिखाई दे रही है और अगस्त 2025 माह में यह 2.9 प्रतिशत के स्तर पर रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा अपने वित्तीय घाटे को नियंत्रण में लाने एवं सरकारी ऋण को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न देशों से अमेरिका को होने निर्यात पर टैरिफ की घोषणा की थी। परंतु, भारी मात्रा में टैरिफ बढ़ाने के बावजूद अमेरिका का वित्तीय घाटा कम होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। आज अमेरिका में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है जबकि भारत में यह प्रतिवर्ष लगातार कम हो रहा है और इसके वित्तीय वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे पहुंच जाने की सम्भावना है, यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत का रहा था। इसी प्रकार, अमेरिका में सरकारी ऋण 37 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है और यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का 120 प्रतिशत है। अर्थात, अमेरिका में आय की तुलना में अधिक मात्रा में व्यय किए जा रहे है। आज अमेरिका में सरकारी ऋण पर ब्याज अदा करने के लिए भी ऋण लिया जा रहा है। दूसरी ओर, भारत में सरकारी ऋण की मात्रा केवल 3.80 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 80 प्रतिशत है, जो लगातार कम हो रहा है। अमेरिका में सकल बचत की दर 22 प्रतिशत है जबकि भारत में यह 32 प्रतिशत है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है जबकि अमेरिका में यह वर्ष 2024 में केवल 2.8 प्रतिशत की रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत से अमेरिका को विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर विश्व बैंक द्वारा अनुमानित है। जबकि अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों के अमेरिका को निर्यात टैरिफ लगाए जाने के बावजूद अमेरिका में वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के नीचे गिरकर 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। स्पष्टतः अमेरिका द्वारा टैरिफ लागू करने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर तो कोई विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, अमेरिका में बेरोजगारी की दर में भी वृद्धि दृष्टिगोचर है जो अब बढ़कर 4.3 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है, जबकि भारत में यह दर गिरकर 5.1 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है।

देश दुनिया से

न्यायिक प्रणाली में बसा उम्मीदों का संसार

देख लेंगे कोर्ट में (आई विल सी यू इन कोर्ट), यह वाक्य अब भारतीय समाज के व्यवहार में सामान्य बोलचाल का हिस्सा बन चुका है। परंतु इस सहज से दिखने वाले वाक्य के भीतर एक गहरी प्रत्याशा छिपी हुई है, न्याय पाने की उम्मीद, व्यवस्था पर विश्वास और अपने अधिकारों की रक्षा की भावना। यही विश्वास भारत की न्याय प्रणाली को जीवित रखे हुए है। मगर सच्चाई यह है कि आज देश की अदालतें अभूतपूर्व संकट से जूझ रही हैं। 2025 तक भारत की अदालतों में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। केवल सर्वोच्च न्यायालय में ही अगस्त 2025 में लंबित मामलों की संख्या बढक़र 88417 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है, उच्च न्यायालयों में लगभग 63.3 लाख मामले लंबित हैं और जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में करीब 4.6 करोड़ मामले लंबित हैं। भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी चुनौती उसका बढ़ता बोझ है। न्यायाधीशों की संख्या सीमित है, जबकि दायर मामलों का प्रवाह निरंतर बढ़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय में जहां 34 न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या है, वहीं देश के 25 उच्च न्यायालयों में 1122 स्वीकृत पदों में से 315 खाली हैं। निचली अदालतों में तो स्थिति और भी चिंताजनक है। प्रति दस लाख जनसंख्या पर केवल 15 न्यायाधीश कार्यरत हैं, जबकि 1987 में विधि आयोग ने यह संख्या 50 सुझाई थी। तुलना के लिए देखें तो, अमेरिका में प्रति 10 लाख लोगों पर 150 न्यायाधीश हैं, जबकि यूरोप में वर्ष 2022 में औसतन 220 न्यायाधीश प्रति 10 लाख थे। इन परिस्थितियों में न्याय केवल समय का नहीं बल्कि धन और धैर्य का भी प्रश्न बन गया है। अदालत तक पहुंचना अब आम नागरिक के लिए एक कठिन और खर्चीला कार्य है। वकीलों की भारी फीस, तारीख पर तारीख की परंपरा और वर्षों तक फैसले की प्रतीक्षा, इन सबने न्याय को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है। इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 के अनुसार देश की 76 प्रतिशत जेल आबादी ऐसे विचाराधीन कैदियों की है जिन पर अभी तक दोष सिद्ध नहीं हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार न्यायपालिका में 33 प्रतिशत, पुलिस में 25 प्रतिशत और जेल प्रशासन के पदों में 21 प्रतिशत से अधिक रिक्तियां हैं। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्य न्यायिक सुधारों में अग्रणी हैं, जबकि पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सबसे नीचे हैं। छोटे राज्यों में सिक्किम और हिमाचल प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत में न्यायपालिका पर प्रति व्यक्ति मात्र 182 रुपये और विधिक सहायता पर केवल 6 रुपये वार्षिक खर्च किए जाते हैं। इतना ही नहीं न्यायाधीशों को भी अपने वेतन भत्तों और मेडिकल बिलों के भुगतान के लिए तरसना पड़ रहा है। एक एक न्यायाधीश के पास कई पदों/जिम्मेदारियों का बोझ डाल दिया गया है। इन आंकड़ों

उच्च न्यायालयों में लगभग 63 .3 लाख मामले लंबित हैं और जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में करीब 4 .6 करोड़ मामले लंबित हैं। भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी चुनौती उसका बढ़ता बोझ है। न्यायाधीशों की संख्या सीमित है, जबकि दायर मामलों का प्रवाह निरंतर बढ़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय में जहां 34 न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या है, वहीं देश के 25 उच्च न्यायालयों में 1122 स्वीकृत पदों में से 315 खाली हैं। निचली अदालतों में तो स्थिति और भी चिंताजनक है। प्रति दस लाख जनसंख्या पर केवल 15 न्यायाधीश कार्यरत हैं, जबकि 1987 में विधि आयोग ने यह संख्या 50 सुझाई थी।

से पता चलता है कि लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था को संसाधनों की दृष्टि से कितना उपेक्षित रखा गया है। न्यायिक प्रणाली में रिक्तियां, संसाधनों की कमी और विलंबित प्रक्रिया, ये तीन बड़ी कमजोरियां हैं जिन्होंने व्यवस्था की कार्यक्षमता को प्रभावित किया है। अदालत भवनों, डिजिटल अवसंरचना और फोरेंसिक सेवाओं की स्थिति अभी भी संतोषजनक नहीं है। हालांकि सकारात्मक बदलावों की झलक भी दिख रही है। न्यायपालिका अब तकनीकी रूपांतरण को अपना रही है, ई-कोर्ट, वर्चुअल हियरिंग, ई-मैसेजिंग और ऑनलाइन फाइलिंग की सुविधा से न्याय तक पहुंच कुछ आसान हुई है। लोक अदालतों और मध्यस्थता तंत्र के माध्यम से वैकल्पिक समाधान की दिशा में भी प्रगति हो रही है। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट की क्षेत्रीय पीठें स्थापित करने का विचार भी समय की मांग है जिससे दिल्ली में केंद्रीकरण कम होगा और नागरिकों को न्याय पाने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। संविधान का अनुच्छेद 39, यह सुनिश्चित करता है कि आर्थिक स्थिति चाहे जो हो, हर नागरिक को न्यायिक सहायता मिले, पर व्यवहार में यह अधिकार सीमित रूप से ही लागू है। ग्रामीण और सीमांत इलाकों में विधिक सहायता की पहुंच अब भी नगण्य है। ऐसे में आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कानूनी सहायता चैटबॉट, मोबाइल न्यायिक वैन और पंचायत स्तर पर पैरालीगल स्वयंसेवकों का नेटवर्क विकसित किया जाए ताकि न्याय हर गांव तक पहुंच सके। न्याय केवल दिया ही न जाए, बल्कि दिया जाता हुआ दिखे, यह लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। न्यायाधीशों की नियुक्ति, मूल्यांकन और आचरण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना अनिवार्य है तो उनकी संख्या में बढ़ोत्तरी आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। 'न्यायिक मानक और जवाबदेही विधेयक' जैसी पहल को पुनर्जीवित किया जा सकता है ताकि जनता का विश्वास और मजबूत हो। न्यायालयों की लंबी छुट्टियों की परंपरा पर भी पुनर्विचार का समय आ गया है। अवकाश बेंच और फास्ट ट्रैक कोर्ट इस दिशा में सहायक भूमिका निभा सकते हैं। महिलाओं की हिस्सेदारी अभी भी बेहद सीमित है। सर्वोच्च न्यायालय के अब तक 276 न्यायाधीशों में केवल 11 महिलाएं रही हैं। उच्च न्यायालयों में यह अनुपात मात्र 14 प्रतिशत है। भारत की न्याय व्यवस्था एक पुराने वटवृक्ष जैसी है, जिसकी जड़ें संविधान की मिट्टी में गहराई तक पैठी हैं, आवश्यकता है कि, इसमें नई ऊर्जा भरी जाए। जब कोई नागरिक कहता है, 'मैं कोर्ट जाऊंगा', तो वह केवल गुस्से में नहीं, बल्कि संविधान पर अपने भरोसे की बात करता है। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। आज जरूरत है न्यायपालिका तक समाज के प्रत्येक वर्ग की पहुंच को आसान बनाया जाए और यह तभी संभव होगा जब उसे सस्ता एवं त्वरित न्याय मिलेगा। न्याय को किसी वर्ग का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का समान अधिकार बनाया जाए, ताकि आम आदमी का भरोसा न्याय पर टिका रहे, क्योंकि यही भरोसा हमारे लोकतंत्र की असली नींव है।

आप का नजरिया

बेमौत न मरे यात्री

विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। तंत्र की चतुराई ये होती है कि मुआवजे और दुर्घटना की फौरी जांच की घोषणा तो कर दी जाती है लेकिन सड़क दुर्घटना के मूल कारणों की तह तक नहीं पहुंचा जाता है। इन हादसों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। आए दिन खबर आती है कि तेज गति से आता कोई वाहन सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया और अनेक निर्दोष लोगों की मौत हो गई। इस संकट की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलोदी इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो सप्ताह में दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के सख्त निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस भीषण दुर्घटना के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए ये निर्देश दिए हैं। दरअसल, इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हादसे की वजह सड़क के किनारे गलत ढंग से खड़ा ट्रक बना। जिससे यात्रियों से भरा तेज गति से आता एक टेम्पो ट्रेवलर टकरा गया हादसा इतना भीषण था कि इसमें चार बच्चों तथा दस महिलाओं समेत पंद्रह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल भी हुए। आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ। लेकिन वास्तव में हम उन तकनीकी व वास्तविक खामियों को नजरअंदाज कर देते हैं जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं। लेकिन हर हादसे में कहीं न कहीं ऐसे कारण जरूर होते हैं, जो दुर्घटना की तात्कालिक वजह बनते हैं। लेकिन अकसर हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण कारक को अनदेखा करने की वजह से भविष्य में ऐसी ही दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होने की आशंका बलवती होती है। यह विडंबना ही है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर जगह-जगह टोल संग्रह केंद्रों के जरिये टैक्स तो खूब वसूले जाते हैं, लेकिन राजमार्गों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये गंभीर प्रयास नहीं होते। कुकरमुत्तों की तरह सड़कों का अतिक्रमण करते ढाबों पर लगाम नहीं लगायी जाती। गंभीरता से पड़ताल नहीं होती है कि क्या सड़क निर्माण में ठेकेदार ने सभी तकनीकी मानकों का पालन किया है? निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की जवाबदेही बनती है कि राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये नियमित जांच-पड़ताल की जाती रहे। ताकि निर्दोष लोगों के बेमौत मरने का सिलसिला खत्म हो सके। इन विभागों व मंत्रालयों का जिम्मा सिर्फ टोल वसूलना ही नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना भी इनकी जवाबदेही है। निश्चित रूप से सड़क के निर्माण की गुणवत्ता तथा उसे दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये उच्च सुरक्षा मानकों का क्रियान्वयन भी उतना जरूरी है। इसके अलावा सख्त कानून व निगरानी के जरिये ट्रकों को सड़क के किनारे खड़े करने पर रोक लगायी जाए। देश में सैकड़ों लोगों की मौत सड़क के किनारे गलत तरीके से खड़े ट्रक से वाहन के टकराने से होती है, लेकिन दोषी ट्रक चालक को कड़ी सजा नहीं मिलती। वहीं दूसरी ओर वाहन चालकों को भी गति सीमा में रहने तथा अन्य सावधानियों का सख्ती से पालन करना चाहिए। सरकारों का दायित्व भी बनता है कि राजमार्गों पर रफ्तार की सीमा के नियमन के साथ बाधामुक्त सफर भी सुनिश्चित करें।

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलोदी इलाके में हुए भीषण सड़क हादसे के मामले में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से दो सप्ताह में दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने के सख्त निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस भीषण दुर्घटना के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए ये निर्देश दिए हैं। दरअसल, इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हादसे की वजह सड़क के किनारे गलत ढंग से खड़ा ट्रक बना। जिससे यात्रियों से भरा तेज गति से आता एक टेम्पो ट्रेवलर टकरा गया। हादसा इतना भीषण था कि इसमें चार बच्चों तथा दस महिलाओं समेत पंद्रह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल भी हुए। आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ। लेकिन वास्तव में हम उन तकनीकी व वास्तविक खामियों को नजरअंदाज कर देते हैं जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं।

दृष्टि कोण

पराली समस्या के समाधान के लिए कारगर पहल

देश के उत्तरी राज्यों ने खेतों में आग जलाने की घटनाओं को शून्य स्तर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन अक्तूबर और नवंबर माह में पराली जलने की घटनाओं से हवा में पार्टिकुलेट मैटर का स्तर राष्ट्रीय मानकों से तीन-चार गुना अधिक हो जाता है। इससे निपटने के लिए भारत सरकार ने सुपर सीडर जैसी लगभग 2.5 लाख फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों के वितरण, लगभग 32,800 कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) स्थापित करने और जागरूकता अभियान चलाने जैसे कदमों पर 2800 करोड़ रुपये (2018-24) से अधिक धनराशि खर्च की है। सैद्धांतिक रूप से, ये मशीनें गैर-बासमती धान की संपूर्ण 33 लाख हेक्टेयर खेती के लिए पर्याप्त हैं। अभी लगभग 40 प्रतिशत मशीनें सीएचसी के माध्यम से संचालित होती हैं, जिनको 80 प्रतिशत मशीनरी सब्सिडी मिलती है। सीएचसी महंगे कृषि उपकरणों को किसानों को रियायती किराए पर देते हैं, जिससे सुपर सीडर जैसी मशीनें उनकी खरीद लागत के सिर्फ 10-33 प्रतिशत खर्च पर मिल जाती हैं। इन लाभों के बावजूद सीएचसी का इस्तेमाल करने की दर काफी कम है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर ने पंजाब के 11 जिलों में किसानों के बीच एक सर्वेक्षण किया था, जिसमें पाया गया कि इन-सीटू पराली प्रबंधन अपनाने वाले पंजाब के 58 प्रतिशत किसानों में से आधे से अधिक किसानों ने किराए की मशीनों का इस्तेमाल किया था, लेकिन इनमें से सिर्फ 15 प्रतिशत किसानों ने ये मशीनें सीएचसी से ली थीं। मशीनों की समय पर उपलब्धता, बेहतर रखरखाव, मशीनों के गलत इस्तेमाल और मशीनों को लौटाने में देरी जैसे कारणों से किसानों के लिए सीएचसी से मशीनें किराए पर लेना जोखिम भरा सौदा हो जाता है, जो इनका इस्तेमाल घटा देता है। सीईईडब्ल्यू के विश्लेषण से पता चलता है कि 45 एकड़ से कम जमीन वाले किसानों के लिए मशीनों को किराए पर लेना अधिक लाभकारी रहता है। फसल अवशेष प्रबंधन के सतत उपायों को किसान किफायती दरों

पर अपना सकें, इसके लिए सर्वप्रथम, सीएचसी के परिचालन खर्च को शामिल करने के लिए सीआरएम कैपिटल सब्सिडी योजना में सुधार करना चाहिए। मशीनों की मरम्मत और रखरखाव पर सीएचसी को बहुत अधिक खर्च करना पड़ता है, जो किराए से उनकी आय का 35-55 प्रतिशत तक होता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने लघु और सीमांत किसानों को मुफ्त में मशीनें देने का निर्देश दिया है। इसलिए, सरकार को सीएचसी के परिचालन खर्चों को शामिल करने के लिए पूंजी सब्सिडी का कुछ हिस्सा दोबारा आवंटित करना चाहिए। इससे मशीनों को अच्छे रखरखाव के साथ किराए पर देने में मदद मिलेगी, जिससे सीएचसी की उच्च सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। दूसरा, सीएचसी के सर्विस डिलीवरी का आकलन और उच्च प्रदर्शन करने वाले सीएचसी को पुरस्कृत करने के लिए डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल करना चाहिए। अस्सी प्रतिशत मशीनरी सब्सिडी के बावजूद, सीएचसी को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनने के लिए मशीनों को पर्याप्त भूमि पर पराली प्रबंधन में इस्तेमाल करना पड़ेगा। पंजाब के 3 जिलों की 65 सीएचसी में किए गए सीईईडब्ल्यू के अध्ययन के अनुसार, 48,000 रुपये की रियायती दर पर खरीदी गई सुपर सीडर मशीन को अगले पांच वर्षों में अपनी पूरी लागत निकालने के लिए प्रति वर्ष लगभग 105 एकड़ (42 हेक्टेयर) भूमि पर काम करने की जरूरत होती है। कई सीएचसी यह लक्ष्य पूरा नहीं कर पाती हैं और उनके पास सभी मशीनों के उपयोग की जानकारी भी नहीं होती है।

भारत–बोत्सवाना न्यायपूर्ण और टिकाऊ वैश्विक व्यवस्था का निर्माण कर सकते हैं: राष्ट्रपति मुर्मू

गाबोरोन (बोत्सवाना), 13 नवंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत के विकसित भारत 2047 विजन और अफ्रीका के एजेंडा 2063 के तहत दोनों देश मिलकर एक न्यायपूर्ण, टिकाऊ और समावेशी वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत और बोत्सवाना की साझेदारी लोकतंत्र, मानव गरिमा और समान विकास के साझा मूल्यों पर आधारित है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने गुरुवार को बोत्सवाना की राजधानी गाबोरोन में नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए कहा कि बोत्सवाना लोकतंत्र, सुशासन और प्रभावी नेतृत्व का उदाहरण है, जहां राष्ट्रीय संसाधनों का उपयोग समाज के वंचित वर्गों के उत्थान और सर्वांगीण विकास के लिए किया जाता है। इस अवसर पर उनका स्वागत स्पीकर दिथापेलो एल केओरापेत्से, उपाध्यक्ष और विपक्ष के नेता ने किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और बोत्सवाना के बीच सहयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, कृषि, रक्षा, व्यापार और निवेश जैसे क्षेत्रों में निरंतर मजबूत हुआ है। भारत बोत्सवाना के मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण में अपनी भागीदारी पर गर्व महसूस करता है। पिछले एक दशक में बोत्सवाना के एक हजार से अधिक युवाओं ने भारत में शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय कंपनियां बोत्सवाना के हीरा, ऊर्जा और अवसंरचना क्षेत्रों में सक्रिय हैं और नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल नवाचार, औषधि निर्माण तथा खनन क्षेत्रों में भी व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने दोनों देशों के व्यावसायिक समुदायों से आर्थिक साझेदारी की पूरी क्षमता का उपयोग करने की अपील की। इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मु ने बोत्सवाना की डायमंड ट्रेडिंग कंपनी का दौरा किया, जहां उनका स्वागत खनिज और ऊर्जा मंत्री बोगोलो केनेवेंडो तथा विदेश मंत्री फेन्यो बुटाले ने किया। इसके बाद उन्होंने थ्री दिकगोसि स्मारक का दौरा कर बोत्सवाना की स्वतंत्रता आंदोलन के तीन जनजातीय नेताओं खामा तृतीय, सेबेले प्रथम और बाथोएन प्रथम को श्रद्धांजलि अर्पित की।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने की गाजा सीमा के पास अमेरिकी सैन्य अड्डे की तैयारी रणनीति पर उठे सवाल

तेल अवीव। पश्चिम एशिया में एक नए भू–राजनीतिक बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक,

अमेरिका गाजा और इजरायल की सीमा पर एक विशाल सैन्य अड्डा बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इस अड्डे का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती बढ़ाना और जमीनी घटनाओं पर सीधा नियंत्रण स्थापित करना बताया जा रहा है। खोजी मीडिया रिपोर्ट के हवाले से दावा किया जा रहा, कि अमेरिका इजरायल–गाजा बॉर्डर के पास एक स्थायी बेस की रूपरेखा तैयार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस अड्डे पर हजारों अमेरिकी सैनिकों को तैनात करने की संभावना है, जो क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए सीधे हस्तक्षेप कर सकेंगे। हालांकि, इजरायल डिफेंस फोर्स ने इस योजना के बारे में जानकारी से इनकार किया है। आईडीएफ सूत्रों का कहना है कि उन्हें किसी 'बड़े अमेरिकी बेस' की अवधारणा के बारे में आधिकारिक रूप से अवगत नहीं कराया गया है। सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि यह योजना फिलहाल केवल सैद्धांतिक स्तर पर है और इसे लागू होने में समय लग सकता है। क्या बदल जाएगा इजरायल का समीकरण विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम अमेरिका की उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जिसके तहत वह मध्य पूर्व में अपनी सैन्य उपस्थिति को मजबूत रखना चाहता है। यह भी चर्चा में है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संभावित रिटर्न प्लान के तहत अमेरिका फिर से क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने की तैयारी कर रहा है। गौरतलब है कि गाजा युद्ध में दो वर्षों तक जारी भीषण संघर्ष के बाद पिछले महीने युद्धविराम लागू हुआ था, लेकिन सीजफायर के बावजूद तनाव और छिटपुट हमले जारी हैं। ऐसे में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को इजरायल और फिलिस्तीन दोनों के लिए सुरक्षा संतुलन के रूप में देखा जा रहा है। इस बीच, अमेरिका ने अक्टूबर में ही किर्यत गत में एक नया सिविल–मिलिट्री कोऑर्डिनेशन सेंटर (सीएमसीसी) स्थापित किया है, जहां सैकड़ों अमेरिकी सैनिक और अधिकारी पहले से तैनात हैं। सेंटकॉम अधिकारियों के अनुसार, यह केंद्र गाजा से जुड़ी मानवीय और सैन्य गतिविधियों के समन्वय का कार्य कर रहा है। राजनयिक सूत्रों का कहना है कि यदि गाजा सीमा पर यह नया अमेरिकी अड्डा बनता है, तो यह न केवल इजरायल की सुरक्षा नीति को प्रभावित करेगा, बल्कि मध्य पूर्व की शक्ति–संतुलन की दिशा को भी बदल सकता है। विश्लेषक इसे पोस्ट–वार रीजनल रिअलाइनमेंट की शुरुआत मान रहे हैं, जहां अमेरिका की भूमिका सिर्फ सहयोगी नहीं, बल्कि निर्णायक बन सकती है।

समुद्र में खोए हुए अमेरिका के लिए नई रिसर्च जारी

वाशिंगटन। दूसरे विश्व युद्ध से लेकर बाद की लड़ाइयों में अमेरिकी के 40,000 से ज्यादा सैनिक

समुद्र में लापता होने का अनुमान हैं। इन लापता सैनिकों को खोजने में वैज्ञानिक जुटे हुए हैं। इन सैनिकों की कब्रें अक्सर जहाजों या लड़ाकू विमानों के मलबे के आसपास ही मानी जाती हैं। अब अमेरिकी वैज्ञानिक और रक्षा एजेंसी डिफेंस पीओडब्ल्यू/एमआईए अकाउंटिंग एजेंसी (डीपीएए) मिलकर एक नई रिसर्च कर रही है, ताकि इन खोए हुए सैनिकों के अवशेषों का पता लगाया जा सके। इस कोशिश के केंद्र में एनवायरमेंटल डीएनए (ईडीएनए) है। इस तकनीक में पानी और तलछट में बिखरे सूक्ष्म डीएनए कणों को पकड़कर यह तय किया जाएगा, क्या वहां कभी मानव अवशेष मौजूद रहे हैं या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक डीपीएए के चीफ ऑफ इनोवेशन जेसी स्टीफन कहते हैं, 'समुद्र के नीचे की जांच बेहद मुश्किल होती है, क्योंकि अक्सर अवशेष बिखर जाते हैं। इसलिए हमने ईडीएनए को एक जैविक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला किया।

चीन की कंपनी ने पेश किया बिल्कुल इंसान जैसा रोबोट

बीजिंग। चाइनीज कंपनी एक्सपेंग मोटर्स ने बिल्कुल इंसान जैसा रोबोट पेश किया है। इसका नाम 'इरॉन'

रखा गया है। इरॉन चाल–ढाल, हरकत और हावभाव में बिल्कुल इंसान जैसा दिखाई देता है। रोबोट इरॉन जब यह मंच पर चला तो कई लोगों को लगा कि यह कोई असली व्यक्ति है जो मॉडलिंग कर रहा है। लोगों का शक इतना गहरा था कि कंपनी को लाइव इवेंट में स्टेज पर उसका शरीर काटकर यह साबित करना पड़ा कि यह वाकई रोबोट है, न कि कोई इंसान। यह प्रदर्शन चीन के ग्वांगझू में आयोजित 'एआई डे' इवेंट के दौरान हुआ, जहां एक्सपेंग मोटर्स के चेयरमैन और सीईओ हे शियाओपेंग ने इसे दुनिया के सामने पेश किया। उन्होंने बताया कि इरॉन को कंपनी की अपनी विकसित की हुई एआई रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी से तैयार किया गया है, जिससे यह आसपास के माहौल को देखकर खुद प्रतिक्रिया दे सकता है।

भारत के दोस्त अफगानिस्तान ने अपने व्यापारियों से कहा– 3 महीने के भीतर बंद करें पाक से ट्रेड

काबुल, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के खास दोस्त अफगानिस्तान ने अपने व्यापारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि 3 महीने के भीतर पाकिस्तान से सभी तरह का कारोबार बंद कर दें। यदि ऐसा नहीं किया तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अफगान मामलों के उप प्रधान मंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने अपने व्यापारियों को 3 महीने की डेडलाइन दे दी है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ व्यापार के हर रास्ते बंद करने की शुरुआत कर दी है। बरादर ने पाकिस्तान की दवाइयों से लेकर ट्रेड रूट तक सबकुछ बंद करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने इस मामले में व्यापारियों को वॉर्निंग देते हुए कहा कि जो भी इस आदेश का पालन नहीं करेगा, उससे सारे सहयोग खत्म कर दिए जाएंगे।

उद्योगपतियों और व्यापारियों के साथ एक बैठक के दौरान, आर्थिक मामलों के उप प्रधान मंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर ने राष्ट्रीय व्यापार की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बात की। बरादर ने इस दौरान चेतावनी जारी कर दी है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ व्यापार के सारे रास्ते बंद करने की हिदायत देते हुए कहा है कि इस नोटिस के बाद, यदि कोई पाकिस्तान के साथ व्यापार करना जारी रखता है, तो इस्लामिक अमीरात ऐसे व्यापारियों के साथ सहयोग नहीं करेगा और न ही उनकी बात सुनेगा। बरादर इस बात पर जोर दिया कि व्यापारियों और उद्योगपतियों को पाकिस्तान पर निर्भर रहने के बजाय व्यापार के लिए वैकल्पिक मार्ग खोजने चाहिए। बरादर ने कहा, 'हमारे स्वास्थ्य क्षेत्र की मुख्य समस्या पाकिस्तान से घटिया दवाओं का आयात है। मैं सभी दवा आयातकों से आग्रह करता हूं कि वो आपूर्ति के लिए जल्द से जल्द वैकल्पिक तरीका खोजें. जिन लोगों के पाकिस्तान में अनुबंध या खरीद हैं, उन्हें अपने खाते निपटाने और अपना काम खत्म करने के लिए तीन महीने का समय दिया जाता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि अफगानिस्तान के पास अब आयात और निर्यात के लिए वैकल्पिक व्यापार मार्गों मौजूद हैं और क्षेत्रीय देशों के साथ उसके आर्थिक संबंध अतीत की तुलना में काफी बढ़ गए हैं। मंत्री ने आगे कहा, 'क्षेत्रीय और वैश्विक कनेक्टिविटी के लिए नए वैकल्पिक मार्ग स्थापित करने से लेकर तकनीकी और बुनियादी ढांचे को और भी बेहतरीन बनाने के लिए, अफगानिस्तान का इस्लामिक अमीरात लगातार काम कर रहा है।

विकल्प खोजेगा अफगानिस्तान

उन्होंने कहा, 'सभी अफगान व्यापारियों और उद्योगपतियों को पाकिस्तान के बजाय दूसरे ऑप्शन की तरफ रुख करना चाहिए। पाकिस्तान के साथ व्यापार ने ना केवल हमारे व्यापारियों को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि बाजारों और आम जनता के लिए भी मुश्किलें पैदा की हैं। मैं सभी व्यापारियों से जल्द से जल्द आयात और निर्यात के लिए दूसरे विकल्प तलाशने का पुरजोर आग्रह करता हूं'.

बरादर पाकिस्तान से घटिया क्वालिटी की दवाए आयात करने पर भी व्यापारियों को जमकर लताड़ा है। उन्होंने इसकी आलोचना करते हुए दवा आयातकों को 3 महीने का अल्टीमेटम दे दिया है। मंत्री कहा है कि ट्रेडर्स के पास खाते बंद करने और वहां के व्यावसायिक सौदों को समाप्त करने के लिए तीन महीने का समय है।

पाकिस्तान को भेजा संदेश

बरादर ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान को अक्सर राजनीतिक दबाव से निशाना बनाया जाता है, और व्यापार संबंधों और शरणार्थियों की दर्द का इस्तेमाल तर्कहीन राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने जोर दिया कि व्यापार के मामले में सभी देश एक–दूसरे पर निर्भर हैं, इस तथ्य से कोई इनकार नहीं कर सकता। आखिर में, उन्होंने पाकिस्तान को मैसेज देते हुए कहा है कि 'अगर वो लोग फगानिस्तान के साथ व्यापार रास्तों को दोबारा खोलना चाहते हैं तो इस बार तगड़ी गारंटी देनी पड़ेगी कि फिर से ऐसी स्थितियां पैदा नहीं होंगी, जिनकी वजह से व्यापार मार्ग फिर से बंद करने पड़ें।

न उड़ान की इजाजत, न वापसी मुमकिन! टोरोंटो एयरपोर्ट पर खड़ा रूसी कार्गो विमान

टोरोंटो, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

कनाडा के सबसे बड़े शहर टोरंटो के पियरसन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बीते चार सालों से एक रूसी कार्गो विमान खड़ा है। ये विमान न कहीं उड़ सकता है और न रूस लौट सकता है और अब तक इसका पार्किंग किराया करोड़ों तक पहुंच चुका है। ये विमान दो देशों के बीच कूटनीतिक उलझन की एक मिसाल बन गया है।

ये वोल्गा–डनेपर एयरलाइंस का एंटोनोव एएन–124 कार्गो विमान है, जो दुनिया के सबसे बड़े मालवाहक विमानों में से एक है। 27 फरवरी 2022 को अलास्का से कनाडा के टोरंटो पहुंचा था, जो कोरोना रैपिड टेस्ट किट्स की एक बड़ी खेप कनाडा लेकर आया था। इन्हीं दिनों रूस और यूक्रेन के बीच जंग शुरू हुई थी और जिसके विरोध में अलग–अलग देशों रूस और यूक्रेन पर तरह–तरह की पाबंदियां लगाना शुरू कर दी थीं। इसके बाद रूस का ये प्लेन भी उन्हीं पाबंदियों की भेंट चढ़ गया। 27 फरवरी 2022 को ये प्लेन टोरंटो पहुंचा और तभी कनाडा के तत्कालीन ट्रांसपोर्ट मंत्री ओमर अलघाबरा ने घोषणा की कि रूस के किसी भी विमान को अब कनाडाई हवाई क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी क्योंकि

एक दिन का किराया 63000 के पर

रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था। नतीजा ये रहा कि विमान को टोरंटो एयरपोर्ट पर ही रोक दिया गया और तब से अब तक ये विमान यहीं खड़ा है। कनाडा सरकार ने उस दिन से अब तक एक 'नोटिस टू एयरमेन' (नोटम) लागू किया है, यानी एक आधिकारिक हवाई प्रतिबंध नोटिस, जो कहता है, किसी भी रूसी रजिस्टर्ड, स्वामित्व वाले, या रूसी संस्था से जुड़े विमान को कनाडाई क्षेत्र में उड़ान की इजाजत नहीं दी जाएगी। टोरंटो के पियरसन एयरपोर्ट की प्रवक्ता केली गॉस के मुताबिक, यह विमान एयरपोर्ट के एक सुरक्षित क्षेत्र में रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस विमान पर एयरपोर्ट की मानक पार्किंग दरें लागू होती हैं, जो 1000 कनाडाई डॉलर प्रति दिन से ज्यादा (करीब 63403.04 रोज) हैं। यह दर तब तक जारी रहेगी, जब तक विमान एयरपोर्ट की संपत्ति पर मौजूद है। हालांकि गॉस ने यह बताने से मना कर दिया कि क्या वोल्गा–डनेपर एयरलाइंस को अब तक बिल भेजा गया है।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन खत्म होने के करीब, सीनेट में विधेयक के समर्थन में मतदान

वॉशिंगटन। करीब 41 दिनों से अमेरिका में जारी शटडाउन खत्म होने के करीब है। बुधवार को अमेरिकी सांसदों ने शटडाउन खत्म करने के पक्ष में वोट किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के साथ यह कानून बन जाएगा और सरकारी कामकाज दोबारा शुरू होने का रास्ता साफ हो जाएगा। शटडाउन के कारण लाखों संघीय कर्मचारियों को वेतन और खाद्य सहायता बाधित होने के साथ–साथ हवाई यात्राओं में भारी देरी देखने को मिली। अमेरिका के सरकारी शटडाउन को खत्म करने के विधेयक को बुधवार को कांग्रेस ने मंजूरी दी। हाउस ऑफ रीप्रजेंटेटिव ने बाधित खाद्य सहायता दोबारा शुरू करने, संघीय कर्मचारियों के वेतन और हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली पुनर्जीवित करने के लिए मतदान किया।

दिल्ली ब्लास्ट पर बोले अमेरिकी विदेश मंत्री उन्हें मदद की जरुरत नहीं वे बेहतर काम कर रहे हैं

ओटावा, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली धमाके की जांच में जुटी एजेंसियों की अमेरिकी विदेश मंत्री ने तारीफ की है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कनाडा में आयोजित जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हमने मदद की पेशकश की है, लेकिन मेरा मानना है कि वे (भारतीय जांच एजेंसियां) बहुत सक्षम हैं। उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं है और वे शानदार काम कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिकी दूतावास ने भी इस घटना पर शोक व्यक्त किया। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने 11 नवंबर को 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, दिल्ली में हुए भयानक विस्फोट में जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, हमारी संवेदनाएं उनके साथ हैं। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा में जी7 बैठक के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने व्यापार, सप्लाई चेन, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व की स्थिति और भारत–अमेरिका संबंधों पर चर्चा की। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, दिल्ली विस्फोट में हुई जानहानि पर उनकी (रुबियो की) संवेदनाओं की सराहना करता हूं। हमने द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार और सप्लाई चेन पर चर्चा की। साथ ही यूक्रेन संकट, पश्चिम एशिया और हिंद–प्रशांत क्षेत्र के हालात पर विचारों का आदान–प्रदान किया।

विस्फोट के बाद से दिल्ली में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी संभावित आतंकी लिंक की जांच कर रही हैं। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, यह विस्फोट लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक कार में हुआ था। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने भी कहा कि वाशिंगटन इस स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट की जानकारी में हैं। हम स्थिति पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं और आवश्यक होने पर वाणिज्यिक सहायता देने के लिए तैयार हैं। वर्तमान में जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां सभी पहलुओं पर गौर कर रही हैं।

देशभर से इस घटना की निंदा हो रही है और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएँ व्यक्त की जा रही हैं। बता दें कि मार्को का यह बयान उस समय आया है जब 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास एक भीषण विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए थे। विस्फोट के बाद से सुरक्षा एजेंसियों ने बड़े पैमाने पर जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीमें और आतंकवाद–रोधी इकाइयां लगातार घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही हैं ताकि हमले के पीछे की साजिश और जिम्मेदार लोगों का पता लगाया जा सके।

ईरान के मिसाइल-ड्रोन कार्यक्रम के समर्थन का आरोप, यूएस ने भारत समेत 6 देशों पर लगाए प्रतिबंध

वाशिंगटन, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी विदेश विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारत सहित छह देशों में स्थित 32 कंपनियों और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। यह कदम रूसी तेल से जुड़े मुद्दों के बजाय ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन उत्पादन को कथित समर्थन देने के आरोप में उठाया गया है। प्रतिबंधित संस्थाओं के नाम या विस्तृत विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए।

लेकिन अमेरिका ने इसे इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े खरीद नेटवर्क के खिलाफ बताया।

प्रतिबंधों की जद में भारत के अलावा चीन, हांगकांग, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और तुर्की की कंपनियां व व्यक्ति शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, ये संस्थाएं ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल और मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) उत्पादन के लिए आवश्यक सामग्री व पुर्जों की खरीद में सक्रिय भूमिका निभा रही थीं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान पर मिसाइल व पारंपरिक हथियार विकास को रोकने की नीति का हिस्सा है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के सचिव (आतंकवाद एवं वित्तीय खुफिया) जॉन के. हर्ले ने बयान में कहा कि ईरान वैश्विक वित्तीय प्रणालियों का दुरुपयोग कर धनशोधन करता है और अपने परमाणु हथियार कार्यक्रमों के लिए पुर्जे जुटाता है। उन्होंने जोर दिया, राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देश पर हम ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए अधिकतम दबाव की रणनीति अपनाए हुए हैं। यह प्रतिबंध ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करने के व्यापक अमेरिकी प्रयासों का हिस्सा माने जा रहे हैं। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान के हथियार कार्यक्रमों पर निगरानी बढ़ाने का संकेत देती है। प्रभावित देशों की कंपनियां अब अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से कट जाएंगी, जिससे उनके वैश्विक लेन–देन पर असर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे ईरान की खरीद श्रृंखला बाधित होगी, हालांकि प्रतिबंधित पक्षों की पहचान गुप्त रखने से पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

डोपिंग के लिए भारतीय एथलीट कार्तिक कुमार पर लगा तीन साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय एथलेटिक्स खिलाड़ी कार्तिक कुमार को डोपिंग उल्लंघन के मामले में तीन साल के लिए प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कई प्रतिबंधित एनाबॉलिक एजेंट्स के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद यह सजा स्वीकार कर ली है। यह जानकारी यूएसएडीए (अमेरिकी एंटी-डोपिंग एजेंसी) ने गुरुवार को दी।

यूएसएडीए के अनुसार, एक सूचना पर कार्रवाई करते हुए एजेंसी ने 27 फरवरी को अमेरिका में प्रशिक्षण के दौरान कार्तिक कुमार का प्रतियोगिता से बाहर (आउट-ऑफ-कम्पटीशन) यूरिन सैंपल लिया था। इस सैंपल में मेटेंडाइनोन और स्टैनोजोलोल सहित कई प्रतिबंधित पदार्थों के मेटाबोलाइट्स पाए गए। इनमें शामिल हैं —

- 17ए-मेथिल-एसबी-एंड्रोस्टेन-3ए,17बी-डायोल,
- 17बी-मेथिल-एसबी-एंड्रोस्ट-1-ईन-3ए,17ए-डायोल (एपिमीटेंडियोल),
- 17बी-हाइड्रॉक्सिमेथिल-17ए-मेथिल-18-नॉर-एंड्रोस्ट-1,4,13-ट्रायन-3-वन (एलटीएम),
- तथा 4-क्लोरो-3ए-हाइड्रॉक्सी-एंड्रोस्ट-4-एन-17-वन (क्लोस्टेबोल मेटाबोलाइट)।

यूएसएडीए ने इसके बाद 19 मार्च को एक और सैंपल लिया, जो फिर से मेटेंडाइनोन मेटाबोलाइट्स के लिए पॉजिटिव पाया गया। हालांकि, नियमों के अनुसार दोनों नमूनों को एक ही उल्लंघन माना गया क्योंकि पहले पॉजिटिव रिपोर्ट की जानकारी कार्तिक को दूसरे सैंपल से पहले नहीं दी गई थी।

डोपिंग उल्लंघन के लिए आमतौर पर चार साल का प्रतिबंध लगाया जाता है, लेकिन यदि खिलाड़ी सूचना मिलने के 20 दिनों के भीतर आरोप स्वीकार कर लेता है, तो सजा एक साल घटाई जा सकती है। कार्तिक कुमार ने यह प्रावधान अपनाया, जिसके चलते उन्हें तीन साल का प्रतिबंध मिला।

उनकी अयोग्यता की अवधि 10 अप्रैल से शुरू हुई है। इसके साथ ही 27 फरवरी के बाद के सभी नतीजे, पदक, अंक और पुरस्कार भी रद्द कर दिए गए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिप : भारत की कंपाउंड महिला और मिश्रित टीमों ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। ढाका में चल रही एशियाई तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भारत ने कंपाउंड वर्ग में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि पुरुष टीम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। महिला कंपाउंड टीम के फाइनल में दीपशिखा, प्रिथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्नम की भारतीय तिकड़ी ने दक्षिण कोरिया को कड़े मुकाबले में 236-234 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पुरुष कंपाउंड टीम स्पर्धा में अभिषेक वर्मा, साहिल जाधव और प्रतमेश फुगे की भारतीय टीम को कजाखस्तान के खिलाफ 229-230 से मामूली अंतर से हार झेलनी पड़ी और रजत पदक हासिल हुआ। यह मुकाबला पूरी तरह से रोमांचक रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में कजाख खिलाड़ियों ने बढ़त बना ली। मिश्रित टीम में भी स्वर्ण मिश्रित टीम फाइनल में अभिषेक वर्मा और दीपशिखा की भारतीय जोड़ी ने बांग्लादेश के हिमु बाचार और बोन्ना आक्तर को 153-151 से पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। ढाका में जारी इस प्रतियोगिता में भारत का यह प्रदर्शन एशियाई स्तर पर तीरंदाजी में उसकी मजबूत स्थिति को और भी पुख्ता करता है।

लक्ष्य सेन क्वार्टरफाइनल में जिया हेंग जैसन टेह को सीधे गेम में हराया

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने गुरुवार को कुमामोटो मास्टर्स जापान के पुरुष एकल वर्ग के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने सिंगापुर के जिया हेंग जैसन टेह को सीधे गेमों में हराया। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और टूर्नामेंट के सातवें वरीय लक्ष्य ने विश्व नंबर 20 टेह को 21-13, 21-11 से सिर्फ 39 मिनट में पराजित किया। इस जीत के साथ विश्व नंबर 15 लक्ष्य सेन अब सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लो कीन यू का सामना क्वार्टरफाइनल में करेंगे। पहले गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से बढ़त बनाई और 8-5 से आगे रहे, हालांकि टेह ने 10-9 पर बढ़त हासिल की थी। लेकिन लक्ष्य ने ब्रेक तक बढ़त बरकरार रखी और 14-13 के स्कोर के बाद लगातार सात अंक जीतते हुए पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने और भी दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 5-0 की बढ़त से शुरुआत की और ब्रेक तक 11-3 से आगे रहे। इसके बाद उन्होंने पूरी बढ़त बनाए रखी और मुकाबला आसानी से जीत लिया। दिन के बाद के मैच में एच. एस. प्रणय का सामना डेनमार्क के रासमस गेमके से होगा।

इस्लामाबाद धमाके के बाद सुरक्षा चिंताओं के बावजूद श्रीलंका की टीम पाकिस्तान दौरे पर बनी रहेगी

इस्लामाबाद। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंताओं के बावजूद पाकिस्तान के व्हाइट-बॉल दौरे को जारी रखने का निर्णय लिया है। कई खिलाड़ियों ने इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती हमले के बाद स्वदेश लौटने की इच्छा जताई थी। मंगलवार को इस्लामाबाद की एक अदालत के बाहर आत्मघाती विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच रावलपिंडी में खेले जाने वाले वनडे मैच से कुछ घंटे पहले हुई थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन और देश के गृहमंत्री मोहसिन नक़वी ने बुधवार को इस्लामाबाद में श्रीलंका के उच्चायुक्त से मुलाकात की और टीम को कड़ी सुरक्षा का आश्वासन दिया। इस बैठक में श्रीलंका और पाकिस्तान टीम के मैनेजरों के साथ शीर्ष सुरक्षा अधिकारी भी मौजूद थे। नक़वी ने मंगलवार दोपहर पिंडी क्रिकेट स्टेडियम का दौरा किया और सुरक्षा इंतज़ामों की समीक्षा की। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंताओं को 'पीसीबी और संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर पूरी तरह संबोधित किया जा रहा है ताकि दौरे पर मौजूद प्रत्येक सदस्य की सुरक्षा और कुशलता सुनिश्चित की जा सके।

भारत व दक्षिण अफ्रीका पहला टेस्ट आज से

कोलकाता, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच शुक्रवार से यहां पहला क्रिकेट टेस्ट मैच ऐतिहासिक ईडन गार्डन के मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के इरादे से उतरेंगी। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) को देखते हुए भी ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इस मैच से आक्रमक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत वापसी करेंगे। वह इंग्लैंड दौरे में अंगूठे में हुए फ्रैक्चर के बाद से ही टीम से बाहर थे। ऐसे में सभी की नजरें उनके उपर रहेंगी। इसके अलावा भारत ए की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले ध्रुप जुरेल भी इस मैच में खेलेंगे। इस मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीकी टीम के तेज ओर स्पिन आक्रमण का सामना करना होगा। इस मैदान पर स्पिनरों को सहायता मिलती है जिसका लाभ दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर उठाना चाहेंगे। दक्षिण अफ्रीका गेंदबाजी आक्रमण की धार इस समय स्पिनरों पर निर्भर है और ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। दक्षिण अफ्रीकी के पास अधिकतर समय अच्छे तेज गेंदबाज रहे हैं पर इस बार टीम स्पिनरों के भरोसे है। पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में उसने सीरीज 1-1 से ड्रॉ खेली थी। उसमें उसके मुख्य स्पिनरों केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरान मुथुस्वामी ने 39 में से 35 विकेट लिए थे।

वहीं भारतीय टीम के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों का तरीका उपमहाद्वीप के गेंदबाजों के समान है। उन्होंने कहा, 'उनके पास चार स्पिनर हैं जिनमे से वे तीन को उतार सकते हैं। ऐसा लग रहा है कि हम उपमहाद्वीप की किसी टीम के खिलाफ खेलने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'हमने इस पर बात की है। हमने न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब प्रदर्शन वाली सीरीज से सबक लिया है। दक्षिण अफ्रीकाा के गेंदबाज हार्मर भी 1000 प्रथम श्रेणी विकेट ले चुके हैं और भारत के हालात को जानते हैं।

दस साल पहले हाशिम अमला की कप्तानी में इस गेंदबाज ने दो टेस्ट खेलकर चेतेश्वर पुजारा, रोहित शर्मा और रिधिमान साहा के विकेट लिए थे। एक दशक बाद भी वह उतने ही चतुर गेंदबाज हैं। उन्होंने रावलपिंडी में में 8 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को जीत दिलाई और सीरीज ड्रॉ भी कराई। वहीं केशव महाराज सबसे सटीक और आक्रामक स्पिनरों में से एक हैं। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों और दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों के बीच मुकाबला रोमांचक होना तय है।

ईडन की पिच से स्पिनरों का पहले भी सहायात मिलती रही है। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि यह टर्निंग पिच नहीं होगी। इससे जसप्रीत बुमराह को सहायता मिल सकती है। बुमराह आम तौर पर शुरूआत में मूवमेंट और बाद में रिवर्स स्विंग देने वाली पिच पर भारत के तुरप का इक्का साबित हो सकते हैं। भारतीय टीम इस मैच में दो तेज गेंदबाजों को उतार सकता है और घरेलू मैदान होने से युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप को भी इसमें अवसर मिल सकता है।

शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम से यहां सभी को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उसने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था वेस्टइंडीज की कमजोर टीम को 2-0 से हराने पर उसे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में अधिक लाभ नहीं मिला है। ऐसे में वह इस सीरीज मे जीत चाहेगी। ऋषभ इस सीरीज से वापसी करते हुए अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेंगे। उनके अलावा जुरेल के बतौर बल्लेबाज खेलने से भी भारत का मध्यक्रम मजबूत हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 16 विकेट लेने वाले वॉशिंगटन सुंदर भी इस सीरीर में अंतर पैदा करेंगे। वहीं दूसरी ओर तेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी एडेन माक्ररम, रियान रिकेलटन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरेने, डेवाल्ड ब्रेविस पर निर्भर करेगी। इसके अलावा टीम के पास कोर्बिन बोश, वियान मूल्डर, मार्को यानसेन जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। कुल मिलाकर ये मुकाबला रोमांचक रहना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, देवदत्त पडिक्कल

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन माक्ररम, रियान रिकेलटन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरेने, डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डि जोर्जी, कोर्बिन बोश, वियान मूल्डर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, सेनुरान मुथुस्वामी, कैगिसो रबाडा, साइमन हार्मर।

कप्तानी के लिए अच्छी पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलना जरुरी नहीं : अक्षर

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टीम के स्पिर ऑलराउंडर व दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा है कप्तानी को लेकर एक ऐसी धारणा बन गयी है जो सही नहीं है पर ये कई साल से चली आ रही अक्षर के अनुसार लोग मानते है कि अच्छी पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलना कप्तानी के लिए जरुरी है। वहीं केवल इस आधार पर किसी को कप्तानी के लिए अयोग्य मान लेते हैं जो अंग्रेजी नहीं बोल पाता।

अक्षर कप्तानी को लेकर लोगों की इस धारणा से नाराज है। उन्होंने कहा कि कप्तानी के लिए किसी खिलाड़ी की पर्सनैलिटी और अंग्रेजी बोलने की क्षमता को लोग वरीयता देते हैं पर क्रिकेट से जुड़े कौशल को नहीं देखते हैं। अक्षर ने कहा, 'लोग कहना शुरू कर देते हैं- ओह, वह कप्तानी मटैरियल नहीं है, वह अंग्रेजी नहीं बोलता है। वह कैसे बात करेगा ये है, वो है।' साथ ही कहा, अरे,

लोगों को अपनी धारणा बदलनी होगी

कप्तान का काम सिर्फ बात करना थोड़े होता है। कप्तान का काम खिलाड़ी को जानना होता है और उससे उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल करना होता है। ये जानना होता है। उसकी ताकत क्या है, उसकी कमजोरी क्या है, ये समझना होता है। कप्तान को पता होता है कि हमारे पास ये खिलाड़ी है और मुझे उससे कैसे अच्छा प्रदर्शन लेना है। इसके अलावा मैच के हालात के अनुसार किये गेंदबाजी देनी है। अक्षर ने आगे कहा, 'लेकिन नहीं, हम कहते हैं कि पर्सनैलिटी चाहिए, अच्छा इंग्लिश बोलना चाहिए। धारणा लोगों की अपनी सोच के आधार पर बनी है। मैंने इस साल दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की और मुझे बहुत सारी तारीफ मिली।

पटेल मैदान में हॉकी प्रैक्टिस मैच का उद्घाटन, कोच का हुआ भव्य स्वागत

सहरसा। स्थानीय पटेल मैदान में गुरुवार को हॉकी खेल का प्रैक्टिस मैच के दौरान खेल प्राधिकरण पटना के असिस्टेंट डायरेक्टर नरेश चौहान सर का आगमन हुआ, जो हॉकी के एनआईएस कोच भी है।जिसे हॉकी एसोसिएशन ऑफ सहरसा के अध्यक्ष सुनील कुमार झा ने पाग चादर से सम्मानित किया। मौके पर उपस्थित हॉकी एसोसिएशन ऑफ सहरसा के प्रमोद कुमार झा ने खिलाड़ियों का परिचय करवाए। तत्पश्चात श्री चौहान ने खिलाड़ियों को तकनीकी जानकारी देकर अच्छा से अनुशासित होकर खेलने को कहे।मौके पर उपस्थित शशि भूषण, मानस आनंद, खुर्शीद अंसारी, राजू कुमार आदि ने सभी खिलाडियों को प्रोत्साहित किए और आगे बढ़ने की शुभकामना दिए। उपस्थित खिलाड़ियों में प्रियांशु राज, ओबेदुर रहमान, हिबजू, गोलू, अनु, राजकुमार, विशाल, शिवनंदन, त्वरित, आदि ने अच्छा खेल का प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के ने संरक्षक डॉ रेणु सिंह, गोपाल चौधरी, कुमार अनिरबन, चौधरी, रश्मि सोरेन आदि अन्य पदाधिकारियों ने बधाई दी।

अजिंक्य नाईक दूसरी बार बने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के चुनाव में अजिंक्य नाईक पैनल ने शानदार जीत दर्ज की है। नाईक दूसरी बार लगातार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। उनकी पैनल ने कुल 16 पदों में से 12 पर कब्जा जमाया।

बुधवार रात परिणाम घोषित होने के बाद नाईक ने कहा, 'यह जीत हमारे मैदान क्लबों, सचिवों और हर क्रिकेटर — पुरुष और महिला — की है। यह पूरी मुंबई क्रिकेट फैमिली की जीत है।'

अजिंक्य नाईक को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एमसीए, बीसीसीआई व आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष शरद पवार का समर्थन प्राप्त था।

उन्होंने कहा, 'माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी और शरद पवार जी के मजबूत सहयोग से यह सफलता संभव हो सकी। मैं अशिष शेलार जी का भी विशेष आभार व्यक्त करता हूं।' नाईक का पैनल 'पवार-शेलार ग्रुप' के नाम से चुनाव में उतरा था।

चुनाव में अन्य पदाधिकारी इस प्रकार हैं —

उन्मेष खनविलकर सचिव चुने गए (उन्होंने शाहालम शेख को हराया)

जीतेंद्र आव्हाड उपाध्यक्ष बने (उन्होंने नवीन शेट्टी को हराया)

नीलेश भोसले संयुक्त सचिव चुने गए (उन्होंने गौरव पय्याडे को मात दी)

अरमान मलिक कोषाध्यक्ष बने (उन्होंने सुरेंद्र शेवाले को पराजित किया)

इसके अलावा संदीप विचारे, सूरज सामत, विघ्नेश कदम, मिलिंद नारवणकर, भूषण पाटिल, नदीम मेमन, विकास रेपाले, प्रमोद यादव और नील सावंत एमसीए की एपेक्स काउंसिल के सदस्य चुने गए हैं।

बांग्लादेश प्रीमियर लीग में 12 साल बाद फिर से होगा खिलाड़ियों का ऑक्शन

ढाका, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में 12 साल बाद खिलाड़ियों की नीलामी प्रणाली वापस लौट रही है। बीपीएल गवर्निंग काउंसिल ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। टूर्नामेंट के पहले दो सीज़न (2012 और 2013) में खिलाड़ियों की नीलामी हुई थी, जिसके बाद अगले नौ संस्करणों में खिलाड़ियों का चयन ड्राफ्ट प्रणाली के ज़रिए किया जाता रहा। नीलामी 23 नवंबर को ढाका के एक होटल में आयोजित की जाएगी, जिसमें पांच फ्रेंचाइजी — ढाका कैपिटल्स, चट्टोग्राम रॉयल्स, राजशाही वॉरियर्स, रंगपुर राइडर्स और सिलहट टाइटन्स — हिस्सा लेंगी। ये टीमें बीपीएल के 12वें संस्करण के लिए अपने खिलाड़ी चुनेंगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बुधवार को बयान जारी कर कहा, 'इस बार की नीलामी एक नए फ्रेंचाइजी स्वामित्व चक्र की शुरुआत करेगी। इसमें एक पुनर्गठित और पारदर्शी बोली प्रणाली लागू की जाएगी ताकि बीपीएल अंतरराष्ट्रीय टी20 फ्रेंचाइजी मानकों के अनुरूप हो सके।' नई प्रणाली के तहत स्थानीय खिलाड़ियों को छह श्रेणियों और विदेशी खिलाड़ियों को पांच श्रेणियों में बांटा जाएगा। स्थानीय खिलाड़ियों की शीर्ष 'ए' श्रेणी का आधार मूल्य 50 लाख टका तय किया गया है, और हर बोली 5 लाख टका की वृद्धि में बढ़ेगी। विदेशी खिलाड़ियों की शीर्ष श्रेणी की शुरुआती कीमत 35,000 अमेरिकी डॉलर होगी, जिसमें हर बोली 5,000 डॉलर की वृद्धि में बढ़ेगी। हर फ्रेंचाइजी को नीलामी से पहले दो बांग्लादेशी खिलाड़ी (ए और बी श्रेणी से) और एक या दो विदेशी खिलाड़ी सीधे साइन करने की अनुमति होगी, लेकिन इसके लिए बीपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी जरूरी होगी। नीलामी दो चरणों में होगी — पहले स्थानीय खिलाड़ियों की, उसके बाद विदेशी खिलाड़ियों की। प्रत्येक टीम को कम से कम 11 स्थानीय खिलाड़ी खरीदने होंगे, जबकि अधिकतम 15 स्थानीय खिलाड़ी टीम में शामिल किए जा सकते हैं। सीधे साइन किए गए खिलाड़ी इस गणना में शामिल नहीं होंगे। स्थानीय खिलाड़ियों के लिए प्रत्येक टीम का बजट 4.5 करोड़ टका होगा (सीधे साइन किए खिलाड़ियों के भुगतान को छोड़कर)। विदेशी खिलाड़ियों के लिए अधिकतम बजट 3.5 लाख अमेरिकी डॉलर तय किया गया है, जिसमें डायरेक्ट साइनिंग भी शामिल हैं।

हर टीम दो से चार विदेशी खिलाड़ियों को अपने प्लेइंग 11 में शामिल कर सकेगी, लेकिन नीलामी से कम से कम दो विदेशी खिलाड़ियों को खरीदना अनिवार्य होगा।

खिलाड़ियों को भुगतान तीन किस्तों में किया जाएगा —

25 साइनिंग के समय, 55 टीम के अंतिम लीग मैच से पहले, और शेष 20 टूर्नामेंट समाप्त होने के 30 दिनों के भीतर। सभी भुगतान राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड के कर नियमों के अनुसार होंगे। नीलामी समाप्त होने के 24 घंटे के भीतर सभी टीमों को अपने अंतिम स्क्वॉड की सूची बीपीएल गवर्निंग काउंसिल को सौंपनी होगी। सभी अनुबंध बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के मानक त्रिपक्षीय अनुबंध प्रारूप में होंगे।

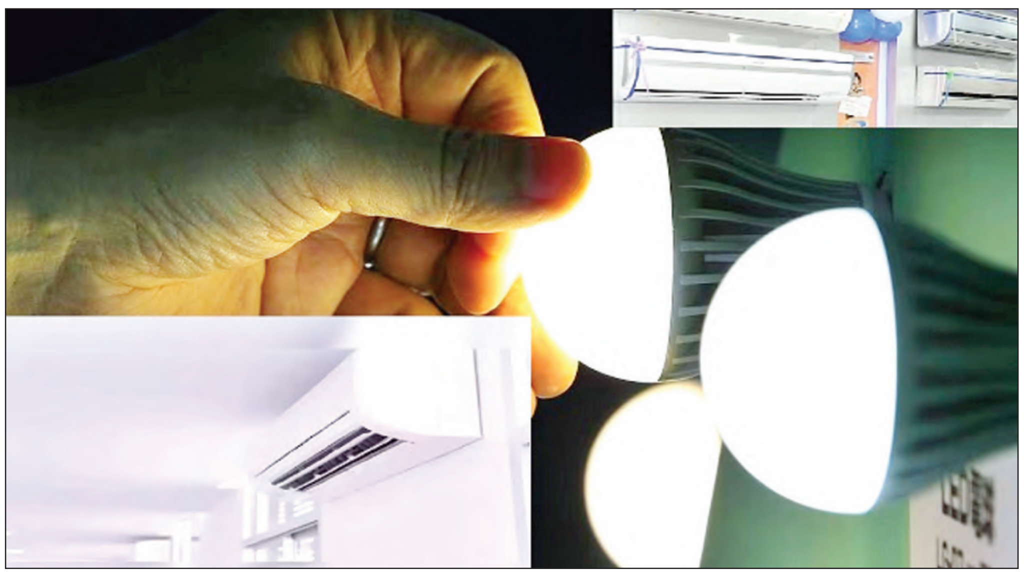

डीपीआईआईटी को पीएलआई योजना के तहत 1,914 करोड़ के निवेश के लिए मिले 13 आवेदन

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइट के लिए पीएलआई योजना के तहत 13 कंपनियों ने 1,914 करोड़ रुपये के प्रतिबद्ध निवेश के साथ आवेदन किए हैं। इन नए आवेदकों में से 50 फीसदी से अधिक एमएसएमई क्षेत्र से हैं। इस दौर के लिए आवेदन 15 सितंबर से 10 नवंबर तक लिए गए।

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के मुताबिक 13 आवेदकों में से एक मौजूदा पीएलआई लाभार्थी है, जिसने 15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने के लिए आवेदन किया है, जबकि नौ आवेदकों ने 1,816 करोड़ रुपये के संचयी निवेश के साथ एयर कंडीशनर घटकों के निर्माण के लिए आवेदन किया है। सफेद वस्तुओं में एसी और एलईडी लाइटें शामिल हैं। ये निवेश तांबे की ट्यूब, एल्युमीनियम स्टॉक, कंप्रेसर, मोटर, हीट एक्सचेंजर, कंट्रोल असेंबली और अन्य उच्च-मूल्य वाले घटकों के उत्पादन पर केंद्रित हैं।

डीपीआईआईटी के मुताबिक शेष चार आवेदकों ने एलईडी चिप्स, ड्राइवर और हीट सिंक सहित एलईडी घटकों के निर्माण के लिए 98 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा है। प्रस्तावित निवेश 6 राज्यों में फैला है, जिसमें 13 जिले और 23 स्थान शामिल हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक अबतक श्वेत वस्तुओं के लिए पीएलआई योजना ने 80 स्वीकृत लाभार्थियों से 10,335 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त किया है, 1.72 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन अपेक्षित है, और लगभग 60,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 7 अप्रैल, 2021 को केंद्रीय मंत्रिमंडल से स्वीकृत श्वेत वस्तुओं के लिए पीएलआई योजना का कुल परिव्यय 6,238 करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य भारत में एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट्स के लिए एक संपूर्ण घटक के रूप में इकोसिस्टम को स्थापित करना है। इस योजना से घरेलू मूल्यवर्धन को वर्तमान 15-20 फीसदी से बढ़ाकर 75-80 प्रतिशत करने का अनुमान है, जिससे भारत श्वेत वस्तुओं के लिए एक प्रमुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित होगा।

न्यूज ब्रीफ

महिंद्रा और मनुलाइफ ने भारत में जीवन बीमा संयुक्त उद्यम की घोषणा की

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने गुरुवार को कनाडा की जीवन बीमा कंपनी मनुलाइफ के साथ 50:50 अनुपात में जीवन बीमा संयुक्त उद्यम स्थापित करने की घोषणा की। दोनों साझेदारों की ओर से इस नए उद्यम में 3,600-3,600 करोड़ रुपये का निवेश होगा। शुरुआती पांच वर्षों में प्रत्येक शेयरधारक 1,250 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। कुल पूंजी प्रतिबद्धता दोनों कंपनियों के लिए 7,200 करोड़ रुपये तक है। यह संयुक्त उद्यम महिंद्रा और मनुलाइफ की भारत में मौजूदा उपस्थिति को मजबूत करेगा और देश के तेजी से बढ़ते जीवन बीमा बाजार में ग्राहकों की वित्तीय भलाई बढ़ाने का लक्ष्य रखता है। महिंद्रा समूह की ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में गहरी वितरण क्षमताएं और निष्पादन उत्कृष्टता इस विस्तार को सफल बनाने में मदद करेंगी। महिंद्रा समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जीवन बीमा व्यवसाय में यह कदम वित्तीय सेवा क्षेत्र के व्यापक विस्तार की दिशा में तार्किक है। शुरुआती पांच वर्षों में प्रत्येक शेयरधारक 1,250 करोड़ का निवेश करेगा यह संयुक्त उद्यम दोनों कंपनियों के लिए भारत में जीवन बीमा क्षेत्र में मजबूत पकड़ बनाने और ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी बाजारों में वित्तीय समावेशन बढ़ाने का महत्वपूर्ण कदम है।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेपी इंफ्राटेक के एमडी मनोज गौड़ को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रियल एस्टेट कंपनी जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) मनोज गौड़ को मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। ये मामला कथित रूप से घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी से जुड़ा है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि रियल एस्टेट कंपनी जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनोज गौड़ को घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि कारोबारी मनोज गौड़ के खिलाफ जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी के मामले से संबंधित है। ईडी ने मई में जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड, जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड और उनकी संबद्ध संस्थाओं से जुड़े 15 ठिकानों पर छापेमारी की थी और 1.7 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की थी। इस छापेमारी के दौरान प्रमोटरों, उनके परिवार के सदस्यों और समूह की कंपनियों के नाम पर संपत्ति के दस्तावेज के साथ-साथ वित्तीय दस्तावेज और डिजिटल डेटा भी जब्त किए गए थे।

देश के प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें घोषित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय तेल कंपनियों (ओएमसी) ने गुरुवार को सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल के ताजा रेट जारी किए। इन कीमतों का निर्धारण अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमत, रुपये-डॉलर का विनिमय दर, एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और राज्यों के वैट के आधार पर किया जाता है। चूंकि हर राज्य का वैट अलग होता है, इसलिए पेट्रोल और डीजल के दाम भी राज्यों में भिन्न होते हैं। नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए और डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर जबकि हैदराबाद में पेट्रोल 107.46 रुपए और डीजल 95.70 रुपए प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपए और डीजल 92.34 रुपए, बेंगलुरु में पेट्रोल 02.92 और डीजल 89.02, और कोलकाता में पेट्रोल 103.94 और डीजल 90.76 प्रति लीटर दर्ज किया गया।

केंद्रीय कैबिनेट ने महत्वपूर्ण खनिजों की रॉयल्टी दरों में संशोधन किया

सरकार ने ग्रेफाइट, सीजियम रुबिडियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों पर रॉयल्टी दरें तय की

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में दिल्ली धमाके की निंदा के साथ ही कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। मुख्य निर्णय के तहत कैबिनेट ने ग्रेफाइट, सीजियम, रुबिडियम और जिरकोनियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की रॉयल्टी दरें तर्कसंगत बनाने को मंजूरी दी। यह कदम क्रिटिकल मिनरल्स मिशन के अंतर्गत लिया गया। केंद्रीय कैबिनेट ने ग्रेफाइट, सीजियम, रुबिडियम और जिरकोनियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों पर रॉयल्टी दरें तय कर दी हैं। कैबिनेट ने यह फैसला क्रिटिकल मिनरल्स मिशन के तहत लिया है। इस फैसले से इन खनिजों के ब्लॉक की नीलामी तेज होने की संभावना है। इससे लिथियम, टंगस्टन, दुर्लभ पृथ्वी तत्व और नाइओबियम जैसे दूसरे महत्वपूर्ण खनिजों का भी फायदा होगा। संशोधित रॉयल्टी दरों के अनुसार, सीजियम और रुबिडियम, प्रत्येक पर उत्पादित अयस्क में निहित संबंधित धातु के औसत विक्रय मूल्य (एएसपी) के आधार पर 2 प्रतिशत रॉयल्टी लगेगी। कैबिनेट के अनुसार जिरकोनियम पर एएसपी की 1 प्रतिशत रॉयल्टी दर होगी, जबकि ग्रेफाइट पर 80 प्रतिशत या उससे अधिक स्थिर कार्बन वाले अयस्क के लिए एएसपी का 2 प्रतिशत और 80 प्रतिशत से कम स्थिर कार्बन वाले अयस्क के लिए 4 प्रतिशत रॉयल्टी दर लागू होगी। दरअसल, सरकार का मानना है कि ग्रेफाइट पर एड वेरोरम (बाजार मूल्य के अनुसार) रॉयल्टी तय करने से अलग-अलग ग्रेड के ग्रेफाइट के मार्केट रेट के हिसाब से रॉयल्टी कनेक्शन होगा। इससे घरेलू उत्पादन तो बढ़ेगा ही, साथ ही आयात पर निर्भरता भी कम होगी। सप्लाई चेन की परेशानियां भी घटेंगी और नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। हाल ही में केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी के छठे चरण के लिए 16 सितंबर को एनआईटी जारी की है। इसमें ग्रेफाइट के पांच ब्लॉक, रुबिडियम के दो ब्लॉक और सीजियम और जिरकोनियम के एक ब्लॉक (विवरण संलग्न) भी शामिल हैं।

एनएफआरए में कार्य विभाजन को लेकर सरकार तैयार कर रही नई रूपरेखा

नई दिल्ली। सरकार नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) में कार्यों के विभाजन पर विचार कर रही है। वर्तमान में एनएफआरए का कार्यकारी निकाय (अध्यक्ष और दो अन्य सदस्य) सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता है, जिसमें ऑडिट की समीक्षा और अनुशासनात्मक कार्रवाई शामिल है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि कार्यों का विभाजन न होने से पूर्वाग्रह और निष्पक्षता पर सवाल उठ सकते हैं। अदालत ने इसे 'सीज़र से सीज़र की पत्नी को अपील' की स्थिति के समान बताया। रेगस्ट्रीट लॉ एडवाइजर्स के वरिष्ठ पार्टनर व सेबी के एक पूर्व अधिकारी ने कहा कि भारत का नियामक ढांचा नियंत्रण और संतुलन के सिद्धांत से भटक गया है। जब एक संस्था नियम बनाती और निर्णय भी लेती है, तो जवाबदेही और न्याय प्रभावित होता है। उन्होंने जोर दिया कि अन्य नियामक, जैसे भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग और सेबी, जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने वाले कार्यों को अलग रखते हैं। एनएफआरए ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। अदालत ने अंतरिम आदेश में एनएफआरए को कार्रवाई जारी रखने की अनुमति दी, लेकिन अंतिम आदेशों पर रोक लगा दी जब तक अपील का निर्णय नहीं हो जाता। विशेषज्ञों ने बताया कि सीसीआई में महानिदेशक जांच करता है, जबकि आयोग के सदस्य अनुशासनात्मक कार्रवाई पर निर्णय लेते हैं। इससे पूर्वाग्रह कम और न्याय सुनिश्चित होता है। यही कारण है कि एनएफआरए में कार्यों का विभाजन जरूरी माना जा रहा है ।

भारत की अर्थव्यवस्था 2025 में 7 फीसदी बढ़ेगीः रेटिंग एजेंसी

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने गुरुवार को अपने ग्लोबल मैक्रो आउटलुक में 2025 में भारत की अर्थव्यवस्था 7 फीसदी बढ़ने का अनुमान लगाया है। 2024 में यह दर 6.7 फीसदी थी। एजेंसी का कहना है कि भारत की आर्थिक वृद्धि को मजबूत बुनियादी ढांचे पर खर्च और ठोस घरेलू उपभोग से समर्थन मिल रहा है। हालांकि निजी क्षेत्र अभी पूंजीगत व्यय को लेकर सतर्क है।

2026 और 2027 में भारत की वृद्धि लगभग 6.5 फीसदी रहने का अनुमान

2026 और 2027 में भारत की वृद्धि लगभग 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है। अमेरिका में कुछ भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी शुल्क के बावजूद निर्यातकों ने अन्य बाजारों में निर्यात बढ़ाने में सफलता हासिल की है। सितंबर में कुल निर्यात 6.75 फीसदी बढ़ा, जबकि अमेरिका को निर्यात में 11.9 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। मूडीज ने कहा कि निर्यात और घरेलू बाजार का विविधीकरण भारत की स्थिर आर्थिक वृद्धि में मदद करेगा। एजेंसी ने यह भी कहा कि कम मुद्रास्फीति के बीच मौद्रिक नीति तटस्थ से उदार बने रहने की संभावना है। इससे आर्थिक वृद्धि को अतिरिक्त समर्थन मिलेगा। मूडीज के अनुसार चीन की अर्थव्यवस्था 2025 में 5 फीसदी बढ़ेगी, लेकिन 2027 तक यह वृद्धि धीरे-धीरे 4.2 फीसदी तक घट सकती है। वैश्विक जीडीपी की वृद्धि दर 2025 में 2.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जो 2024 की 2.9 फीसदी दर से कम है। 2026 और 2027 में यह क्रमशः 2.5 फीसदी और 2.6: फीसदी रहने की संभावना है।

डीएचएल समूह भारत में करेगा 1 अरब यूरो का निवेश

मुंबई। वैश्विक लॉजिस्टिक्स कंपनी डीएचएल समूह ने 2030 तक भारत में करीब 1 अरब यूरो निवेश करने की घोषणा की है। यह कदम कंपनी की रणनीति 2030-त्वरित सतत विकास योजना का हिस्सा है और भारत को एक प्रमुख विकास बाजार के रूप में दर्शाता है। डीएचएल का लक्ष्य भारत में अपने ग्राहकों के लिएविश्वसनीय और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स सेवाओं का विस्तार करना है। कंपनी का यह बहु-स्तरीय निवेश कार्यक्रम जीव विज्ञान और स्वास्थ्य सेवा, नई ऊर्जा, ई-कॉमर्स और डिजिटलीकरण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में केंद्रित होगा।

सेबी में हितों के टकराव और खुलासे के नियमों में बड़ा बदलाव प्रस्तावित

नई घोषणाः सभी वरिष्ठ अधिकारियों को करना होगा पूर्ण खुलासा

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में हितों के टकराव और खुलासे (के नियमों में बड़े बदलाव प्रस्तावित हैं। उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के अनुसार सेबी के निदेशक मंडल और वरिष्ठ अधिकारियों को अपनी सभी संपत्तियों, देनदारियों, ट्रेडिंग गतिविधियों और संबंधित पक्षों के साथ संबंधों की घोषणा कई चरणों में करनी होगी- नियुक्ति, सालाना, प्रमुख घटनाओं और पद छोड़ने के समय। समिति ने सुझाव दिया कि बोर्ड या वरिष्ठ पदों के आवेदकों को किसी भी वास्तविक, संभावित या अनुमानित हितों के टकराव का खुलासा करना अनिवार्य होगा।

जिसमें वित्तीय और गैर-वित्तीय मामलों दोनों शामिल हैं। इसके अलावा 'परिवार' की परिभाषा को व्यापक बनाया जाएगा। इसमें पति/पत्नी, आश्रित बच्चे, कानूनी अभिभाव्य के तहत आने वाले व्यक्ति और अन्य आर्थिक रूप से आश्रित रिश्तेदार शामिल होंगे। समिति ने वरिष्ठ अधिकारियों के नए निवेशों को पेशेवर रूप से प्रबंधित पूल्ड योजनाओं तक सीमित करने और व्यक्तिगत पोर्टफोलियो का 25 फीसदी तक ही निवेश की अनुमति देने का सुझाव दिया। यह प्रतिबंध उनके जीवनसाथी और आर्थिक रूप से आश्रित परिवार पर भी लागू होगा। अंशकालिक सदस्यों को इस निवेश सीमा से छूट दी जा सकती है, लेकिन वे अप्रकाशित संवेदनशील जानकारी पर ट्रेडिंग नहीं कर सकेंगे। समिति की अध्यक्षता पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त प्रत्यूष सिन्हा ने की, जबकि उपाध्यक्ष थे इंजेती श्रीनिवास। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने मार्च 2025 में समिति का गठन किया। इसका उद्देश्य सेबी में पारदर्शिता बढ़ाना, हितों के टकराव के प्रबंधन को मजबूत करना और लोगों का भरोसा कायम करना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बिहार की सत्ता...

शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।चुनाव आयोग ने बताया कि 7,45,26,858 पंजीकृत मतदाताओं वाले बिहार ने इस बार लोकतंत्र के प्रति अपनी गहरी आस्था दिखाई है। 67.13 प्रतिशत मतदान के साथ मतदाताओं ने रिकॉर्ड भागीदारी दर्ज की।आयोग ने मतदाताओं, राजनीतिक दलों और मीडिया संस्थानों से अपील की है कि वे परिणामों की जानकारी केवल आयोग के आधिकारिक पोर्टल से प्राप्त करें। साथ ही यह भी कहा कि किसी भी अफवाह, अप्रमाणिक संदेश या गैर-आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा न करें। सभी प्रमाणित परिणाम केवल आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बिहार की सत्ता पर एनडीए का कब्ज़ा कायम रहेगा या महागठबंधन सत्ता में वापसी करेगा। फैसला आज, जनता के जनादेश से तय होगा कि किसके सिर सजेगा ताज!

हम पूर्ण बहुमत...

बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग से अपील की कि वह निष्पक्ष और पारदर्शी मतगणना सुनिश्चित करे। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ सीटों पर जहां मुकाबला कड़ा है, वहां काउंटिंग की गति को जानबूझकर धीमा करने की कोशिश की जा रही है।तेजस्वी यादव ने कहा, हमारे सभी साथी काउंटिंग सेंटरों पर पूरी तरह मुस्तैद हैं।

जो अधिकारी निष्पक्षता से काम करेंगे, उन्हें डरने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन अगर कोई किसी के इशारे पर काम करेगा तो उसे परिणाम भुगतने होंगे।उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी घबराई हुई है। बीजेपी के लोग बेचैन हैं क्योंकि उन्हें मालूम है कि उनकी सरकार जा रही है। ये लोग सभी काउंटिंग सेंटरों पर प्रक्रिया को धीमा करवाने की कोशिश करेंगे, खासकर उन सीटों पर जहां मार्जिन कम है। लेकिन हमारे सभी प्रतिनिधि सतर्क हैं और हर गतिविधि पर नज़र रखेंगे।तेजस्वी ने विश्वास जताया कि 14 नवंबर को आने वाले परिणाम बिहार में नई राजनीतिक दिशा तय करेंगे, और जनता की उम्मीदों के अनुरूप महागठबंधन की सरकार बनेगी।

दोषियों को...

खाड़ी देशों से मिलने वाले कथित फंड और कार विस्फोट में शामिल आतंकी मॉड्यूल की फंडिंग की भी जांच की जाएगी।अमित शाह ने कहा है कि भारत सरकार की नीति स्पष्ट है - आतंकवाद, उसके समर्थक और फंडिंग नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जाएगा। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

25 गाड़ियां आपस...

आग लगने से ट्रक ड्राइवर की भी जलकर मौत हो गई। पीछे चल रहा एक यात्री वाहन भी आग की चपेट में आ गया, जिसमें 17-18 लोग सवार थे। उनमें से कई घायल हुए हैं। इसके अलावा कुछ कारें और अन्य वाहन भी आपस में टकरा गए, जिससे नवले ब्रिज पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।घटना के बाद करीब एक घंटे तक हाईवे पर यातायात ठप रहा। पुलिस मृतकों की पहचान करने में जुटी है।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की और मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।वहीं, सांसद सुप्रिया सुले ने भी इस दुर्घटना पर गहरा दुख जताते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

टीबी के खिलाफ...

उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय स्वास्थ्यकर्मियों, सामुदायिक कार्यकर्ताओं, निश्चय मित्रों और टीबी उन्मूलन मिशन से जुड़े सभी नागरिकों को देते हुए कहा कि यह सफलता जनभागीदारी और प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग का प्रमाण है।प्रधानमंत्री ने दोहराया कि भारत टीबी मुक्त राष्ट्र बनने के लक्ष्य की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और सरकार इस दिशा में पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रही है।

मालव्य राजयोग से महालक्ष्मी बरसाएंगी मेष, सिंह समेत पांच राशियों पर सुख और लाभ की वर्षा

आज यानी 14 नवंबर दिन शुक्रवार है और आज के स्वामी रहेंगे ग्रह रहेंगे शुक्र और दिन की स्वामिनी हैं माता लक्ष्मी। इस पर आज के दिन चंद्रमा का गोचर सिंह राशि से होगा। ऐसे में आज चंद्रमा और मंगल के बीच चतुर्थ दशम योग बनेगा जिससे आज लक्ष्मी योग प्रभावी रहेगा। साथ ही आज के दिन शुक्रवार को शुक्र ग्रह का गोचर अपनी राशि तुला में होने से मालव्य राजयोग का भी संयोग बन रहा है। और तो और आज पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के संयोग में वैधृति योग,सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग समेत आर्ज शुभ योग भी बने हुए हैं। ऐसे में आज शुक्रवार का दिन महालक्ष्मी की कृपा और मालव्य राजयोग के प्रभाव से मेष, सिंह, तुला, वृश्चिक और कुंभ राशि के जातको के लिए भाग्यशाली और लाभदायक रहेगा।

मेष राशि –मेष राशि के जातको के लिए आज शुक्रवार का दिन भौतिक सुख साधन प्रदान करने वाला रहेगा। जो लोग काफी समय से वाहन या सुख साधन खरीदने के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको आज सफलता मिलेगी। नौकरी में भी आज का दिन आपका सुखद और अनुकूल बीतेगा। आप अपनी योजना के अनुसार काम पूरा कर पाएंगे। अधिकारीगण आपकी बातों और सुझाव की तारीफ कर सकते हैं। आपको कार्यक्षेत्र में कोई कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। दिन के दूसरे भाग में आपको दोस्तों के साथ मनोरंजक समय बिताने का मौका मिलेगा। लव लाइफ में आज प्रेमी के साथ वक्त बिताने का भी मौका मिलेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति की मदद से आपकी कोई उलझन सुलझ सकती है।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर चावल का दान करना चाहिए, तुलसी को दीप दिखाना चाहिए।

सिंह राशि –सिंह राशि के जातको के लिए आज शुक्रवार का दिन बुद्धि और धैर्य से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपका भाग्य आज पूरा साथ देगा और आप शत्रुओं की चाल को काटने में सफल रहेंगे। नौकरी में दिन आपका अनुकूल बीतेगा। किसी सहकर्मी की मदद से आपका कोई जरूरी काम पूरा हो सकता है। आप आज कोई नया काम या किसी नए प्रोजेक्ट पर काम की शुरुआत कर सकते हैं। कोई दबी हुई चाहत आपकी पूरी हो सकती है। साथ ही आज आपको कोई उपहार भी मिल सकता है। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको कोई बड़ा मौका मिल सकता है। अगर आपकी माता की सेहत नरम चल रही है तो उनकी सेहत में सुधार हो सकता है।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर श्रीसूक्त का पाठ करना चाहिए, लाल रंग का चंदन लगाना शुभ रहेगा।

तुला राशि – तुला राशि के लिए आज भाग्य उन्नति का अवसर लेकर आया है। आपको आज बिजनेस में कोई बड़ी डील मिल सकती है। आपको कार्यक्षेत्र में आज अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। आपको कोई नया प्रोजेक्ट या काम मिल सकता है। आर्थिक रूप से आपकी जेब हरी होगी। आपका पैसा फंसा हुआ है तो आपको अपना धन मिल सकता है। जो जातक आजा अथवा शिक्षा संबंधी काम से जुड़े हुए हैं उनको आज लाभ का विशेष मौका मिलेगा। इस राशि के छात्र शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। आपको वस्त्र और सुख साधन मिलने का भी योग बना हुआ है। आप परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। सगे संबंधियों से मिलने का भी संयोग बनेगा।

उपाय : आपको आज दिन को अनुकूल बनाए रखने के लिए देवी लक्ष्मी को पान भेंट करना चाहिए और माता से चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेना चाहिए।

वृश्चिक राशि – आज का दिन वृश्चिक राशि के लोगों के लिए मान सम्मान की वृद्धि करने वाला रहेगा। आप आज परिवार और समाज में प्रतिष्ठा पाएंगे आपको अपनी ऊर्जा और कार्यकुशलता का फायदा मिलेगा। कोई चाहत जो मन में काफी समय से दबी हुई है वह पूरी हो सकती है। राजनीतिक क्षेत्र में आपको सफलता मिल सकती है। आपके द्वारा किए गए किसी काम को लेकर आपकी तारीफ हो सकती है। आपको आपको आज परिवार का पूरा सपोर्ट मिलेगा। आप परिवार के साथ किसी शुभ और मांगलिक काम में भाग ले सकते हैं। आपको आज बच्चो की ओर से खुशी मिलेगी। लव लाइफ किसी प्रकार का तनाव चल रहा है तो वह भी दूर हो सकता है। आपको तकनीकी ज्ञान का लाभ मिलेगा। आप आज दोस्तो के साथ पार्टी मनोरंजन का भी आनंद ले पाएंगे।

उपाय : आप आज उपाय के तौर पर कनकधारा स्तोत्र का पाठ करें तो बेहतर होगा।

कुंभ राशि – आज का दिन दिन कुंभ राशि के लिए उत्साहवर्धक और अनुकूल रहेगा। आपको आज किसी अप्रत्याशि माध्यम से लाभ मिलने का योग बना हुआ है। सितारे बताते हैं कि आज ग्रहों के शुभ योग से आपको भाग्य का पूरा सपोर्ट मिलेगा। कोई काम जो आपका सरकारी क्षेत्र में फंसा हुआ है वह सफलतापूर्वक पूरा हो सकता है। नौकरी मे आपका सम्मान और प्रभाव बढेगा। आपको किसी मित्र की मदद से कोई काम की जानकारी मिल सकती है। प्रॉपर्टी के काम में आप आज सफलता पाएंगे। कोई अटका हुआ धन भी आपको प्राप्त हो सकता है। धार्मिक यात्रा का संयोग बन सकता है। वैवाहिक जीवन में सुख और सहयोग प्राप्त कर पाएंगे। आपको जीवनसाथी से उपहार मिलने का भी योग बना हुआ है।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर शहद युक्त खीर देवी लक्ष्मी को अर्पित करना चाहिए।

पर्स में नहीं टिक रहा पैसा, आमदनी से ज्यादा खर्च से हैं परेशान, अपनाएं ये आसान वास्तु टिप्स

अकसर लोग इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि मेहनत करने के बाद भी उनके पास पैसा नहीं टिक पाता। अच्छी खासी कमाई होने के बाद भी खर्चे इतने बढ़ जाते हैं कि बचत करना नामुमकिन हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इसका कारण घर या ऑफिस में कुछ छोटे-छोटे वास्तु दोष होते हैं, जो धन के प्रवाह को रोकते हैं। समय रहते इन दोषों को दूर करने से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आ सकता है और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त हो सकती है।

कुबेर देवता का मनाने के उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की उत्तर दिशा धन और समृद्धि से जुड़ी होती है, जिसके स्वामी धन के देवता कुबेर हैं। इस क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। उत्तर दिशा में पानी का फव्वारा लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। पानी के फव्वारे से बहता पानी धन के प्रवाह से जुड़ा होता है।

घर में पौधे लगाने के फायदे

वास्तु शास्त्र में पौधे को जीवन और विकास का प्रतीक माना जाता है। अग्नि तत्व से जुड़े दक्षिण-पूर्व कोने में हरे पौधे लगाने से ऊर्जा का संतुलन बना रहता है और आर्थिक समृद्धि बढ़ती है। घर में रखें सूखे या मुरझाए हुए पौधे समृद्धि में बाधा डाल सकते हैं।

आर्थिक स्थिति बेहतर करने के उपाय

घर में सीलन या नल से टपकता पानी आपकी आर्थिक स्थिति को बर से बदतर कर सकता है। ऐसे में अपने घर की दीवारों में सीलन या कहीं से पानी टपक रहा हो तो उसे तुरंत ठीक करवाएं। ये आय के स्रोत में बाधा उत्पन्न करता है और हो सकते हैं खर्चे बढ़ने का कारण बनता है।

धन लाभ के उपाय

घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा सबसे अच्छी दिशा मानी जाती है। वास्तु के अनुसार, लॉकर को इस दिशा में उत्तर दिशा की ओर मुंह करके रखना शुभ माना जाता है। यह उपाय आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि लाने में मदद करती है। घर में विंड चाइम लगाना बेहद ही शुभ माना जाता है। इसकी आवाज नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ता है। इसके साथ ही यह तनाव को कम करता है और मानसिक स्थिरता लाता है। इसके अलावा घर में मनी प्लांट रखने से धन और समृद्धि को आकर्षित होती है।

रसोई घर के लिए शुभ दिशा

रसोई घर को सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक माना जाता है। यह घर के स्वास्थ्य और समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वास्तु के अनुसार, रसोई घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए। ध्यान रखें कि घर की उत्तर दिशा में रसोई घर न बनाएं। इससे आपकी आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

शुक्रवार को कपूर के आसान उपाय, इन्हें आजमाने से बरसेगी धन की देवी लक्ष्मीजी की कृपा, सारी बाधाएं होंगी दूर

शुक्रवार का दिन धन की देवी लक्ष्मीजी को समर्पित माना गया है। इस विशेष दिन पर माता की विधि-विधान से पूजा करने से जातक को पैसों की तंगी से छुटकारा मिल सकता है। देवी लक्ष्मी की कृपा होने से व्यक्ति को जीवन में सुख-समृद्धि, सफलता और शांति प्राप्त होती है। वहीं, ज्योतिषशास्त्र में शुक्रवार के लिए कपूर के कुछ आसान उपाय भी बताए गए हैं जिससे जीवन से नकारात्मकता को दूर किया जा सकता है। साथ ही, कार्यों और तरक्की में आ रही बाधाएं भी दूर होने लगती हैं। अगर आप जीवन में एक के बाद एक समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो शुक्रवार को कपूर के उपाय आजमा सकते हैं।

घर में सुख-शांति और समृद्धि का उपाय

शुक्रवार के दिन शाम के समय माता लक्ष्मी की पूजा करते समय एक कूपर को घी में डुबोकर जरूर जलाएं। इस उपाय को हर शुक्रवार के दिन जरूर आजमाएं। ऐसा करने से जातक को घर में चल रहे तनाव और झगड़ों से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है। कपूर को घी में डुबोकर जलाने से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, साधक का मन भी शांत होता है और तनाव कम होने लगता है।

सारी बाधाएं दूर करने का उपाय

अगर नौकरी, व्यापार, करियर या जरूर कार्यों में एक के बाद एक आर्ज बाधाओं का सामना कर रहे हैं, तो इससे छुटकारा पाने के लिए एक आसान और असरदार उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए शुक्रवार को सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें। इसके बाद, एक लाल रंग के साफ वस्त्र में दो गुड़हल के फूल और 2 कपूर बांध लें। इस पोटली को माता लक्ष्मी के पास रखें और फिर, विधि-विधान से पूजा-आरती करें। इसके पश्चात शाम को दोबारा देवी लक्ष्मी की पूजा करने के बाद पोटली को उठाकर अपनी तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर रख लें। इसके अलावा, आप इसे अपने कार्यस्थल के दराज में भी रख सकते हैं। इस उपाय को करने से जातक को सभी प्रकार की बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है और बिगड़े हुए काम भी बनने शुरू हो सकते हैं।

धन और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने का उपाय

शुक्रवार के दिन शाम के समय देवी लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। साथ ही, आरती के समय कपूर का इस्तेमाल भी जरूर करें और कम से कम 108 बार 'ओम ह्रीं श्रीं लक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करें। इस उपाय को आजमाने से जातक को धन संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। शाम के समय कपूर के साथ आरती करने से आसपास का वातावरण शुद्ध होता है और घर से नकारात्मक ऊर्जा भी दूर होने लगती है। ऐसे में आपको गृह क्लेश से मुक्ति मिल सकती है और घर में आने वाली समस्याएं कम होने लगती हैं। इस उपाय को हर शुक्रवार जरूर करना चाहिए।

नजर दोष दूर करने का उपाय

आर्ज बार नजर दोष के कारण हमारे बनते हुए काम भी बिगड़ने लगते हैं और जीवन में एक के बाद एक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में नजर उतारने और दूर रखने के लिए आप शुक्रवार को कपूर का आसान उपाय कर सकते हैं। इसके लिए एक कूपर और 7 लौंग को अपने ऊपर से सात बार उतारें। अब इसे किसी मिट्टी के बर्तन या दीये में रखकर जला दें और राख को बहते जल में प्रवाहित करें। इस उपाय को करने से नजर दोष दूर हो सकता है और जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है। साथ ही, करियर में तरक्की के नए द्वार खुल सकते हैं।

हनुमानजी की चाल में फंसी रावण की पत्नी, मिल गया प्रभु राम को रावण की मृत्यु का सामान, और हुआ रावणराज का अंत

भगवान राम और रावण से बीच जिस समय भयंकर युद्ध चल रहा था तब बार बार श्री राम के प्रहार के बाद भी रावण परास्त नहीं हो रहा था। जैसे ही भगवान राम उसपर अपने शस्त्रों से वार करते वैसे ही रावण भयंकर हंसी के साथ रणभूमि में फिर खड़ा हो जाता है। यह सारा दृश्य देखकर भगवान राम और लक्षमण बहुत चिंतित हो उठे। तभी युद्धभूमि में विभीषण ने रावण की मृत्यु से जुड़ा बड़ा रहस्य भगवान राम को बताया। उधर भगवान राम के प्रिय भक्त पवन पुत्र हनुमान के लिए तो एक इशारा ही काफी था और उन्होंने अपनी चतुर बुद्धि से रावण की पत्नी मंदोदरी को ऐसा उलझाया की अपने पति की मौत के शस्त्र का रहस्य हनुमानजी से कह बैठी। हनुमानजी ने तुरंत ही वह शस्त्र लाकर भगवान राम को वो सौंप दिया जिसके प्रहार से रावण का वध और और रावण राज का अंत संभव हो पाया।

ब्रह्मा जी ने दिया था ये रावण को वरदान

एक बार रावण ने ब्रह्माजी को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या की थी। रावण की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने उनसे वरदान मांगने के लिए कहा। रावण ने वरदान में अमरत्व का वरदान मांगा। रावण का वरदान सुनकर पहले तो ब्रह्मजी ने वरदान देने से इनकार कर दिया और कहा कि अमरता का वरदान नहीं दिया जा सकता है। ब्रह्माजी ने रावण को एक और मौका दिया और कहा कि तुम कुछ और वरदान मांग लो। लेकिन, रावण हटी था और वह अपने हट से नहीं हटा और उसी वरदान पर अड़ा रहा। ब्रह्माजी असमंजस में आ गए इसके बाद ब्रह्मा जी ने रावण को एक बाण दिया और उसे कहा कि सिर्फ इस बाण के प्रहार से ही तुम्हारी मृत्यु होगी। इसके अलावा कोई भी अस्त्र शस्त्र के प्रयोग से तुम्हारी मृत्यु नहीं हो पाएगी। रावण ने तुरंत ही वो बाण लेकर अपने राजमहल में अपने सिंहासन के सामने वाली दीवार पर चिनवा दिया। इस बाण के बारे में रावण के अलावा सिर्फ उसकी पत्नी मंदोदरी ही जानती थी।

मंदोदरी की एक चूक ने ली रावण की जान

जिस समय भगवान राम और रावण के बीच युद्ध चल रहा था उस समय जैसे ही भगवान राम रावण पर प्रहार करते तो उसके सिर और हाथ बार बार निकल आते। उसके जिस भी अंग पर प्रहार होता वह फिर से जिंदा उठा खड़ा होता। तब विभीषण ने भगवान राम को बताया कि रावण की नाभि में अमृत पान है। अगर रावण की नाभि पर वार किया जाए तो वह पराजित हो जाएगा। लेकिन, उसे सिर्फ एक बाण से ही मारा जा सकता है जो ब्रह्माजी ने रावण को दिया है। लेकिन, वह बाण कहां पर है इसकी जानकारी विभीषण को भी नहीं थी।

पवन पुत्र हनुमान लेकर आए रावण को मारने वाला बाण

रावण को मृत्यु के लिए ब्रह्मा जी का तीर का पता लगाने की जिम्मेदारी पवन पुत्र हनुमानजी को दी गई। हनुमान जी तुरंत ही लंका पहुंचे और ज्योतिष का रूप धारण कर लिया। जब लंका में चर्चा हुई की कोई बहुत ही विद्वान ज्योतिष आए है तो रावण की पत्नी मंदोदरी ने ज्योतिष को आमंत्रित किया । मंदोदरी ज्योतिष से अपना भविष्य जानना चाहती थी। ज्योतिष का रुप धारण करके आए हनुमानजी मंदोदरी को अपनी बातों में उलझाने लगे और मंदोदरी से बातों ही बातों में ब्रह्मा जी के उस बाण का जिक्र कर दिया और कहा कि उस बाण से रावण पर कोई बड़ा संकट आ सकता है। मंदोदरी तुरंत ही कहती है कि ऐसा नहीं हो सकता है। वह तीर सुरक्षित स्थान पर ही । हनुमान जी मंदोदरी से बातों में बातों में बाण का पता लगा ही लेते हैं। हनुमान जी मंदोदरी से कहते हैं कि तुम उस तीर के बारे में किसी को कुछ मत बताना तब मंदोदरी कहती है कि वह तो एकदम सुरक्षित स्थान पर है। सिंहासन के सामने वाली दीवार के अंदर बाण रखा हुआ है। हनुमानजी के लिए यह इशारा ही काफी था वह तुरंत ही उस खंभे के पास पहुंचे और एक ही मुक्के से वह खंभा तोड़कर बाण ले लिया और प्रभु राम को ले जाकर सौंप दिया। उसी बाण से भगवान राम ने रावण का वध कर दिया। इस तरह से मंदोदरी की एक भूल से रावण का वध संभव हो पाया और इस तरह हुआ रावण राज का अंत।

अक्षरा सिंह ने दिखाई नए गीत हमार तिरछी नजर की झलक

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय एक्ट्रेस अक्षरा सिंह अपने नए म्यूजिक वीडियो 'हमार तिरछी नजर' के जरिए चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर गाने की झलक साझा कर अक्षरा ने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। अक्षरा सिंह के इस पोस्ट ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। वीडियो में वह ग्लैमरस लुक में नजर आ रही हैं। इस लुक को देख हर कोई उनका दीवाना हो रहा है। चमकीले आउटफिट और खुले बालों में उनका यह अवतार बेहद आकर्षक लग रहा है। गाने की झलक में अक्षरा के ठुमके और जबरदस्त डांस मूव्स नजर आ रहे हैं, वहीं बैकग्राउंड में बजते बीट्स लोगों को थिरकने पर मजबूर कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में उनका स्टाइल और एनर्जी साफ दिखाई दे रही है। पोस्ट की गई ये छोटी सी क्लिप गाने के रिलीज होने से पहले काफी वायरल हो रही है। उन्होंने पोस्ट के जरिए गाने के रिलीज डेट से पर्दा हटाया।

वीडियो में अक्षरा के हर एक ठुमके पर लोग तालियां बजाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, ''नया गाना 'हमार तिरछी नजर' सारेगामा हम भोजपुरी के यूट्यूब चैनल के साथ सभी म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर 15 नवंबर को रिलीज होने वाला है।''इस पोस्ट पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ गए। लोगों ने कमेंट्स में उन्हें 'क्वीन ऑफ भोजपुरी', 'सुपरस्टार', और 'फायर गर्ल' जैसे टैग दिए।

अक्षरा सिंह के करियर की बात करें तो उन्होंने भोजपुरी सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। साल 2010 में उन्होंने रवि किशन के साथ फिल्म 'सत्यमेव जयते' से अपने अभिनय सफर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'प्राण जाए पर वचन ना जाए', 'सौगंध गंगा मैया के', 'सत्या', 'तबादला', 'सरकार राज', और 'मां तुझे सलाम' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया।

अक्षरा की एक्टिंग ही नहीं, बल्कि उनकी सिंगिंग भी लोगों को खूब पसंद आती है। उन्होंने कई भोजपुरी म्यूजिक वीडियो में अपनी आवाज दी है, जो यूट्यूब पर लाखों-करोड़ों बार देखे जा चुके हैं। अभिनय और गायकी के साथ-साथ अक्षरा ने हिंदी टेलीविजन पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने जी टीवी के सीरियल 'काला टीका' और 'सर्विस वाली बहू' में महत्वपूर्ण किरदार निभाए, वहीं सोनी टीवी के शो 'पोरस' में उन्होंने महारानी कणिका का किरदार निभाया। 2021 में वह 'बिग बॉस ओटीटी' में भी नजर आईं, जहां उन्होंने अपने बेबाक अंदाज से दर्शकों का ध्यान खींचा।

शाहरुख खान की फिल्म जब तक है जान ने पूरे किए 13 साल

यशराज फिल्म्स अक्सर अपनी फिल्मों में प्यार और दिल टूटने के एहसास को बयां करता रहता है। फिल्म 'जब तक हैं जान' इन्हीं में से एक थी। गुरुवार को इस फिल्म ने अपनी रिलीज के 13 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर यशराज फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के कुछ पुराने सीन्स की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने दिल टूटने के एहसास को अपने शब्दों में बयां किया और लिखा, यह एक ऐसी कहानी है जिसमें प्यार, दिल टूटने का दर्द और किस्मत सब कुछ शामिल है। जब तक है जान एक ऐसी कहानी लेकर आई थी जिसने हमें हमेशा के लिए सच्चे प्यार पर यकीन करना सिखाया है। फिल्म 'जब तक है जान' साल 2012 में रिलीज की गई रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन यश चोपड़ा ने किया था और निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया था। फिल्म में मुख्य भूमिका में शाहरुख खान, कैटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा नजर आए थे।

फिल्म को भले ही 13 साल पूरे हो गए हैं, लेकिन इसकी कहानी, किरदार और गाने दर्शकों के दिलों में आज भी उसी तरह से बरकरार हैं। फिल्म के गाने 'छल्ला', 'इश्क शावा', 'जियारे', और 'जब तक है जान' आज भी लोगों को बेहद पसंद आते हैं।

चुलबुली एक्ट्रेस जूही चावला की लव स्टोरी बेहद दिलचस्प, फिल्म के सेट पर हुई थी पति से पहली मुलाकात

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जूही चावला की मुस्कान आज भी फैंस का दिल चुरा लेती है। उनकी अदाकारी के लोग हमेशा से दीवाने रहे हैं। जूही की जिंदगी और करियर में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन उन्होंने हर चुनौती का सामना हिम्मत और धैर्य के साथ किया। उनकी फिल्मी दुनिया में सफलता की कहानी तो है ही, साथ ही उनकी निजी जिंदगी भी कम फिल्मी नहीं है। जूही चावला का जन्म 13 नवंबर 1967 को हरियाणा के अंबाला में हुआ था। मॉडलिंग और एक्टिंग में जूही की दिलचस्पी बचपन से ही थी। 17 साल की उम्र में उन्होंने मिस इंडिया का खिताब जीतकर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा। मिस इंडिया बनने के बाद उनके पास फिल्मों के ऑफर आने लगे। जूही ने अपने करियर की शुरुआत 1986 में फिल्म 'सल्तनत' से की। हालांकि यह फिल्म फ्लॉप रही, लेकिन जूही ने हार नहीं मानी और फिल्मों में मेहनत करती रहीं। इसके बाद उन्होंने कुछ समय के लिए दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया। वहां से अनुभव लेने के बाद उन्होंने फिर बॉलीवुड की ओर रुख किया। उनका असली ब्रेक फिल्म 'कयामत से कयामत तक' में आया। इस फिल्म में उनके साथ आमिर खान थे। इस फिल्म ने जूही को रातों-रात स्टार बना दिया।

इसके बाद जूही ने कई हिट फिल्में दीं, जिनमें 'प्रतिबंध', 'बोल राधा बोल', 'आईना', 'इश्क', 'हम हैं राही प्यार के' और 'डर' जैसी फिल्में शामिल हैं। उनकी फिल्मों में अक्सर उनकी मुस्कान और चुलबुली अदाओं ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया। जूही ने कॉमिक रोल्स में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। 'मिस्टर एंड मिसेज खिलाड़ी', 'दीवाना मस्ताना' और 'यस बॉस' जैसी फिल्मों में उनके कॉमिक टाइमिंग की खूब तारीफ हुई। जूही की निजी जिंदगी भी बहुत दिलचस्प है। उनकी मुलाकात अपने पति जय मेहता से 1992 में फिल्म 'कारोबार' की शूटिंग के दौरान हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ अनिल कपूर थे। उस समय जय मेहता की पत्नी का एक प्लेन हादसे में निधन हो चुका था। शुरुआत में जूही और जय सिर्फ दोस्त थे, लेकिन धीरे-धीरे उनकी दोस्ती गहरी हो गई। जूही ने जय को पहली पत्नी के निधन के सदमे से उबरने में भी साथ दिया। बाद में दोनों ने 1995 में शादी कर ली। उनके दो बच्चे हैं, बेटी जान्हवी और बेटा अर्जुन। जूही चावला ने अपने करियर में कई पुरस्कार भी जीते। उन्हें दो बार फिल्मफेयर अवॉर्ड मिल चुका है और कई बार बड़े अवॉर्ड्स के लिए नामांकन भी मिला। 'कयामत से कयामत तक' और 'हम हैं राही प्यार के' जैसी फिल्मों के लिए उनकी काफी सराहना हुई। इसके अलावा जूही को उनकी कॉमिक टाइमिंग और परफॉर्मेंस के लिए अलग-अलग अवॉर्ड्स भी मिले।जैसे-जैसे समय बीता, जूही ने फिल्मों से थोड़ी दूरी बनानी शुरू कर दी, लेकिन वह हमेशा समाज सेवा में सक्रिय रहीं।

सेट पर परफेक्ट शॉट पाने के लिए करनी पड़ती है बहुत मेहनत: रसिका दुग्गल

मिर्जापुर वेब सीरीज में 'बाऊजी' की बहू बीना त्रिपाठी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस रसिका दुग्गल की एक और दमदार सीरीज 'दिल्ली क्राइम 3' नेटफ्लिक्स पर गुरुवार को स्ट्रीम हो गई। क्राइम और थ्रिलर से भरी इस सीरीज में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी भी हैं। इस सीरीज में पुलिस अधिकारी नीतू सिंह का रोल प्ले करने वाली रसिका दुग्गल ने अपने अनुभव को शेयर किया है। रसिका दुग्गल ने बताया कि 'दिल्ली क्राइम 3' के सेट पर उन्होंने फोकस और तकनीक को लेकर बहुत कुछ सीखा। उन्होंने बताया कि कैसे तकनीकी पहलुओं और रचनात्मकता के बीच संतुलन बनाकर एक शॉट को परफेक्ट बनाया जा सकता है। एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैं किसी सेट पर जाती हूं तो सोचती हूं, 'काश उनके पास कोई बहुत अच्छा फोकस करने वाला हो, जिससे शॉट्स को बेहतरीन बनाया जा सके।' मैं हमेशा सेट पर इस बारे में पूछती थी। उन्होंने एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि मैंने एक शो किया था और आखिरी सीन में मुझे रोना था। अगर वह सीन नहीं चलता तो बाकी किरदार भी नहीं चलते। ये सीन एक ट्रैक शॉट था जिसमें आधे सेकंड के लिए फोकस चला गया था। मुझे उसका एक और टेक लेने के लिए कहा और उन्होंने उसके लिए एक सेफ्टी टेक लिया, क्योंकि पहले वाले में थोड़ी सी गड़बड़ी थी। दूसरा शॉट इतना परफेक्ट नहीं था, लेकिन फिर भी निर्देशक ने पहला वाला ही रखा। इस बात को लेकर डीओपी निर्देशक से नाराज हो गए।

उनका कहना था कि तुमने दर्शकों को मेरे काम की घटिया क्वालिटी दिखाई, लेकिन फिर भी वही सीन लिया गया।' कहने का मतलब है कि फोकस और आपसी सहयोग की वजह से शॉट को बेहतरीन बनाया जा सकता है।

रसिका दुग्गल ने कहा कि तकनीशियन मुश्किल से मुश्किल काम को आसान बना देते हैं और शूटिंग के समय किसी भी तरह के तथ्यों को नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता। कुछ सेट ऐसे भी हैं, जहां मुझे यह भी नहीं पता कि फोकस करने वाला कौन शख्स है। मुझे नहीं बताया गया कि किस निशान पर खड़े होना है। यहां से शॉट लेना ज्यादा अच्छा रहेगा या आप थोड़ा इधर-उधर हिल जाओ या निर्देशक आपको यहां देखना चाहते हैं।

दे दे प्यार दे 2 के रिलीज से पहले सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची रकुल प्रीत

भक्तों की मनोकामना पूर्ति के लिए भगवान गणेश का सिद्धिविनायक मंदिर सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है, जहां राजनेता से लेकर बॉलीवुड स्टार्स तक को देखा जाता है। अब अपनी फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' के रिलीज से एक दिन पहले एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह को बप्पा के दरबार में दर्शन करते हुए देखा गया। उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी दी। बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पर सिद्धिविनायक मंदिर से दर्शन के बाद अपनी फोटोज पोस्ट की हैं। फोटो में रकुल प्रीत येलो आउटफिट में दिख रही हैं और उनके हाथों में फूलों की बड़ी सी माला भी है। रकुल प्रीत ने कैप्शन में लिखा, आशीर्वाद लेने के लिए बप्पा के दरबार में, कल फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' रिलीज हो रही है, प्लीज अपना पूरा प्यार फिल्म को दीजिए, गणपति बप्पा मोरिया।

अब फिल्म रिलीज हो रही है, तो बप्पा का आशीर्वाद लेना भी बहुत जरूरी है। शुक्रवार को एक्ट्रेस की फिल्म अरबाज खान की 'त्रिघोरी' के साथ भिड़ने वाली है। 'त्रिघोरी' एक हॉरर फिल्म है, जिसमें रितुपर्णा सेनगुप्ता, महेश मांजरेकर और आदित्य श्रीवास्तव भी दिखने वाले हैं।

'दे दे प्यार दे 2' कॉमेडी और रोमांस से भरी फिल्म है, जिसमें रकुल प्रीत सिंह के अलावा अजय देवगन, आर माधवन, जावेद जाफरी और उनके बेटे मीजान जाफरी भी हैं। फिल्म का निर्देशन अंशुल शर्मा ने किया है।

रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म पहले दिन अच्छी कमाई करने में कामयाब होगी, क्योंकि फिलहाल पर्दे पर कोई बड़ी फिल्म नहीं है। ऐसे में उसका सीधा फायदा 'दे दे प्यार दे 2' को मिल सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म पहले दिन 8 से 10 करोड़ रुपए के बीच कमाई कर सकती है। इस फिल्म के पहले पार्ट की बात करें तो फिल्म 100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई थी।

पहली फिल्म में रकुल प्रीत और अजय देवगन के एक्सट्रा मैरिटल अफेयर को दिखाया गया था। तब्बू ने एक्टर की पत्नी बनकर जोरदार कॉमेडी की थी। अब 'दे दे प्यार दे 2' से भी दर्शक ऐसी ही उम्मीद कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। आप मोबाइल या टीवी पर आवश्यकता से अधिक समय जाया कर सकते हैं। लगता है कि आपका जीवनसाथी आज बहुत ख़ुश है। आपको सिर्फ़ वैवाहिक जीवन से जुड़ी उसकी योजनाओं में मदद करने की ज़रूरत है। परन्तु परेशान न हों, क्योंकि काम करके आप अपने अनुभव को और बढ़ा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश और नाराज़ हो सकते हैं। बिजली कटौती या फिर किसी अन्य वजह से आपको सुबह तैयार होने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी। जिन दोस्तों से अरसे से मुलाक़ात नहीं हुई है, उनसे मिलने के लिए सही समय है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। आपके जीवनसाथी का आन्तरिक सौन्दर्य बाहर भी पूरी तरह महसूस होगा। किसी भी काम को करने से पहले यह जान लें कि इसका परिणाम आपके ऊपर कैसा पड़ेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है। आपको कोई सरप्राइज़ मिल सकता है। आज कोई उलझन आपको दिन भर तंग कर सकती है। इस उलझन को दूर करने के लिए आपको अपने घर वालों से बात करनी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं ।अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है। संयमपूर्वक अपनी योजना को अन्तिम रुप दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। आपकी निजी ज़िंदगी के बारे में दोस्तों से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। वैवाहिक सुख के दृष्टिक–ोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है। किसी को काम देने से पहले उस काम के बारे में आपको खुद भी जानकारी एकत्रित कर देनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवन साथी की किसी बात को गंभीरता से न लेने की स्थिति में विवाद हो सकता है। कारोबारी में मुनाफ इस राशि के कारोबारियों के लिए आज सुनहरे सपने के सच होने जैसा होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग–रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। आपके किये गये कामों को आज आपके सीनियर्स के द्वारा सराहा जाएगा जिससे आपके चेहरे पर भी मुस्कान दौड़ जाएगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका रूख़ा बर्ताव आपके जीवनसाथी का मूड ख़राब कर सकता है। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएँ। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। रोमांचक दिन है, क्योंकि आपका प्रिय आपको तोहफ़े/उपहार दे सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक्त बिता सकते हैं। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। आज का दिन तनाव से मुक्त रहने की कोशिश करें, इसलिए आराम करने पर ज़ोर दें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बच्चों के साथ आप सुकून पाएंगे। बच्चों की यह क्षमता क़ुदरती है और न केवल आपके परिवार के बच्चों में, बल्कि हर बच्चे में यह गुण होता है। वे आपको सुकून और राहत दे सकते हैं। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। आज के दिन अपने प्रिय की भावनाओं को समझें। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत से जुड़े कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 14 नवंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 12:51 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 09:21 तक
योग : ऐन्द्र प्रातः 06:26 तक
करण : वणिज दोपहर 12:09 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 03:51 तक
सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 12:08 से रात्रि 12:50 तक , बाल दिवस , नेहरू जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अधिकारी आम जनता द्वारा ऐप पर भेजी शिकायतों को पूर्ण समाधान के बाद ही करे बंद : सैनी

चण्डीगढ़, 13 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'म्हारी सड़क ऐप' की कुछ शिकायतों को बिना पूर्ण निवारण के बंद करने और शिकायतों का ठीक से निपटान न करने को लेकर विभिन्न विभागों के सम्बंधित 19 कार्यकारी अभियंताओं पर विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इनमें पीडब्ल्यूडी के 2, एचएसएएमबी के 6, एसए–सआईआईडीसी के 2, जिला परिषद का 1, यूएलबी के 5 और एसएसवीपी के 3 कार्यकारी अभियंता शामिल है। इसके अलावा, यह भी निर्देश दिए कि जो ठेकेदार तैय समय सीमा में शिकायतों का निवारण नहीं कर रहे हैं, संबंधित विभाग उनके खिलाफ भी कार्यवाही करे। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश 'म्हारी सड़क ऐप' पर आई शिकायतों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जो भी कार्य दिया जाता है या लोगों की कोई शिकायत आती है तो उसका समाधान धरातल पर शत प्रतिशत दिखना चाहिए। नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी आम जनता द्वारा ऐप पर भेजी गई सड़कों की शिकायतों के पूर्ण समाधान के बाद ही शिकायत को बंद करे, यदि किसी शिकायत को संबंधित अधिकारी ने बिना समाधान के बंद किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। साथ ही, प्रदेश की सड़कों पर सफेद पट्टी व साइन बोर्ड लगवाने भी सुनिश्चित किए जाए।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि म्हारी सड़क एप पर शिकायत आते ही उसको तय समय सीमा में पूरा किया जाए ताकि जनता को किसी भी परेशानी का सामना न करना पडें। यदि कोई सम्बंधित अधिकारी शिकायत का समय पर समाधान नहीं करता या गलत जानकारी देता है तो उसके खिलाफ सम्बंधित विभाग सख्त कार्यवाही करे।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि म्हारी सड़क ऐप की जानकारी और डाउनलोड करने के लिए लोगों को ज्यादा से ज्यादा विभिन्न माध्यमों से जागरूक करे, ताकि सड़क से सम्बंधित समस्या को लेकर वें ऐप को उपयोग कर सकें। इसके अलावा, सडकों के गड्ढों को ठीक प्रकार से भरा जाए, इसको लेकर लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि छोटी व बड़ी शिकायतों का अलग–अलग वर्गीकरण कर तय समय सीमा में निस्तारण करना भी सुनिश्चित किया जाए। साथ ही ऐप पर जो नागरिक गड्ढों की फोटो डालकर जानकारी देता है तो उससे बात करना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंनें ऐप के सम्बंध में फील्ड में कार्यरत अधिकारियों को प्रशिक्षण भी देने के निर्देश दिए है ताकि उन्हें ऐप के संचालन की सही जानकारी मिल सके। इसके अलावा, जिस विभाग की सड़कों की मैपिंग अभी तक पूरी नहीं हुई वे मैपिंग का कार्य भी जल्द करे। इससे भविष्य में उस सड़क पर कार्य करना आसान होगा। इसके अतिरिक्त, ऐप पर एक सेल अलग से बनाकर एनएच की सडकों की शिकायतों को उस पर डाला जाए।

इस अवसर पर बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, नगर एवं ग्राम आयोजना तथा शहरी संपदा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्व कुमार सिंह, मुख्यमंत्री प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा ने वोट चोरी कर जनादेश की आवाज को दबा की गद्दी चोरी : राव नरेंद्र सिंह

अंबाला, 13 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा ने वोट चोरी करके जनादेश की आवाज को दबाकर गद्दी चोरी की है। प्रदेश कांग्रेस, भाजपा की वोट चोरी की सच्चाई हर गांव, हर बूथ, हर घर और आमजन तक पहुंचाएगी, क्योंकि लोकतंत्र कभी बिक नहीं सकता है, जनता झुक नहीं सकती है और कांग्रेस कभी रूक नहीं सकती है। लड़ाई कठिन है, लेकिन हर वर्ग को साथ लेकर कांग्रेस वोट चोरी के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह गुरुवार को अंबाला में वोट चोर–गद्दी छोड़ अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम में पहुंचने पर अंबाला लोकसभा सांसद वरुण चौधरी ने प्रदेशाध्यक्ष का फूल–मालाओं के साथ स्वागत किया। वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान कार्यक्रम में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा विशेष तौर पर मौजूद रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए एकजुटता के साथ वोट चोरी के खिलाफ लड़ाई लड़ने का आह्वान किया और कहा कि अंबाला वह पवित्र धरती है, जहां पर 1857 में आजादी की पहली चिंगारी निकली थी। यह, वही अंबाला है, जहां पर सिपाहियों ने कहा था कि अब उन्हें गुलामी नहीं आजादी चाहिए। उसी धरा से आज एक नई आवाज उठेगी और वह वोट की लूट नहीं, लोकतंत्र चाहिए की होगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी कहते हैं कि लोकतंत्र की आवाज को दबाया नहीं जा सकता है, कांग्रेस का इतिहास लड़ने का रहा है।

उन्होंने संविधान की प्रति लहराते हुए कहा कि संविधान की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होना होगा, क्योंकि संविधान निर्माण में स्वतंत्रता सेनानियों का बड़ा योगदान रहा है। इसलिए संविधान की रक्षा करना हम सबका दायित्व बनता है।कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि चुनाव के बाद वर्ष 2024 में आए एग्जिट पोल में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार बन रही थी। एग्जिट पोल में कांग्रेस की 60 से 62 सीटें दिखाई गई, यही नहीं पोस्टल बेल्ट के नतीजे भी कांग्रेस के पक्ष में थे। पोस्टल बेल्ट में कांग्रेस की 77 सीटें थी। पिछले चार चुनावों का इतिहास उठाकर देखें तो जिस पार्टी को पोस्टल में बढ़त मिलती है, वही सरकार बनाती है।

वोट के लिए राशन कार्ड घोटाला

कांग्रेस ने हरियाणा सरकार को घेरा किसानों को लूटने का लगाया आरोप

चंडीगढ़, 13 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस विधायक दल ने राज्य की भाजपा सरकार पर लोकतंत्र और संवैधानिक जिम्मेदारी के घोर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए आज राज्यपाल को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्रसिंह हुड्डा और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में प्रदेश की गंभीर परिस्थितियों, जिसमें किसानों की बर्बादी, धान खरीद घोटाला, बढ़ते अपराध और राशन कार्ड घोटाले शामिल हैं, पर तत्काल संज्ञान लेने का अनुरोध किया गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने किसानों को हुए नुकसान, भ्रष्टाचार और आम नागरिक की सुरक्षा जैसे प्राथमिक दायित्वों की पूर्णतः उपेक्षा की है। वोटों के लिए राशन कार्ड घोटालाः ज्ञापन में सबसे गंभीर आरोप राशन कार्ड घोटाले को लेकर लगाया गया है। कांग्रेस ने दावा किया कि 2024 के चुनावों से पहले सरकार ने लाखों लोगों को रातों–रात BPL घोषित करके उनके राशन कार्ड बनाए और मुफ्त अनाज का लालच देकर उनके वोट हासिल किए। हालांकि, चुनाव के तुरंत बाद, लाखों लोगों के राशन कार्ड काटे जा रहे हैं।

बहुमंजिला बिल्डिंगों में निर्माण के समय ही प्राकृतिक गैस ढांचागत के लिए समन्वित प्रयास : टी. रविकान्त

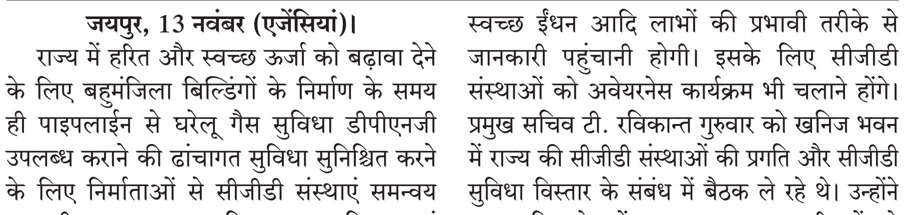

जयपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य में हरित और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए बहुमंजिला बिल्डिंगों के निर्माण के समय ही पाइपलाईन से घरेलू गैस सुविधा डीपीएनजी उपलब्ध कराने की ढांचागत सुविधा सुनिश्चित करने के लिए निर्माताओं से सीजीडी संस्थाएं समन्वय बनाएगी। प्रमुख शासन सचिव खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने 17 भौगोलिक क्षेत्रों में कार्य कर रही 13 सीजीडी संस्थाओं को भवन निर्माताओं से भी समन्वय बनाने की आवश्यकता प्रतिपादित की है। पर्यावरण प्रदूषण से राहत के लिए हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना समय की मांग है और इसके लिए सीजीडी संस्थाओं को आम नागरिकों तक प्रभावी तरीके से पाइपलाईन से घरेलू गैस के सुरक्षित, प्रदूषणमुक्त, 24 गुणा 7 उपलब्धता, स्वच्छ ईंधन आदि लाभों की प्रभावी तरीके से जानकारी पहुंचानी होगी। इसके लिए सीजीडी संस्थाओं को अवेयरनेस कार्यक्रम भी चलाने होंगे। प्रमुख सचिव टी. रविकान्त गुरुवार को खनिज भवन में राज्य की सीजीडी संस्थाओं की प्रगति और सीजीडी सुविधा विस्तार के संबंध में बैठक ले रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 4 लाख 82 हजार परिवारों को पाइपलाईन से घरेलू गैस सुविधा से जोड़ा जा चुका है। इसके साथ ही वाहनों को हरित उर्जा उपलब्ध कराने के लिए राज्य में 491 सीएनजी स्टेशनों से सीएनजी उपलब्ध कराई जाने लगी है। सीजीडी संस्थाओं को अपने जीए क्षेत्र में संरचनात्मक ढांचा विकसित करने के कार्य में तेजी लानी होगी वहीं घरेलू के साथ ही औद्योगिक इकाइयों को पीएनजी सेवाओं से जोड़ने के ठोस प्रयास करने होंगे।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों का लिया जायजा

भीलवाड़ा, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर जिले में 15 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रम व गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन्हीं कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत शुक्रवार एवं शनिवार को नगर निगम टाउनहॉल में जिला स्तरीय प्रदर्शनी, अमृता हाट तथा शोभायात्रा सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार कार्यक्रम स्थलों पर तैयारियों का जायजा मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद चंद्रभान सिंह भाटी ने लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध रूप से सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। भाटी ने आयोजन स्थल पर मंच, विद्युत, पेयजल, स्वच्छता, पार्किंग एवं सुरक्षा संबंधी तैयारियों का निरीक्षण किया तथा उपस्थित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपरा एवं गौरव को प्रदर्शित करने का माध्यम बनेगा। इस दौरान नगर निगम आयुक्त हेमाराम चौधरी, जनसंपर्क अधिकारी रविन्द्र वैष्णव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर ने किया नगर व सीकरी का औचक निरीक्षण

डीग, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने गुरुवार को जिले में चल रहे कार्यों की जमीनी हकीकत परखने के लिए पंचायत समिति नगर और तहसील सीकरी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी कार्यों में और गति लाए। जिला कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान बीएलओ से सीधे संवाद किया और गणना प्रपत्रों को ऑनलाइन अपलोड करने की प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे बीएलओ को फॉर्म ऑनलाइन भरने में हरसंभव तकनीकी सहायता प्रदान करें और यह सुनिश्चित करें कि अधिकाधिक मतदाताओं से ऑनलाइन फॉर्म भरवाए जाएं।

जिला निर्वाचन अधिकारी उत्सव कौशल ने पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को काम पूरा करने का स्पष्ट लक्ष्य दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि गणना प्रपत्र वितरण का कार्य शत–प्रतिशत पूरा किया जाए। इसके साथ ही, अब तक जितने भी प्रपत्र एकत्रित हो चुके हैं, उनका डिजिटाइजेशन भी पूरा करवाया जाए। उन्होंने ईआरओ और एईआरओ–वार प्रपत्र वितरण और डिजिटाइजेशन की प्रगति रिपोर्ट की निरंतर निगरानी करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी ईआरओ और एईआरओ अपने–अपने कार्यालय की डिजिटाइजेशन टीम के साथ नियमित रूप से बैठक लेकर उनके कार्यों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करें। डिजिटाइजेशन में सभी प्रविष्टियां सही भरी जाएं और कार्य गुणवत्तापूर्ण हो, इसमें त्रुटि की कोई गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए।

अंता विधानसभा उपचुनाव : कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना आज

जयपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा उपचुनाव के तहत शुक्रवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि मतगणना सुबह 8 बजे से प्रारंभ की जाएगी। इसमें 14 टेबलों पर 20 राउंड में ईवीएम मशीनों से मतों की गिनती की जाएगी। चुनाव में कुल 271 ईवीएम मशीनों को उपयोग में लिया गया है। मतगणना में डाक मतपत्रों के मतों की गिनती भी की जाएगी। चुनाव में कुल 15 अभ्यर्थियों के लिए वोट डाले गए हैं। मतगणना के दौरान त्रि–स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मतगणना केन्द्र पर प्रवेश सुबह 7:30 बजे तक रहेगा तथा मोबाइल फोन और ध्रूमपान सामग्री ले जाना निषिद्ध रहेगा। मतगणना की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने गुरुवार को राजकीय महाविद्यालय स्थित मतगणना स्थल का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी तोमर ने सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश व्यवस्था, स्ट्रॉन्ग रूम, मीडिया सेंटर, पार्किंग, बिजली एवं संचार व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मतगणना प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो, इसके लिए सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली जाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि परिसर में सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के निर्देशन में ही मीडिया कवरेज की जाएगी। मतगणना हॉल में सीसीटीवी कैमरे, मीडिया कवरेज सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लेकर सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि मतगणना स्थल पर तीन स्तर की सुरक्षा व्यवस्था रहेगी तथा केवल अधिकृत पासधारी व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। मोबाइल फोन का उपयोग केवल मीडिया सेंटर में ही अनुमत रहेगा। निरीक्षण के दौरान एडीएम भंवर लाल जनागल, एडीएम जबर सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजवीर सिंह चौधरी, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी, रिटर्निंग अधिकारी हवाई सिंह यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कोर्ट ने धर्मस्थल मामले में रोक हटाई

एसआईटी को कार्यकर्ताओं को परेशान करने से बचने का निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को धर्मस्थल सामूहिक दफनाने के मामले में दर्ज प्राथमिकी में आगे की कार्यवाही पर अंतरिम रोक हटा ली। साथ ही, विशेष जांच दल (एसआईटी) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि जांच के दौरान याचिकाकर्ताओं को परेशान न किया जाए। इस मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति मोहम्मद नवाज ने कहा कि हालांकि प्राथमिकी पर लगी रोक हटा ली गई है, लेकिन एसआईटी को याचिकाकर्ताओं, गिरीश मत्तनवर, महेश शेट्टी, टी जयंत और विट्ठल गौड़ा, को परेशान करने से रोकने वाला पूर्व का निर्देश जारी रहेगा। मामले की जांच कर रही एसआईटी द्वारा दायर आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने अपने अंतरिम आदेश में संशोधन किया। 30 अक्टूबर को, अदालत ने इस मामले में प्राथमिकी पर रोक लगा दी थी, जब याचिकाकर्ताओं ने यह चिंता जताई थी कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 211ए के तहत जांच के लिए मजिस्ट्रेट द्वारा दी गई अनुमति बिना किसी पर्याप्त कारण के जारी की गई थी। इसके बाद, सूचना देने वाले को ही गिरफ्तार कर लिया गया और उसे जालसाजी और षड्यंत्र के लिए एकमात्र आरोपी बनाया गया। सुनवाई के दौरान, एसआईटी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त राज्य लोक अभियोजक (एसपीपी) बी एन जगदीश ने तर्क दिया कि मजिस्ट्रेट का आदेश कानून के अनुरूप था और याचिकाकर्ताओं तथा उनके सहयोगियों के खिलाफ गंभीर एवं विश्वसनीय आरोप थे। एसपीपी ने कहा इनमें से कई आरोपों की परिस्थितिजन्य और डिजिटल फॉरेंसिक साक्ष्यों और गवाहों की गवाही पर आधारित विस्तृत क्षेत्रीय जांच के माध्यम से स्वतंत्र रूप से पुष्टि की गई है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि याचिकाकर्ताओं द्वारा शुरू की गई कार्यवाही को चुनौती देना न्याय का उपहास है और याचिकाएं खारिज की जानी चाहिए। धर्मस्थल और उसके आसपास कई शवों को दफनाने का दावा करने वाले मुखबिर के बयान के आधार पर बीएनएस की धारा 211ए के तहत प्राथमिकी (अपराध संख्या 39/2025) दर्ज की गई थी। इस पर कार्रवाई करते हुए, एसआईटी ने 17 स्थलों की खुदाई की, लेकिन बाद में निष्कर्ष निकाला कि आरोप झूठे थे। अपनी आपत्तियों के विस्तृत विवरण में, एसआईटी ने कहा कि कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने उचित परिश्रम दिखाया और उत्खनन कार्य 'शिकायतकर्ता और वकीलों सहित उनकी सहयोगी टीम की पूर्ण संतुष्टि के लिए' किया गया। इस प्रक्रिया की पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग की गई थी, और अधिकारियों ने कथित तौर पर सटीकता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिकूल मौसम और भू-भाग की परिस्थितियों में काम किया। जांच में आगे पता चला कि सूचनादाता द्वारा साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत मानव खोपड़ी, जैसा कि दावा किया गया था, किसी महिला की नहीं थी, बल्कि केएमसी अस्पताल, मेंगलूरु और विक्टोरिया अस्पताल, बेंगलूरु की फॉरेंसिक रिपोर्टों के अनुसार, 20 से 30 वर्ष की आयु के एक पुरुष की थी। खोपड़ी की आगे की जांच चल रही है। मुठभेड़ के बाद, सूचनादाता ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि शिकायत और बयान याचिकाकर्ताओं, जिनमें थिमारोडी और अन्य शामिल हैं, के निर्देश और मिलीभगत से दिए गए थे। एसआईटी ने कहा कि उसने शिकायतकर्ता और याचिकाकर्ताओं को बीएनएस की धारा 336, 230, 231, 229, 227, 228, 240, 236, 233 और 248 के तहत दंडनीय अपराधों में संलिप्त पाया। एसआईटी के बयान में कहा गया है, संबंधित प्रावधानों को लागू करने और जांच जारी रखने की अनुमति देने के लिए मजिस्ट्रेट से विधिवत अनुरोध किया गया था। इसमें आगे कहा गया है कि याचिकाकर्ताओं को बीएनएसएस की धारा 35(3) के तहत जारी किया गया नोटिस वैध था, क्योंकि शिकायत दर्ज करने से जुड़े सबूत मौजूद थे। एसआईटी ने कहा कि याचिकाकर्ता और उनके सहयोगी कई रिट याचिकाएँ दायर करके जांच को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे थे, क्योंकि उन्हें सच्चाई सामने आने का डर था।

बीज वितरण को लेकर कृषि विभाग की ओर से नहीं की गई व्यवस्था, गुस्साए किसानों ने जमकर किया हंगामा

पटना/एजेंसियां। जिले के मनेर प्रखंड कार्यालय स्थित किसान भवन के परिसर में सैकड़ों किसानों ने कृषि विभाग की ओर से पंचायत वार बीज वितरण के दौरान व्यवस्था नहीं होने के कारण किसानों ने जमकर हो हंगामा किया। हंगामा करते हुए किसानों ने कृषि विभाग पर मनमानी लापरवाही और व्यवस्था नदारद का आरोप लगाया है। हो हंगामा की सूचना पर पहुंची मनेर पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया है। वहीं भीड़ न संभालने पर कृषि पदाधिकारी कार्यालय छोड़कर बाहर निकल गए। कृषि पदाधिकारी के लापरवाही को लेकर किसानों में काफी रोष नजर आया। बताया जाता है कि 5 दिन पूर्व किसानों ने मनेर में बीज को लेकर हंगामा किया था। इसके बाद मनेर कृषि पदाधिकारी अमेरेंद्र बहादुर सिंह के द्वारा पंचायत स्तर के क्रमवार लिस्ट निकालकर बीज वितरण की सूचना किसानों को दी थी, लेकिन पंचायत वार किसानों के बीच वितरण सही तरीके से होता हुआ नहीं दिखा। जिसे लेकर सूची के अनुसार पंचायत स्तर के क्रमवार सुअर मरवा पंचायत सहित कई पंचायत का बीज वितरण का कार्य बुधवार सुबह से शुरू की गई थी। इसके बाद सुअर मरवा पंचायत और अन्य पंचायत के किसान बीज के लिए ई किसान भवन पहुंचे। लेकिन ई-किसान भवन में कृषि पदाधिकारी के द्वारा किसी तरह की व्यवस्था बुधवार को नहीं की गई। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में किसान अनुदान पर मिलने वाले मटर, मसूर और चना के बीज लेने के लिए पहुंचे थे। व्यवस्था न होने और घंटों इंतजार के बाद 2-4 किसानों को बीज मिल पाई। काफी विलंब होने पर किसानों में नाराजगी व्याप्त हो गई। इसके बाद नाराज किसानों ने ई-किसान भवन के परिसर में जमकर हो हंगामा करना शुरू कर दिया। किसानों के हो हंगामा को देखकर कृषि पदाधिकारी भीड़ को देखकर बाहर निकल गए। जिसके कारण बीज वितरण का कार्य भी बाधित हो गया। इसके बाद फिर किसानों ने लगातार हो हंगामा करना शुरू कर दिया। इधर सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास किया, लेकिन मौजूद किसानों ने कृषि पदाधिकारी समेत कृषि से जुड़े कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। इधर कृषि पदाधिकारी अमरेंद्र बहादुर सिंह से पूछे जाने पर बताया कि बीज अचानक होने के कारण बीज वितरण में परेशानी बढ़ गई। उसके बाद मौजूद किसानों ने जमकर हो हंगामा शुरू कर दिया। जिसे लेकर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

रोहतास में मतगणना केंद्र पर ट्रक से मचा भ्रम

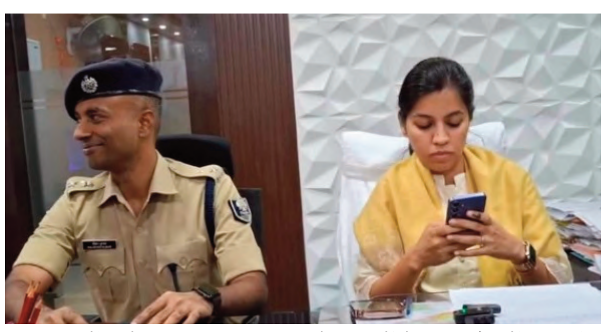

रोहतास/एजेंसियां। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की मतगणना से ठीक 36 घंटे पहले सासाराम में स्ट्रांग रूम के बाहर अचानक एक ट्रक के पहुंचने से हल्का हंगामा मच गया। इस घटना के बाद कुछ अफवाहें फैलने लगीं कि मतगणना केंद्र की सुरक्षा में गड़बड़ी हुई है और सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए गए हैं। लेकिन अब जिला प्रशासन ने इस पूरे मामले पर साफ-साफ बयान जारी कर दिया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम उदिता सिंह ने गुरुवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मतगणना स्थल पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी है। सभी ईवीएम मशीनें त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखी गई हैं और किसी तरह की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं है। डीएम ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। डीएम ने बताया कि चेनारी विधानसभा के शिवसागर प्रखंड से खाली स्टील बॉक्स लदा ट्रक बिना पूर्व सूचना के मतगणना केंद्र भेज दिया गया था। चूंकि सासाराम के तकिया बाजार समिति परिसर में ईवीएम रखी गई हैं, इसलिए उस ट्रक को देखकर अभ्यर्थियों में भ्रम की स्थिति बन गई। उन्होंने कहा कि ट्रक भेजने की जरूरत क्यों पड़ी, यह अभी जांच का विषय है। इस मामले में चेनारी विधानसभा के आरओ सह एडीएम ललित भूषण रंजन से स्पष्टीकरण मांगा गया है। डीएम ने यह भी कहा कि मतगणना स्थल पर लगाए गए सभी सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे चालू हैं। किसी कैमरे के बंद होने की बात पूरी तरह गलत है। अभ्यर्थी या उनके प्रतिनिधि चाहें तो चुनाव आयोग के नियमों के तहत कैमरों की जांच कर सकते हैं। एसपी रौशन कुमार ने बताया कि स्ट्रांग रूम की सुरक्षा तीन लेयर में की गई है, पहली लेयर में जिला पुलिस, दूसरी लेयर में बीएसएपी के जवान, तीसरी लेयर में सीआरपीएफ तैनात हैं। एसपी ने कहा कि ट्रक को सुरक्षा घेरे के बाहर ही रोक दिया गया था और सभी अभ्यर्थियों की मौजूदगी में जांच की गई। उन्होंने साफ कहा कि ईवीएम बदलने या कैमरे बंद करने जैसी बातें महज अफवाह हैं। सुरक्षा को और मजबूत किया गया है ताकि मतगणना पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से हो सके।

बेंगलूरु में सुरंग सड़क परियोजना के लिए चार प्रमुख बुनियादी ढांचा कंपनियों ने बोली लगाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में प्रस्तावित सुरंग सड़क परियोजना ने एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है क्योंकि बेंगलूरु स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (बी-स्माइल) को चार प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर फर्मों से बोलियां प्राप्त हुई हैं। इस परियोजना की देखरेख करने वाली विशेष प्रयोजन संस्था, बी-स्माइल के अधिकारियों के अनुसार, रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल), अडानी समूह, विश्व समुद्र इंजीनियरिंग और दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड ने बोलियां प्रस्तुत की हैं। हेब्बल स्थित एस्टीम मॉल जंक्शन को बेंगलूरु के दक्षिणी भाग में सेंट्रल सिल्क बोर्ड जंक्शन से जोड़ने वाली 16.74 किलोमीटर लंबी दोहरी सुरंग के निर्माण के उद्देश्य से निर्मित यह परियोजना हाल के वर्षों में सबसे अधिक चर्चा में रहे शहरी बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों में से एक रही है। इस परियोजना को लागू करने के इच्छुक उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के अनुसार, इस परियोजना से प्रमुख उत्तर-दक्षिण गलियारों में यातायात की भीड़ कम होने की उम्मीद है। हालांकि, कई लोगों ने इस परियोजना का विरोध किया है और कर्नाटक उच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण में कई जनहित याचिकाएं लंबित हैं। बी-स्माइल ने जुलाई 2025 में इस परियोजना के लिए वैश्विक निविदाएं जारी की थीं, जिनमें दो अलग-अलग पैकेजों के लिए बोलियां आमंत्रित की गई थीं। हालांकि, प्रमुख फर्मों की सीमित रुचि के कारण समय सीमा को कई बार बढ़ाया गया था। 16 जुलाई को पहली बार जारी की गई इस निविदा में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 3 सितंबर थी। जब कोई महत्वपूर्ण बोली प्राप्त नहीं हुई, तो समय सीमा को 30 सितंबर, फिर 29 अक्टूबर और अंततः 11 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया। अधिकारियों ने दावा किया कि सभी चार कंपनियों ने अंतिम समय सीमा से पहले अपनी बोलियां जमा कर दीं। बी-स्माइल के अधीक्षण अभियंता द्वारा जारी निविदा अधिसूचना के अनुसार, परियोजना की निर्माण अवधि 50 महीने निर्धारित की गई है, जो चार वर्ष और दो महीने के बराबर है। यदि योजना के अनुसार कार्य किया जाता है, तो सुरंग सड़क 2029 के अंत तक चालू हो सकती है। यह परियोजना निर्माण, स्वामित्व, संचालन और हस्तांतरण (बीओओटी) मॉडल का पालन करेगी, जिसकी कुल रियायत अवधि 34 वर्ष है, जिसमें निर्माण समय भी शामिल है। चयनित ठेकेदार रियायत अवधि के अंत में कर्नाटक सरकार को इसे सौंपने से पहले बुनियादी ढांचे का विकास, संचालन और रखरखाव करेगा। दोहरी सुरंग परियोजना को दो पैकेजों में विभाजित किया जाएगा। पैकेज 1, एस्टीम मॉल जंक्शन से शेषाद्रि रोड-रेसकोर्स जंक्शन तक 8.748 किलोमीटर लंबा है, जबकि पैकेज 2, शेषाद्रि रोड और सिल्क बोर्ड जंक्शन के बीच 8.748 किलोमीटर के एक और हिस्से को कवर करता है। प्रत्येक खंड में तीन-तीन लेन वाली दो सुरंगें होंगी, जिनमें यातायात प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए समर्पित प्रवेश और निकास रैंप होंगे। निर्माण में कम से कम आठ सुरंग बोरिंग मशीनों (टीबीएम) के इस्तेमाल की उम्मीद है। पैकेज 1 की अनुमानित लागत 8,770 करोड़ है, जिसके लिए सफल बोलीदाता से 43.85 करोड़ की वित्तीय गारंटी की आवश्यकता होगी। पैकेज 2 का मूल्य 8,928 करोड़ है, जिसके लिए 44.64 करोड़ की गारंटी की आवश्यकता है। चारों भागीदार कंपनियां विविध विशेषज्ञता लेकर आ रही हैं। रेल मंत्रालय के अंतर्गत पूर्णतः सरकारी स्वामित्व वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी, आरवीएनएल, रेलवे परियोजनाओं से आगे बढ़कर राजमार्ग और बिजली जैसे क्षेत्रों में भी विस्तार कर रही है। एक प्रमुख भारतीय समूह, अदानी समूह, का बुनियादी ढांचा विकास में एक व्यापक पोर्टफोलियो है। विश्व समुद्र इंजीनियरिंग एक बहु-विषयक सिविल निर्माण कंपनी है, जबकि दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड एक अग्रणी बुनियादी ढांचा विकास कंपनी है जो बड़े पैमाने पर सड़क परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जानी जाती है।

समस्तीपुर डीएम ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

समस्तीपुर/एजेंसियां। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की मतगणना नजदीक आते ही जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। इसी क्रम में गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-डीएम रोशन कुशवाहा और पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने समस्तीपुर कॉलेज स्थित वज्रगृह (स्ट्रांग रूम) का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने मतदान के बाद जमा की गई ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा, व्यवस्था और निगरानी प्रणाली की बारीकी से समीक्षा की। डीएम रोशन कुशवाहा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि वज्रगृह की सुरक्षा अभेद्य रहनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतगणना केंद्र में प्रवेश केवल उन्हीं व्यक्तियों को मिलेगा, जिनके पास निर्वाची पदाधिकारी द्वारा जारी आधिकारिक पहचान पत्र होगा। सुरक्षा जांच के उपरांत केवल निर्वाची पदाधिकारी, नियुक्त मतगणना अभिकर्ता तथा फॉर्म-18 पर अधिकृत व्यक्ति ही काउंटिंग हॉल में प्रवेश कर सकेंगे। उन्होंने यह भी सख्ती से निर्देश दिया कि एक बार अंदर प्रवेश करने वाले कर्मी या अभिकर्ता को बाहर जाने के बाद पुनः प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह व्यवस्था मतगणना प्रक्रिया की शुचिता, पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य की गई है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने काउंटिंग हॉल के अंदर की टेबल व्यवस्था, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा बलों की तैनाती और कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतगणना प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होनी चाहिए तथा सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतगणना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था त्रिस्तरीय रहेगी। प्रत्येक संवेदनशील बिंदु पर पुलिस बल, अर्धसैनिक बल और दंडाधिकारी की तैनाती की जाएगी। प्रशासन का दावा है कि पूरी तैयारी के साथ मतगणना को निष्पक्षता और पूर्ण सुरक्षा के बीच सम्पन्न कराया जाएगा।

पटना में दो पक्षों के बीच भिड़ंत, दोनों ओर से जमकर फायरिंग, तीन घायल

पटना/एजेंसियां। पटना सिटी के दीदारगंज में बुधवार की देर रात को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी हुई। इस घटना में तीन युवक घायल हो गए। तीनों को इलाज के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसमें से एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस के कहा कि आपसी विवाद के कारण दोनों ओर से गोलीबारी की गई है। इसमें दो युवकों के पैर और एक के सीने में गोली लगी है। दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है। दोषियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। मिली जानकारी के अनुसार दीदारगंज थाना क्षेत्र के ज्ञानचक गांव में पूर्व में जुआ खेलने को लेकर दो गुटों के बीच मारपीट हुई थी। उसी को लेकर बुधवार की रात कुछ युवकों ने पिस्टल से गोलीबारी कर दी। इस गोलीबारी में विकास कुमार (21 वर्ष), साहिल कुमार (20 वर्ष), अंकित कुमार (20 वर्ष) जख्मी हो गए। विकास और अंकित को पैर में और साहिल कुमार के सीने में गोली लगी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।इस मामले को लेकर दीदारगंज थाना प्रभारी रणवीर कुमार ने बताया कि दो गुटों के बीच पूर्व से दीपावली के दिन से ही विवाद चल रहा था। बुधवार की देर रात दोनों के बीच कहा सनी के बाद बात इतनी बढ़ गई की एक गुट ने गोलीबारी कर दी। इस घटना में तीन युवकों को गोली लगी है। उन्होंने बताया कि घटना स्थल से पुलिस ने गोली के कुछ खोखे बरामद किए हैं। पुलिस ग्रामीणों से पूछताछ के बाद मामले पर कार्रवाई कर रही है।

शराबी को पकड़ने गई मद्यनिषेध टीम पर पथराव

पटना/एजेंसियां। पटना में शराब के विरुद्ध कार्यवाही के दौरान मद्यनिषेध विभाग की टीम पर 14-15 लोगों ने हमला कर दिया जिससे तीन महिला पुलिसकर्मी और एक गृहरक्षक घायल हो गए। इस घटना में बदमाशों ने चार गाड़ियों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना क्षेत्र के गंजपर गांव की है। घटना के संबंध में मद्यनिषेध थाना अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि रोज की तरह टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि कुछ लोग शराब पीकर हंगामा कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस उक्त स्थान पर गई और कार्यवाई करते हुए दो आरोपियों को शराब के नशें में होने के कारण गिरफ्तार कर लिया। मद्यनिषेध की टीम के द्वारा गिरफ्तार कर अपने साथ ले जाने के दौरान अचानक वहां स्थानीय लोगों ने पुलिस को घेर लिया और गिरफ्तारी का विरोध करने लगे। पुलिस उन लोगों को समझा कर मामले को शांत करना चाह रही थी लेकिन उग्र लोग मानने के लिए तैयार नहीं थे। इसी दौरान मामला बिगड़ गया और फिर देखते ही देखते स्थानीय लोगों ने मिलकर मद्यनिषेध की टीम पर गाली-गलौज करते हुए पथराव करने लगे। अचानक हुए हमले से पुलिस खुद को बचा पाती इस दौरान वेलोग दोनों आरोपी को भी भगा कर ले भागे। किसी तरह पुलिस टीम वहां से निकल पाई। पुलिस पर हुए पथराव में मद्यनिषेध टीम की निधि प्रिया, निगम कुमारी, कविता कुमारी और गृहरक्षक सतेंद्र पासवान घायल हो गए। वहीं चार गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गए। मामले को लेकर पुलिस ने एक आरोपी सुखदेव राय को गिरफ्तार किया है वहीं अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। स.अ.नि. पिंकि कुमारी ने अथमलगोला थाना में प्राथमिकी दर्ज की है। घायल पुलिसकर्मियों का स्थानीय अस्पताल में इलाज करवाया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com